हनुमान अंश ने बॉक्स ऑफिस पर 45वें दिन भी मचाया धमाल, नीम करोली बाबा की कहानी ने जीता दिल

रॉयल बुलेटिन

तापमान - अधिक्तम - 34
न्यूनतम - 29

प्रात : कालीन हिन्दी दैनिक

Royal Bulletin को ऑनलाइन पढ़ने के लिए QR Code SCAN करें

● वर्ष 42, ● अंक 262 RNI NO.43285/85 ● संस्करण- नगर ● मुजफ्फरनगर सोमवार 21 सितम्बर 2026 ● भाद्रपद शुक्ल 9 विक्रमी संवत ● पृष्ठ 12 ● मूल्य 4 रूपया

चार साल से कम उम्र वाले बच्चों को देना होगा वर्जित

कफ सिरप की बोतलों पर छपेगी 'लाल रंग' में चेतावनी

● लेबल पर स्कूल जाने वाले बच्चों की तस्वीर का प्रस्ताव

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में बच्चों की सेहत और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए केंद्र सरकार एक अहम कदम उठाने जा रही है। इसके तहत जल्द ही कफ सिरप की बोतलों पर लाल रंग में यह स्पष्ट चेतावनी लिखी होगी कि यह दवा 4 साल से कम उम्र के बच्चों को नहीं दी जानी चाहिए। केंद्रीय दवा नियामक ने इसके लिए लेबलिंग नियमों में बदलाव का प्रस्ताव तैयार किया है। बता दें कि दवा नियामक के प्रस्ताव के मुताबिक, कफ सिरप की हर बोतल पर 65 फीसदी हिस्से में लाल रंग से यह चेतावनी साफ-साफ शब्दों में लिखी जाएगी कि इस दवा का इस्तेमाल 4 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए न किया जाए। इसके अलावा, यह भी प्रस्ताव है कि सिरप के लेबल पर स्कूल जाने की उम्र के बच्चों की एक तस्वीर भी लगाई जाए, ताकि माता-पिता आसानी से समझ सकें। इस बदलाव को लागू करने के लिए

सरकार को ड्रग्स रूल्स, 1945 के नियम 96 में संशोधन करना होगा। फिलहाल इस प्रस्ताव को ड्रग्स कंसल्टेटिव कमेटी के सामने विचार के लिए रखा गया है। गौरतलब है कि छोटे बच्चों को सर्दी-खांसी की दवाएं दिए जाने और उसके बाद सामने आने वाली शिकायतों को देखते हुए सरकार ने यह फैसला लिया है।

अक्टूबर 2025 में स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय (सीएमएचओ) की तरफ से सख्त निर्देश जारी किए गए थे कि 2 साल से कम उम्र के बच्चों को सर्दी-खांसी की दवाएं न लिखी जाएं।

संक्षिप्त समाचार

बस्तर के जंगल में अंदर घुसी पुलिस तो रह गई हैरान

जमीन के भीतर गड़ा मिला नक्सलियों का बड़ा खजाना

रायपुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित बस्तर संभाग में सुरक्षा बलों को बड़ी सफलता मिली है। कड़े एंटी-नक्सल अभियानों के दौरान पुलिस ने जंगलों में बने नक्सलियों के कई गुप्त ठिकानों से भारी मात्रा में सोना बरामद किया है। पिछले दो सालों में पुलिस ने कम से कम 8 किलो

सोना जब्त किया है, जिसमें से अधिकांश हालिया महीनों में बिस्कुट के रूप में मिला है। यह सोना बीजापुर जिले के बासागुड़ा और कुटरू तथा दंतेवाड़ा के बारसूर जैसे दूर-दराज के इलाकों में जमीन के नीचे प्लास्टिक के ड्रमों और बर्तनों में छुपाकर रखा गया था। **नोटबंदी के डर से सोने में बदल रहे थे काला धन-** एंटी-नक्सल अभियानों के प्रभारी अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक विवेकानंद ने मीडिया को जानकारी देते हुए बताया कि नोटबंदी के अनुभव के बाद नक्सलियों को यह समझ आ गया था कि भविष्य में ऐसे किसी भी आर्थिक झटके से बचने के लिए नकदी को सुरक्षित रखना जोखिम भरा है।

राहुल गांधी को स्टैंड-अप कॉमेडियन बनना चाहिए

महाराष्ट्र सीएम देवेंद्र फडणवीस का बड़ा अटैक

नागपुर (एजेंसी)। इंदौर में राहुल गांधी के छात्रों की गूंज कार्यक्रम के दौरान की गई मिमिक्री को लेकर महाराष्ट्र के सीएम देवेंद्र फडणवीस ने उनपर निशाना साधा है। फडणवीस ने नागपुर मीडिया से बातचीत के दौरान राहुल गांधी और कांग्रेस पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी जो मिमिक्री कर रहे हैं, मैं तो ऐसा मानता हूं कि राहुल गांधी जी को पार्टी को छोड़कर स्टैंड-

अप कॉमेडियन बनना चाहिए। क्योंकि उनकी पार्टी को तो उन्होंने बेरोजगार कर दिया है। अब कम से कम स्टैंड-अप कॉमेडियन का रोजगार उन्हें मिले। बता दें कि राहुल गांधी के छात्रों की गूंज कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री मोदी के तौर-तरीकों और सार्वजनिक रूप से उनके पेश आने वाले अंदाज की मिमिक्री की गई थी। परफॉर्मर ने पीएम मोदी की खास हंसी, हाथों के इशारों और लोगों का अभिवादन करने और गले मिलने के तरीके की नकल की। यह एक्ट राहुल गांधी के संबोधन वाले छात्रों पर केंद्रित कार्यक्रम के दौरान हुआ। मिमिक्री करने वाले कलाकार पुलकित मणि थे, जो एक भारतीय स्टैंड-अप कॉमेडियन और सोशल मीडिया कंटेंट क्रिएटर हैं। यह परफॉर्मेंस जल्द ही राजनीतिक चर्चा का विषय बन गई है।

पुल से उड़ी, हवा में पलटी और कंस्ट्रक्शन साइट पर जा गिरी

● मुंबई में बीएमडब्ल्यू कार फ्लाईओवर से नीचे गिरी

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई के कोस्टल रोड पर रविवार सुबह करीब 5.20 बजे तेज रफ्तार बीएमडब्ल्यू फ्लाईओवर से करीब 75 फीट नीचे जा गिरी। हादसे में कार सवार तीन युवकों की मौत हो गई। एक युवक गंभीर रूप से घायल है। चारों

की उम्र 17 से 23 के बीच थी। बीएमडब्ल्यू मरीन ड्राइव से हाजी अली की ओर जा रही थी। पुलिस के मुताबिक, तेज रफ्तार के कारण ड्राइवर ने कार पर से नियंत्रण खो दिया। इसके बाद बीएमडब्ल्यू डिवाइडर से टकराई और नीचे गिर गई। घटना का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है। मृतकों की पहचान शनाय गज्जल, आदित्य जकसानिया (19) और धैर्य सेठ (17) के रूप में हुई है।

2030 तक भारत बना लेगा 'हाई स्पीड' बुलेट ट्रेन

● 350 किलोमीटर प्रतिघंटा होगी इस ट्रेन की रफ्तार

जापान की ई-10 सीरीज ट्रेनों को देगी यह टक्कर

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत 2030 तक 350 किमी/घंटा (बी 35) की डिजाइन स्पीड वाली स्वदेशी हाई-स्पीड या बुलेट ट्रेन बनाएगा। ये ट्रेनें जापान की अगली पीढ़ी की ई 10 सीरीज की ट्रेनों जैसी होंगी, जिनका प्रोडक्शन भी उसी साल शुरू होना है।

यह प्रस्ताव मुंबई-अहमदाबाद हाई-स्पीड रेल प्रोजेक्ट की बदली हुई लागत को मंजूरी देने के लिए था। रेलवे मंत्रालय के कैबिनेट ने प्रोजेक्ट की बदली हुई लागत को मंजूरी दे दी है और ये लागत 2 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा है।

शुरुआत में चलेंगी बी 28 ट्रेनें

भविष्य में आने वाली जापानी ट्रेनों को छोड़कर, प्रोजेक्ट की मौजूदा लागत लगभग 399 करोड़ रुपये प्रति किलोमीटर बैठती है। शुरुआत में मुंबई-अहमदाबाद कॉरिडोर पर बी28 ट्रेनें चलेंगी जिनकी डिजाइन स्पीड 280 केएमपीएच होगी, जबकि उनकी ज्यादा से ज्यादा ऑपरेटिंग स्पीड 249 केएमपीएच होगी। बीएमईएल को 32 बी 28 ट्रेनें बनाने का कॉन्ट्रैक्ट मिला है। उम्मीद है कि 2027 की पहली तिमाही तक ट्रायल रन के लिए दो प्रोटोटाइप ट्रेनें तैयार हो जाएंगी।

● भारत खुद डेवलप करेगा अपना सिस्टम- मंत्रालय ने कहा है कि देश में बनी बी28 हाई-स्पीड ट्रेनों का मैन्युफैक्चरिंग शुरू कर दी गई है और भारत अपना खुद का भारत ट्रेन कंट्रोल सिस्टम भी विकसित करेगा। यह कदम चीन के अपने सिग्नलिंग और ट्रेन कंट्रोल सिस्टम जैसा ही है, जो पारंपरिक और हाई-स्पीड रेल नेटवर्क पर स्पीड, ट्रेनों के बीच की दूरी और सुरक्षा को मैनेज करता है। मंत्रालय के अनुसार, प्रोजेक्ट की लागत में पहले के 1.1 लाख करोड़ रुपये से जो भारी बढ़ोतरी हुई है, उसकी मुख्य वजहें- जमीन अधिग्रहण की लागत का तीन गुना से ज्यादा बढ़कर लगभग 19,700 करोड़ रुपये हो जाना।

सीपीएम दफ्तरों में तोड़फोड़, पूर्व एमएलए के घर पर भी हमला

● कोलकाता के जादवपुर में हिंसा अज्ञात बाइक सवारों ने किया खेला

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता के जादवपुर इलाके में रविवार को भारी हिंसा और तोड़फोड़ की खबर सामने आई है। मोटरबाइक पर सवार अज्ञात उपद्रवियों के एक झुंड ने सीपीएम के कई पार्टी दफ्तरों को निशाना बनाया और पूर्व

तृणमूल कांग्रेस विधायक देबब्रत मजूमदार के घर व पार्टी ऑफिस पर भी हमला कर दिया। पुलिस के मुताबिक, कोलकाता नगर निगम के 6 अलग-अलग वार्डों वार्ड संख्या 96, 99, 101, 102, 105 और 106 में सीपीएम के दफ्तरों में तोड़फोड़ की गई है। उपद्रवियों ने सीपीएम के पार्टी झंडों को नोंचकर जमीन पर फेंक दिया और कई जगहों पर शहीदों की वेदी को भी नुकसान पहुंचाया। इतना ही नहीं सबसे ज्यादा तनाव वार्ड नंबर 96 में देखने को मिला।

भेदभाव नहीं, समानता और संवाद से मजबूत होगा समाज : जयंत चौधरी

पचेंडा में सामाजिक समरसता सम्मेलन में केंद्रीय मंत्री बोले-सर्वसमाज के लोग एक मंच पर आएं, गांव-गांव तक पहुंचे भाईचारे का संदेश, चौधरी चरण सिंह और डॉ. आंबेडकर के विचारों को आगे बढ़ाने का आह्वान

मुजफ्फरनगर। गांव मुस्तफाबाद पचेंडा स्थित जनता इंटर कॉलेज में रविवार को राष्ट्रीय लोकदल के सामाजिक समरसता सम्मेलन में केंद्रीय मंत्री एवं रालोद अध्यक्ष जयंत चौधरी ने सामाजिक एकता, समानता, भाईचारे और संवाद का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि संत रविदास के सामाजिक जुड़ाव और प्रेम के संदेश को आगे बढ़ाने के लिए सर्वसमाज के लोगों का एक मंच पर आना जरूरी है। समाज में भेदभाव खत्म करने और आपसी संवाद बढ़ाने की जरूरत है। उन्होंने कार्यकताओं से सम्मेलन के संदेश को गांव-गांव और घर-घर तक पहुंचाने का आह्वान किया।

एक वर्ग नहीं, सर्वसमाज का मंच है सामाजिक समरसता सम्मेलन जयंत चौधरी ने कहा कि सामाजिक समरसता किसी एक वर्ग या समुदाय तक सीमित विषय नहीं है। समाज के प्रत्येक वर्ग की इसमें भागीदारी होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि केवल एक सभा आयोजित करने से सामाजिक दूरी खत्म नहीं होगी। इसके लिए अलग-अलग वर्गों के लोगों को साथ बैठना होगा, एक-दूसरे की बात सुननी होगी और नियमित संवाद करना होगा। उन्होंने मुजफ्फरनगर को अपने पिता एवं पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी अजित सिंह की कर्मभूमि बताते हुए कहा कि उन्होंने समाज में बनी दूरियों और दरारों को कम करने के लिए लगातार प्रयास किए। जयंत चौधरी ने कहा कि समाज को जोड़ने की प्रक्रिया लगातार चलनी चाहिए और इसके लिए लोगों के बीच संवाद जरूरी है। अपने संबोधन के दौरान जयंत चौधरी ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि तीन शब्दों का नारा देकर समाज को विभाजित करने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने इसके विपरीत सामाजिक समरसता, भाईचारे और समानता की बात रखी। उन्होंने कहा कि समाज के सभी वर्गों को एक-दूसरे के सम्मान और अधिकारों को समझते हुए साथ आगे बढ़ना होगा। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि भारत की पहचान उसकी विविधता में है। अलग-अलग समुदाय, विचार और सामाजिक

समूह एक माला के फूलों की तरह हैं। उन्होंने कहा कि अलग पहचान और विचार होने के बावजूद एक-दूसरे का सम्मान करते हुए साथ रहना ही सामाजिक मजबूती का आधार है। उन्होंने जातिगत भेदभाव के खिलाफ संतों, महापुरुषों और ऐतिहासिक व्यक्तित्वों के संघर्ष का उल्लेख करते हुए डॉ. भीमराव आंबेडकर के विचारों को भी सामने रखा। उन्होंने कहा कि डॉ. आंबेडकर ने जाति व्यवस्था को चुनौती देते हुए समानता और सामाजिक न्याय की बात की। उनके विचारों को किसी एक वर्ग तक सीमित नहीं किया जा सकता। जयंत चौधरी ने भारत रत्न एवं पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह के सामाजिक संघर्षों का उल्लेख करते हुए कहा कि उन्होंने जाति तोड़ो सम्मेलनों के माध्यम से सामाजिक दूरी कम करने का प्रयास किया। उन्होंने कहा कि चौधरी चरण सिंह उनके लिए केवल आदर्श ही नहीं, बल्कि साहस और हिम्मत के स्रोत भी हैं। उन्होंने कहा कि समाज को वास्तविक रूप से जोड़ने के लिए जातिगत पहचान और भेदभाव से ऊपर उठना होगा।

उन्होंने कार्यकताओं से चौधरी चरण सिंह की सामाजिक एकता की विचारधारा को गांवों तक पहुंचाने का आह्वान किया। जयंत चौधरी ने रालोद कार्यकताओं से कहा कि सामाजिक समरसता का संदेश केवल सम्मेलन के मंच तक सीमित नहीं रहना चाहिए। इसे गांव और घर तक ले जाने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि ह्यटीम आरएलडीह्न जनता और संगठन के बीच सेतु का काम करे तथा अलग-अलग वर्गों के लोगों से लगातार संपर्क और संवाद बनाए। उन्होंने कहा कि उनका जनता से संबंध किसी जाति के आधार पर नहीं, बल्कि चौधरी चरण सिंह की उस विचारधारा से जुड़ा है जो समाज को जोड़ने की बात करती है।

भाजपा गठबंधन पर भी रखी अपनी बात
केंद्रीय मंत्री ने भाजपा के साथ गठबंधन के मुद्दे पर भी अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा चौधरी चरण सिंह को सम्मान दिए जाने के कारण उन्होंने भाजपा के साथ गठबंधन किया। उन्होंने कहा कि उनका लक्ष्य किसी एक चुनाव, कुछ विधायकों की संख्या या किसी एक क्षेत्र तक सीमित नहीं है। उनके अनुसार रालोद का उद्देश्य चौधरी चरण सिंह की विरासत और डॉ. आंबेडकर के समानता एवं सामाजिक न्याय के विचारों को व्यापक स्तर तक ले जाना है।

युवाओं से खेती, रोजगार और कारोबार पर सवाल उठाने को कहा
जयंत चौधरी ने युवाओं से खेती, रोजगार, कारोबार और किसानों को फसल का उचित मूल्य मिलने जैसे मुद्दों पर सवाल उठाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि किसानों के मुद्दे जमीन से उठने चाहिए और किसान की फसल की पर्ची उसके अधिकार से जुड़ी है। उन्होंने कहा कि किसानों की समस्याओं को लगातार उठाने की जरूरत है। विपक्ष पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि किसान उसके एजेंडे में दिखाई नहीं देता।

अनमोल वचन

केवल संकल्प भर कर लेने से सफलता नहीं मिलती। सफलता के लिये लगातार प्रयत्नों के साथ समय का सदुपयोग भी महत्वपूर्ण है। जो व्यक्ति आज के काम को सदैव ही कल पर टालता है उसका अधिकांश समय कल कल करने में ही निकल जाता है तथा वह कार्य करने का उचित अवसर अपने आलस्य में गंवा देता है। सफल व्यक्ति वह है जो काम उसने करने की सोच ली उसे बिना विलम्ब किये उसी समय कर डाला। वह उचित समय और शुभ मुहूर्त की प्रतीक्षा नहीं करता। शुभ मुहूर्त वह है जब करने की ठान लो उसी समय आरम्भ कर दो फिर देर किस बात की। आज से ही शुरू कर दें अपने लक्ष्य को पाने का प्रयास फिर देखिये वह समय दूर नहीं जब सफलता आपके कदम चूमेगी। यदि आप साहस से पहला कदम आगे बढ़ायेंगे तो परमात्मा की सम्पूर्ण मदद आपको मिल जायेगी।

डीएवी कॉलेज के बाहर छात्र पर पीतल के मूठ से हमला, नाक की हड्डी टूटी

कॉलेज से छुट्टी के बाद घर लौट रहे बीसीए फाइनल के छात्र को रोककर मारपीट का आरोप, सिर और चेहरे पर गंभीर चोटें; सिविल लाइन थाने में दो युवकों के खिलाफ मुकदमा दर्ज

मुजफ्फरनगर। डीएवी कॉलेज आर्य समाज रोड से छुट्टी के बाद निकल रहे बीसीए फाइनल के छात्र पर दो युवकों ने कथित रूप से हमला कर दिया। आरोप है कि छात्र को गाली देते हुए रोकने की कोशिश की गई और उसके नहीं रुकने पर एक युवक ने पीतल के मूठ से हमला कर दिया। मारपीट में छात्र के सिर और चेहरे पर गंभीर चोटें आईं तथा उसकी नाक की हड्डी टूट गई। छात्र के पिता की तहरीर पर सिविल लाइन थाना पुलिस ने दो नामजद युवकों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। कॉलेज से निकलते समय रास्ते में रोकने का आरोप

खादरवाला निवासी दिलशाद खान ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उनका बेटा शाहजेब खान डीएवी कॉलेज आर्य समाज रोड में बीसीए फाइनल का विद्यार्थी है। तहरीर के अनुसार 16 सितंबर 2026 को दोपहर करीब एक बजे कॉलेज की छुट्टी के बाद शाहजेब कॉलेज से बाहर निकल रहा था।

गाली देते हुए रोकने की कोशिश

आरोप है कि इसी दौरान बरवाला निवासी आरिश पुत्र रूकमान अली और देवकरण त्यागी ने शाहजेब को गाली देते हुए रोकने की कोशिश की। छात्र के नहीं रुकने पर आरिश ने कथित तौर पर उस पर हमला कर दिया।

पीतल के मूठ से सिर और चेहरे पर वार

तहरीर में आरोप लगाया गया है कि आरिश ने पीतल के मूठ से शाहजेब के साथ मारपीट की। हमले में छात्र के सिर और चेहरे पर चोटें आईं। सबसे गंभीर चोट नाक पर लगी, जिससे उसकी नाक की हड्डी टूट गई। परिजनों के अनुसार छात्र का ऑपरेशन कराया जाना है।

कॉलेज के छात्रों ने पहुंचाया जिला अस्पताल हमले के बाद घायल शाहजेब को कॉलेज के कुछ छात्रों ने उपचार के लिए जिला अस्पताल पहुंचाया। वहां से परिजनों को सिविल लाइन थाने जाने की सलाह दी गई। तहरीर में छात्र की हालत नाजुक होने की बात भी कही गई है। सीसीटीवी फुटेज पुलिस ने कब्जे में ली विवाद और मारपीट की घटना कॉलेज के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद होने की बात तहरीर में कही गई है। छात्र के पिता के अनुसार पुलिस ने डीएवी कॉलेज से सीसीटीवी फुटेज बरामद की है। फुटेज को जांच में अहम साक्ष्य माना जा रहा है।

पिता की तहरीर पर मुकदमा दर्ज घटना को लेकर छात्र के पिता दिलशाद खान ने सिविल लाइन थाने में तहरीर देकर आरोपितों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने तहरीर के आधार पर आरिश और देवकरण त्यागी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस सीसीटीवी फुटेज, मेडिकल रिपोर्ट और घटना से जुड़े अन्य साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई करेगी।

रात के अंधेरे में ट्राली चोरी, तलाश में जुटा रहा मालिक

रामराज पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर शुरू की जांच, ट्राली की तलाश जारी

मुजफ्फरनगर। रामराज थाना क्षेत्र के गांव रहड़वा में एक ग्रामीण की ट्राली चोरी होने से हड़कंप मच गया। अज्ञात व्यक्ति ने 17 सितंबर 2026 की रात ट्राली चोरी कर ली। घटना का पता चलने के बाद ट्राली मालिक अपने स्तर से उसकी तलाश में जुट गया। कई स्थानों पर तलाश करने के बावजूद ट्राली का कोई सुराग नहीं लगा तो पीड़ित ने पुलिस से शिकायत की। पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

रात में चोरी हुई ट्राली

गांव रहड़वा निवासी शिवकुमार पुत्र सुखराम ने रामराज थाने में दी तहरीर में बताया कि 17 सितंबर 2026 की रात किसी अज्ञात व्यक्ति ने उसकी ट्राली चोरी कर ली। सुबह जानकारी होने के बाद उसने आसपास और संभावित स्थानों पर ट्राली की तलाश शुरू की।

अपने स्तर से करता रहा तलाश

शिवकुमार के मुताबिक ट्राली चोरी होने के बाद से वह लगातार उसकी तलाश में जुटा हुआ था। परिचितों और आसपास के क्षेत्रों में जानकारी लेने के साथ ही संभावित स्थानों पर ट्राली को खोजा गया, लेकिन काफी प्रयास के बावजूद उसका पता नहीं चल सका।

सुराग नहीं मिलने पर थाने पहुंचा पीड़ित

पीड़ित ने बताया कि अपनी ट्राली की तलाश में व्यस्त रहने के कारण वह तत्काल पुलिस के पास नहीं पहुंच सका। जब अपने स्तर से तलाश करने के बाद भी कोई जानकारी नहीं मिली तो 19 सितंबर को वह रामराज थाने पहुंचा और पुलिस को लिखित तहरीर देकर घटना की जानकारी दी।

अज्ञात चोर के खिलाफ मुकदमा दर्ज

पुलिस ने शिवकुमार की तहरीर के आधार पर अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस अब चोरी की गई ट्राली का पता लगाने के साथ-साथ घटना के संबंध में आसपास के लोगों से जानकारी जुटा रही है।

आसपास के क्षेत्रों में तलाश और जांच

पुलिस द्वारा ट्राली की तलाश के लिए संभावित स्थानों पर जानकारी जुटाई जा रही है। इसके अलावा यह भी पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि घटना के समय आसपास कोई संदिग्ध व्यक्ति या वाहन तो नहीं देखा गया था। पुलिस मामले से जुड़े अन्य तथ्यों की भी जांच कर रही है। लगातार बढ़ रही चोरी की घटनाओं को लेकर चिंता

गांव में ट्राली चोरी की घटना के बाद ग्रामीणों में भी चिंता है। ग्रामीणों का कहना है कि कृषि कार्य में इस्तेमाल होने वाली ट्राली को चोरी कर ले जाना गंभीर मामला है। पुलिस से जल्द चोरी हुई ट्राली बरामद करने और घटना में शामिल व्यक्ति का पता लगाने की मांग की जा रही है।

मुजफ्फरनगर पालिका के खिलाफ सिक्मी किरायेदारों का प्रदर्शनः प्रस्ताव पारित होने के बावजूद अटकी फाइलें

उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार संगठन के बैनर तले फूटा गुस्सा

मुजफ्फरनगर। उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार संगठन के बैनर तले नगर पालिका के सिक्मी (शिकमी) किरायेदारों और स्थानीय व्यापारियों का गुस्सा रविवार को फूट पड़ा। पालिका प्रशासन की सुस्ती और कर्मचारियों की कार्यशैली से नाराज दर्जनों व्यापारियों ने सड़कों पर उतरकर जोरदार नारेबाजी की और नगर पालिका प्रशासन के खिलाफ कड़ा विरोध दर्ज कराया। व्यापारियों का साफ कहना है कि बोर्ड की बैठक में प्रस्ताव स्वीकृत होने के बावजूद पालिका की लापरवाही के कारण सैकड़ों दुकानदारों का भविष्य अधर में लटका हुआ है।

प्रस्ताव पास, फिर भी फाइलों पर लगी दीमक

प्रदर्शनकारी व्यापारियों ने आरोप लगाया कि नगर पालिका बोर्ड बैठक में प्रस्ताव संख्या 630 को पूर्ण सहमति से पास किया जा चुका है। इस प्रस्ताव के तहत शहर के 17 प्रमुख माकेटों के दुकानदारों को आधिकारिक रूप से सिक्मी किरायेदार घोषित किया जा चुका है। नीतिगत फैसला होने के बावजूद पालिका प्रशासन इस दिशा में कोई ठोस और व्यावहारिक कदम नहीं उठा रहा है। महीनों बीत जाने के बाद भी सिक्मी किरायेदारों के नियमितीकरण और फाइलों के निस्तारण की प्रक्रिया को बेवजह कछुआ गति से चलाया जा रहा है, जिससे व्यापारियों में भारी अनिश्चितता का माहौल है।

बाबुओं की मनमानी और दोहरे किराये का दबाव

सड़कों पर उतरे दुकानदारों ने नगर पालिका के संबंधित पटल के कर्मचारियों (बाबुओं) पर खुलकर मनमानी और उत्पीड़न के गंभीर आरोप लगाए।

नियमित भुगतान का दावाः व्यापारियों का कहना है कि अधिकांश दुकानदार पहले से ही पालिका का निर्धारित किराया नियमित रूप से जमा करते आ रहे हैं।

निस्तारण में अड़ंगाः इसके बावजूद पालिका कर्मी पुराने बकाये का हवाला देकर उन पर पूरे समय का किराया दोबारा जमा करने का अनुचित दबाव बना रहे हैं।

फाइलों की अटकाव नीतिः आरोप है कि जानबूझकर फाइलों में कमियां निकालकर प्रक्रिया को लटकाया जा रहा है ताकि दुकानदारों को परेशान किया जा सके।

पारदर्शी प्रक्रिया और जल्द निस्तारण की मांग

प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे व्यापारी नेताओं ने पालिका प्रशासन से दोटूक शब्दों में कहा कि अब आश्वासन से काम नहीं चलेगा। व्यापारियों ने मांग की है कि सिक्मी किरायेदारों के नामांतरण और फाइलों के निस्तारण की प्रक्रिया को पूरी तरह पारदर्शी बनाया जाए। उन्होंने मांग की है कि बोर्ड प्रस्ताव संख्या 630 के तहत सभी 17 मार्केट के पात्र दुकानदारों को त्वरित राहत दी जाए। कर्मचारियों द्वारा की जा रही बेवजह की देरी और उत्पीड़न पर तुरंत अंकुश लगाया जाए।

तालाबंदी की दी चेतावनी

व्यापारियों ने चेतावनी दी है कि यदि पालिका प्रशासन ने जल्द ही लंबित फाइलों का निस्तारण नहीं किया, तो यह आंदोलन केवल सड़कों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि नगर पालिका कार्यालय का घेराव कर बड़े स्तर पर तालाबंदी की जाएगी।

दो लाख रुपये की मांग पूरी न करने पर विवाहिता को बेटी समेत घर से निकाला

दहेज में कम सामान लाने और बेटा न होने के ताने देने का आरोप, मारपीट व प्रताड़ना के मामले में पति समेत छह के खिलाफ जानसठ थाने में मुकदमा दर्ज

मुजफ्फरनगर। जानसठ थाना क्षेत्र में दहेज उत्पीड़न और विवाहिता को बेटी समेत घर से निकालने का मामला सामने आया है। विवाहिता की तहरीर पर पुलिस ने पति समेत ससुराल पक्ष के छह लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। आरोप है कि शादी में पर्याप्त दहेज देने के बावजूद ससुराल वाले दो लाख रुपये की अतिरिक्त मांग कर रहे थे। मांग पूरी नहीं होने पर विवाहिता के साथ मारपीट कर उसे घर से निकाल दिया गया।

तहरीर के अनुसार विवाहिता की शादी करीब नौ वर्ष पहले आशीष पुत्र जयचंद्र निवासी जानसठ के साथ हुई थी। शादी के बाद उसकी एक बेटी हुई, जिसकी उम्र करीब आठ वर्ष बताई गई है। विवाहिता का आरोप है कि शादी के समय मायके पक्ष ने अपनी हैसियत से अधिक दान-दहेज दिया था। इसमें दो लाख रुपये नकद, करीब तीन तोले सोने और चांदी के आभूषण समेत अन्य सामान शामिल था। विवाहिता ने तहरीर में आशीष पुत्र जयचंद्र, पिंकी, विनोद, राजवंती, आर्यन पुत्र विनोद और तनिष्का पुत्री विनोद को आरोपी बनाया है। तहरीर में आरोपियों के पूरे पते का उल्लेख नहीं है। विवाहिता के मुताबिक सभी ससुराल पक्ष के लोग हैं और लंबे समय से उसे परेशान करते आ रहे थे। विवाहिता का आरोप है कि ससुराल वाले दिए गए दहेज से खुश नहीं थे और उसे कम दहेज लाने के ताने देते थे। आरोप है कि उसके साथ आए दिन गलत व्यवहार, बेइज्जती और मारपीट की जाती थी। उसे घर से निकालने और पति की दूसरी शादी कराने की बात भी कही जाती थी। तहरीर में विवाहिता ने आरोप लगाया कि ससुराल पक्ष के लोग बेटा नहीं होने को लेकर भी उसे ताने देते थे। कथित तौर पर उसे धमकी दी जाती थी कि उसे किसी भी हालत में घर में नहीं रखा जाएगा। विवाहिता ने तहरीर में 8 जून 2026 की घटना का भी उल्लेख किया है। उसके अनुसार रात करीब दो बजे उसकी बेटी के साथ भी मारपीट की गई थी। विवाहिता का कहना है कि इस घटना की रिपोर्ट उसने थाना जनकपुरी, सहारनपुर में दर्ज कराई थी। विवाहिता के अनुसार 15 जून 2026 को दोपहर करीब तीन बजे आरोपियों ने उसके साथ लात-मुक्कों से मारपीट की और बेइज्जत करते हुए जबरन घर से निकाल दिया। आरोप है कि उससे कहा गया कि जब तक वह मायके से दो लाख रुपये लेकर नहीं आएगी, तब तक उसे घर में नहीं रखा जाएगा। घर से निकाले जाने के बाद विवाहिता ने अपने भाई को फोन किया। सूचना मिलने पर भाई मौके पर पहुंचा और ससुराल पक्ष के लोगों को समझाने का प्रयास किया, लेकिन आरोप है कि वे दो लाख रुपये की मांग पर अड़े रहे।

खतौली में दसलक्षण महापर्वः भक्तिभाव के साथ मनाया गया 'उत्तम सत्य' धर्म, गूंजे प्रभु जयकारे

खतौली(मुजफ्फरनगर)। दसलक्षण महापर्व के पांचवें दिन नगर के समस्त जैन मंदिरों में भक्ति और उल्लास का माहौल रहा। श्रद्धालुओं ने 'उत्तम सत्य' धर्म को पूर्ण श्रद्धा और भक्ति के साथ मनाया। इस अवसर पर विभिन्न जैन मंदिरों में भगवान का अभिषेक, प्रक्षाल, पूजन-विधान और महापूजा के साथ-साथ कई धार्मिक व ज्ञानवर्धक कार्यक्रमों का भव्य आयोजन किया गया।

भागीरथी मंदिर के विशाल हॉल में आयोजित धर्मसभा में जबलपुर से पधारीं ब्र. भावना दीदी ने अपने ओजस्वी विचारों से श्रद्धालुओं को निहाल किया। उन्होंने कहा कि "कठोर वचन, दूसरों की निंदा (परनिंदा) और झूठ का त्याग करना ही वास्तविक सत्य धर्म है। जो व्यक्ति सत्य की राह पर चलता है, उसे समाज में स्थायी सम्मान और विश्वास हासिल होता है। इसी क्रम में डॉ. ज्योति जैन ने सत्य की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि सत्य कभी-कभी सुनने में कटु लग सकता है, लेकिन यदि उसे करुणा, दया और सद्व्यवहार के साथ प्रस्तुत किया जाए, तो उसकी कटुता समाप्त हो जाती है। सत्य धर्म मनुष्य के जीवन में सहजता और सरलता लाता है, जिससे अंतरमन को असीम सुख और शांति की अनुभूति होती है। पिसनोपाड़ा स्थित श्री 1008 चन्द्रप्रभ दिगम्बर जैन मंदिर में अखिल भारतीय जैन युवा फेडरेशन के तत्वावधान में विशेष पूजन-विधान संपन्न कराया गया। इसके बाद 'उत्तम सत्य क्या है?' विषय पर विचार-गोष्ठी आयोजित की गई। पंडित शाश्वत शास्त्री (भोपाल) ने कहा कि सत्य केवल मुख से बोलने तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि इसे व्यक्ति के विचार, वाणी और आचरण में समान रूप से दिखाई देना चाहिए। कार्यक्रम के दौरान श्रद्धालुओं के लिए इष्टोपदेश चर्चा तथा बच्चों के बौद्धिक विकास के लिए 'ज्ञान की पाठशाला' का आयोजन हुआ। इसके साथ ही तत्त्वार्थ सूत्र शिविर में श्रद्धालुओं ने जैन दर्शन के गूढ़ सिद्धांतों को समझा।

दिनभर चले धार्मिक अनुष्ठानों के बाद रात्रि में रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों की धूम रही। नन्हे-मुन्ने बच्चों ने मनमोहक धार्मिक भजनों पर भक्ति नृत्य प्रस्तुत कर उपस्थित जनसमूह की खूब तालियां बटोरीं। इस दौरान मंचित 'भाग्य और पुरुषार्थ' विषय पर आधारित प्रस्तुति ने लोगों को कर्म की महत्ता का संदेश दिया। इस अवसर पर रामकुमार जैन, अजय जैन, राकेश जैन अम्बर, सतीश, एकता जैन, मीनाक्षी, रोमा, स्वाति, नेहा, अंजू, प्रियांशी, काजल, पिंकी, अनीता सहित बड़ी संख्या में जैन समाज के महिला-पुरुष व युवा श्रद्धालु उपस्थित रहे।

जटवाड़ा में युवक की घेरकर पिटाई का वीडियो वायरल, 15-20 लोगों के बीच अकेला दिखा युवक

घर से बाहर निकलते ही युवकों ने घेरा, देखते ही देखते बढ़ती गई भीड़; शनिवार रात की घटना, पुलिस बोली- दोनों पक्षों में उसी रात हुआ फैसला, शिकायत नहीं मिलने से मुकदमा दर्ज नहीं

मुजफ्फरनगर। ककरौली थाना क्षेत्र के गांव जटवाड़ा में एक युवक के साथ सामूहिक रूप से मारपीट का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद मामला चर्चा में आ गया है। वायरल वीडियो में एक युवक को कई लोग घेरकर मारपीट करते हुए दिखाई दे रहे हैं। दावा किया जा रहा है कि घटना शनिवार रात करीब साढ़े नौ बजे की है। वीडियो सामने आने के बाद घटना को लेकर तरह-तरह की चचाएं शुरू हो गई हैं।

घर से निकलते ही युवक को घेरा

वायरल वीडियो में दिखाई दे रहा है कि एक युवक एक घर से बाहर निकलता है। इसी दौरान कुछ लोग उसे घेर लेते हैं और उसके साथ मारपीट शुरू कर देते हैं। शुरूआत में मौके पर तीन-चार लोग युवक को पीटते दिखाई देते हैं। युवक खुद को बचाने का प्रयास करता नजर आता है, लेकिन कुछ ही देर में मौके पर लोगों की संख्या बढ़ती जाती है।

देखते ही देखते बढ़ती गई भीड़

वीडियो में आगे कई अन्य लोग भी मौके पर पहुंचते दिखाई दे रहे हैं। इसके बाद युवक को चारों ओर से घेर लिया जाता है। वायरल वीडियो में युवक अकेला नजर आ रहा है, जबकि उसके आसपास बड़ी संख्या में लोग मौजूद हैं। वीडियो के अलग-अलग हिस्सों में करीब 15 से 20 लोगों के मौके पर मौजूद होने का दावा किया जा रहा है। हालांकि, वीडियो के आधार पर यह स्पष्ट नहीं है कि मौके पर मौजूद सभी लोग मारपीट में शामिल थे या कुछ लोग केवल तमाशबीन के तौर पर वहां खड़े थे।

मारपीट की वजह पर स्थिति साफ नहीं

घटना किस विवाद को लेकर हुई और युवक के साथ इतनी बड़ी संख्या में लोगों ने मारपीट क्यों की, इसका अभी स्पष्ट खुलासा नहीं हुआ है। वायरल वीडियो में मारपीट का घटनाक्रम तो दिखाई दे रहा है, लेकिन विवाद की शुरूआत किस बात से हुई, इसकी जानकारी सामने नहीं आई है। पुलिस स्तर से भी घटना के कारण की पुष्टि नहीं की गई है।

शनिवार रात की घटना, अगले दिन वायरल हुआ वीडियो

बताया जा रहा है कि घटना शनिवार रात करीब 9:30 बजे की है। घटना के समय किसी व्यक्ति ने वीडियो बना लिया, जो अगले दिन सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। वीडियो वायरल होने के बाद गांव की घटना को लेकर चर्चा तेज हो गई और पुलिस की कार्रवाई को लेकर भी सवाल उठने लगे।

पुलिस बोली- दोनों पक्षों में उसी रात हो गया फैसला

ककरौली थाना प्रभारी के अनुसार घटना शनिवार रात की है। उन्होंने बताया कि घटना के संबंध में फिलहाल पूरी जानकारी उपलब्ध नहीं है और मारपीट की वजह भी स्पष्ट नहीं है। थाना प्रभारी के मुताबिक दोनों पक्षों के बीच उसी रात आपस में फैसला हो गया था।

शिकायत नहीं मिली, इसलिए मुकदमा दर्ज नहीं

पुलिस के अनुसार दोनों पक्षों में से किसी ने भी थाने पहुंचकर घटना की शिकायत नहीं की है। शिकायत नहीं मिलने के कारण फिलहाल इस मामले में कोई मुकदमा दर्ज नहीं किया गया है। हालांकि, अब वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस के सामने घटना फिर चर्चा में आ गई है।

वायरल वीडियो ने खड़े किए कई सवाल

एक ओर पुलिस का कहना है कि दोनों पक्षों में आपसी फैसला हो चुका है और किसी पक्ष ने शिकायत नहीं दी, वहीं दूसरी ओर वायरल वीडियो में बड़ी संख्या में लोगों द्वारा एक युवक को घेरकर मारपीट करते हुए दिखाई देना घटना को लेकर सवाल खड़े कर रहा है। अब देखना होगा कि वीडियो के आधार पर पुलिस मामले की कोई जांच करती है या दोनों पक्षों के बीच हुए फैसले के बाद मामला वहीं समाप्त माना जाता है।

खतौली के पब्लिक स्कूल में वित्तीय अनियमितता का मामलाः छात्रों की फीस निजी खातों में जमा कराने का आरोप, स्वतंत्र जांच की उठी मांग

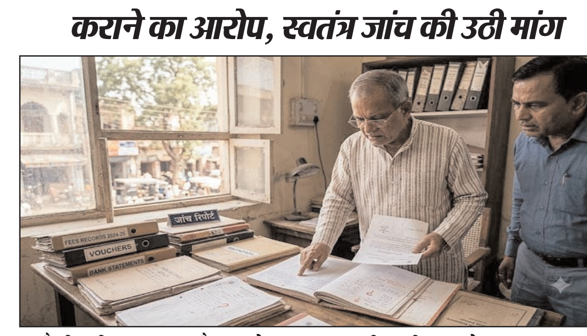

खतौली। श्री कुन्द कुन्द जैन एजुकेशन एसोसिएशन द्वारा संचालित पब्लिक स्कूल के पुराने आय-व्यय एवं वित्तीय अभिलेखों में गंभीर अनियमितताओं की आशंका जताते हुए स्वतंत्र ऑडिटर से जांच कराने की मांग जोर पकड़ने लगी है। नगर निवासी सुधीर कुमार जैन मुखिया एवं संस्था के कुछ अन्य सदस्यों ने पिछले वर्षों के हिसाब-किताब का अवलोकन करने के उपरांत यह सवाल उठाए हैं। सुधीर कुमार जैन मुखिया द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, सत्र 2024-25, 2025-26 तथा जून 2026 तक के आय-व्यय विवरण के अध्ययन में कई संदिग्ध वाउचर सामने आए हैं। आरोप है कि विभिन्न दुकानदारों, फर्मों और व्यक्तिगत नामों से जारी किए गए भुगतानों पर न तो मूल बिल संलग्न हैं और न ही उन पर जीएसटी या पैन नंबर दर्ज हैं। बिना आवश्यक औपचारिकताओं के लाखों रुपये का भुगतान किए जाने पर सदस्यों ने गहरी आपत्ति जताई है। व्यक्तिगत मोबाइल नंबरों व खातों में फीस जमा कराने का मामला विद्यालय की फीस व्यवस्था पर भी संगीन आरोप लगाए गए हैं। कहा गया है कि विद्यार्थियों की फीस कुछ मामलों में संस्था के आधिकारिक बैंक खाते के बजाय मोबाइल बैंकिंग के जरिए व्यक्तिगत खातों में जमा कराई गई।

इसके चलते कई अभिभावकों ने फीस जमा होने के बावजूद रसीद या रिकॉर्ड में अंतर को लेकर वर्तमान प्रबंधन के समक्ष शिकायतें भी दर्ज कराई हैं। सुधीर जैन मुखिया ने एसोसिएशन के सचिव मुकेश कुमार जैन से मांग की है कि किसी सक्षम एवं निष्पक्ष ऑडिटर से संपूर्ण प्रकरण की जांच कराई जाए। यदि जांच में वित्तीय हेरफेर या धांधली सिद्ध होती है, तो दोषियों के खिलाफ वैधानिक कार्रवाई करते हुए संस्था के धन की वसूली सुनिश्चित की जाए। विज्ञप्ति में यह भी जानकारी दी गई है कि सहायक रजिस्ट्रार (सहारनपुर) ने भी एसोसिएशन से 18 विभिन्न बिंदुओं पर मूल अभिलेखों सहित पिछले 5 से 20 वर्षों के रिकॉर्ड तलब किए हैं। संस्था के सदस्यों ने प्रशासन से पारदर्शी जांच की अपील की है।

यूपी में दस आईएएस अधिकारियों के तबादले, कई वरिष्ठ अधिकारियों के विभाग बदले

अमित घोष बने उच्च शिक्षा अपर मुख्य सचिव

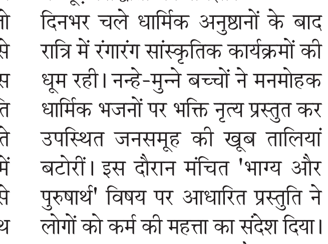

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में एक बार फिर बड़ा प्रशासनिक फेरबदल किया गया है। योगी सरकार ने प्रशासनिक ढांचे को मजबूत करने की दिशा में 10 आईएस अफसरों का ट्रांसफर कर दिया है। आईएस अमित कुमार घोष और अमृत अभिजात समेत 10 अधिकारियों को नई तैनाती दे दी गई है। इन सभी के विभाग बदल दिए गए हैं। आईएएस अमित घोष को उच्च शिक्षा अपर मुख्य सचिव बनाया गया है। प्रदेश सरकार ने रविवार रात 10 वरिष्ठ आइएएस अधिकारियों के विभागों में फेरबदल किया है। इसमें कई अधिकारियों से महत्वपूर्ण विभाग लेकर दूसरे अधिकारियों को सौंपे गए हैं। फेरबदल में उच्च शिक्षा, चिकित्सा शिक्षा, कृषि, पंचायती राज, खाद्य एवं रसद, ऊर्जा और श्रम जैसे महत्वपूर्ण विभाग शामिल हैं। शासन की तबादला सूची के अनुसार चिकित्सा, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण एवं चिकित्सा शिक्षा के अपर मुख्य सचिव अमित कुमार घोष को उच्च शिक्षा अपर मुख्य सचिव बनाया गया है। पर्यटन, संस्कृति एवं धर्मार्थ कार्य के अपर मुख्य सचिव अमृत अभिजात को वर्तमान पद के साथ परिवहन का अतिरिक्त प्रभार भी सौंपा है। वहीं वन, पर्यावरण एवं जल वायु परिवर्तन की श्रीमती वी० हेकाली झिमोमी को चिकित्सा, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण के साथ चिकित्सा शिक्षा का प्रमुख सचिव नियुक्त किया गया है। उच्च शिक्षा के प्रमुख सचिव महेंद्र प्रसाद अग्रवाल को वन, पर्यावरण एवं जल वायु परिवर्तन का प्रमुख सचिव का दायित्व सौंपा है। वहीं पंचायती राज के प्रमुख सचिव अनिल कुमार को खाद्य एवं रसद एवं उपभोक्ता मामले का प्रमख सचिव बनाया गया है। तबादला सूची के अनुसार श्रम एवं सेवायोजन एवं प्राविधिक शिक्षा के प्रमुख सचिव डॉ० एम०के०एस० सुंदरम को कृषि, कृषि शिक्षा एवं अनुसंधान, कृषि विपणन, कृषि विदेश व्यापार एवं निर्यात प्रोत्साहन का प्रमुख सचिव बनाया गया है। जबकि कृषि, कृषि शिक्षा एवं अनुसंधान, कृषि विपणन, कृषि विदेश व्यापार एवं निर्यात प्रोत्साहन के प्रमुख सचिव एवं उत्तर प्रदेश राज्य कृषि मंडी परिषद के निदेशक रविंद्र को पंचायती राज का प्रमुख सचिव बनाया गया है।

ढाबे के सामने तेज रफ्तार कार ने बाइक में मारी टक्कर, महिला की दोनों टांगों की हड्डियां टूटीं

रक्षाबंधन पर भाई को राखी बांधने जा रहे दंपती हादसे का शिकार, जबड़ा भी टूटा, काफी दिन इलाज के बाद पुलिस ने दर्ज किया मुकदमा

मुजफ्फरनगर। छपार थाना क्षेत्र में पूजा वैष्णो ढाबे के सामने तेज रफ्तार और लापरवाही से चलाई जा रही कार ने बाइक में साइड से टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। महिला के बाएं पैर की दोनों हड्डियां टूटने के साथ ही जबड़े में भी गंभीर चोट आई। परिजनों ने उसे जिला अस्पताल से हायर सेंटर और बाद में निजी अस्पताल में भर्ती कराया, जहां पैर और जबड़े का ऑपरेशन कर प्लेट व रॉड डाली गई। मामले में पुलिस ने कार नंबर के आधार पर वाहन मालिक और चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

रक्षाबंधन पर साले के घर जा रहा था दंपती

भोपा थाना क्षेत्र के गांव निरगाजनी निवासी श्रीचंद ने छपार थाने में दी तहरीर में बताया कि 28 अगस्त 2026 को रक्षाबंधन के दिन सुबह करीब 11 बजे वह अपनी पत्नी मिन्तरा के साथ मोटरसाइकिल संख्या PB13AT8703 पर सवार होकर गांव से बरले के रास्ते रामपुर स्थित अपने साले के घर राखी बंधवाने जा रहा था।

तहरीर के अनुसार जैसे ही दंपती की बाइक पूजा वैष्णो ढाबे के सामने पहुंची, तभी पीछे से आ रही महिंद्रा कार संख्या वड08 अट 5730 के चालक ने तेज गति और लापरवाही से वाहन चलाते हुए सही दिशा में जा रही बाइक में साइड से टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही बाइक असंतुलित हो गई और श्रीचंद की पत्नी सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गई।

हादसे के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। घायल महिला को पुलिस की पीआरवी की सहायता से जिला चिकित्सालय मुजफ्फरनगर ले जाया गया। चिकित्सकों ने हालत गंभीर देखते हुए उसे हायर सेंटर रेफर कर दिया। इसके बाद परिजनों ने घायल महिला को निजी अस्पताल में भर्ती कराया।

पैर की दोनों हड्डियां टूटीं, जबड़े में भी गंभीर चोट

अस्पताल में एक्स-रे कराने पर महिला के बाएं पैर की दोनों हड्डियां टूटने की पुष्टि हुई। इसके अलावा बाएं हिस्से का जबड़ा भी टूट गया था। चिकित्सकों ने ऑपरेशन कर पैर में रॉड डाली और जबड़े में प्लेट डालकर उपचार किया। बाद में जबड़े का ऑपरेशन सदर बाजार स्थित मारवाह डेंटल क्लीनिक में भी कराया गया।

प्रत्यक्षदर्शी ने भी कार को जाते देखा

श्रीचंद ने पुलिस को बताया कि हादसे के दौरान मौके पर भीड़ जमा हो गई थी। इसी दौरान पीछे से आ रहे चरथावल निवासी अंकित पुत्र मदनलाल ने भी घटना को देखा। श्रीचंद और अंकित ने दुर्घटना करने वाली कार का नंबर नोट कर लिया। आरोप है कि भीड़ का फायदा उठाकर कार चालक वाहन लेकर मौके से फरार हो गया।

तहरीर के मुताबिक दुर्घटना में श्रीचंद की बाइक भी क्षतिग्रस्त हो गई, जो घटना स्थल पर ही खड़ी है। पत्नी के गंभीर रूप से घायल होने और लगातार उपचार में व्यस्त रहने के कारण श्रीचंद तत्काल थाने में शिकायत नहीं दे सका। करीब 20 दिन बाद 17 सितंबर को उसने छपार थाने पहुंचकर तहरीर दी।

तहरीर मिलने के बाद मामले की जांच उपनिरीक्षक सुभाष चंद्र को सौंपी गई। पुलिस के अनुसार जांच में तहरीर में बताए गए तथ्य सही पाए गए। इसके बाद हेड मुहर्रिर को अभियोग पंजीकृत करने के निर्देश दिए गए। पुलिस ने कार संख्या UK08 AM 5730 के मालिक और चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। अब पुलिस दुर्घटना के कारणों, वाहन चालक की पहचान और घटना से जुड़े अन्य तथ्यों की जांच कर रही है।

रॉयल बुलेटिन

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक अनिल रॉयल ने मै. साईं प्रिंटिंग प्रेस, डी-85, सैक्टर-6 नोएडा-201301 से मुद्रित कराकर **रॉयल हाऊस, 174, गांधी कालौनी (उत्तरी), मुजफ्फरनगर (उ.प्र.) से प्रकाशित किया।**

सम्पादकः
◆अनिल रॉयल

✆:(0131) 2412222, मो. 9412211222
e-mail Address : royalbulletin@gmail.com

रॉयल बुलेटिन
मुजफ्फरनगर समाचार
सोमवार 21 सितम्बर 2026 पृष्ठ 3

लोहिया बाजार में अलसुबह रुई-गद्दों की दुकानों में भीषण आग, मची अफरा-तफरी

पहली मंजिल पर करीब चार बजे दो दुकानों में भड़की आग ने कुछ ही मिनटों में लिया विकराल रूप, अंदर रखा था गैस सिलेंडर

मुजफ्फरनगर। शहर कोतवाली क्षेत्र के व्यस्त लोहिया बाजार स्थित सब्जी मंडी इलाके में रविवार अलसुबह भीषण अग्निकांड से हड़कंप मच गया। पहली मंजिल पर स्थित रुई-गद्दे और क्रोकरी के सामान की दो दुकानों में करीब चार बजे अचानक आग भड़क उठी। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया। दुकानों में बड़ी मात्रा में रुई और गद्दे का सामान होने के कारण आग तेजी से फैलती चली गई। आग की लपटें और धुआं देखकर आसपास के लोगों में अफरा-तफरी मच गई। रविवार सुबह करीब चार बजे लोहिया बाजार की सब्जी मंडी इलाके में लोगों ने पहली मंजिल पर स्थित दुकानों से धुआं उठता देखा। कुछ ही देर में दुकान के भीतर से आग की तेज लपटें निकलने लगीं। आग की भयावहता देखकर आसपास मौजूद लोगों ने तत्काल दमकल विभाग को सूचना दी। देखते ही देखते मौके पर लोगों

की भीड़ जमा हो गई। बताया गया कि आग मैसर्स सचिन अरोरा की रुई, गद्दे और क्रोकरी के सामान की दुकान में लगी। दुकान में रुई और गद्दों के साथ अन्य सामान भी रखा हुआ था। ज्वलनशील सामान के कारण आग तेजी से फैल गई और पहली मंजिल पर स्थित दो दुकानें इसकी चपेट में आ गईं। आग ने कुछ ही समय में दुकान के बड़े हिस्से को अपनी चपेट में ले लिया। आग की सूचना के बाद मौके पर पहुंचे दमकलकर्मियों को जानकारी मिली कि दुकान के अंदर गैस सिलेंडर भी रखा हुआ है। इससे स्थिति और संवेदनशील हो गई। दमकल टीम ने आग बुझाने के साथ-साथ आसपास के हिस्से में आग फैलने से रोकने के लिए विशेष सतर्कता बरती। सिलेंडर को लेकर किसी अनहोनी की आशंका के बीच फायर फाइटरों ने बेहद सावधानी से राहत और बचाव अभियान चलाया। सूचना मिलते ही फायर स्टेशन ऑफिसर रामकिशोर यादव तीन दमकल गाड़ियों के साथ मौके पर पहुंचे। दमकलकर्मियों ने पहुंचते ही आग बुझाने का अभियान शुरू कर दिया। पहली मंजिल पर दुकानें होने के कारण आग तक पहुंचना आसान नहीं था। इसके बावजूद फायर फाइटरों ने दोनों तरफ से सीढ़ियां लगाकर दुकानों के अंदर पानी की बौछार शुरू की।

दोनों तरफ से चलाया गया अभियान, ढाई घंटे तक जूझते रहे दमकलकर्मी

आग को नियंत्रित करने के लिए दमकलकर्मियों ने दोनों तरफ से मोर्चा संभाला। लगातार पानी की बौछार करने के बावजूद रुई और गद्दों के कारण आग बुझाने में काफी समय लगा। करीब ढाई घंटे तक दमकलकर्मी आग से जूझते रहे। इस दौरान आग को आसपास की दुकानों और इमारतों तक फैलने से रोकना भी बड़ी चुनौती बना रहा। लोहिया बाजार शहर के व्यस्त बाजारों में शामिल है और यहां आसपास बड़ी संख्या में दुकानें स्थित हैं। ऐसे में आग के फैलने की स्थिति में बड़ा नुकसान हो सकता था। दमकल टीम ने समय रहते मोर्चा संभालते हुए आग को सीमित क्षेत्र में रखने का प्रयास किया। लगातार पानी की बौछार के बाद आग धीरे-धीरे नियंत्रित हुई और आसपास की दुकानों को आग की चपेट में आने से बचा लिया गया।

आग की चपेट में आने से दुकान में रखा रुई, गद्दे, क्रोकरी और अन्य सामान बुरी तरह जल गया। आग से दुकानदार को लाखों रुपये का नुकसान होने की आशंका जताई जा रही है। हालांकि नुकसान की वास्तविक रकम का आकलन अभी नहीं हो सका है। दुकान के अंदर जले और क्षतिग्रस्त सामान का पूरा आकलन होने के बाद ही नुकसान की सही तस्वीर सामने आएगी। प्रारंभिक जांच में आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट माना जा रहा है। हालांकि आग वास्तव में किस वजह से लगी, इसकी पुष्टि जांच पूरी होने के बाद ही होगी। संबंधित विभाग द्वारा आग लगने के कारणों और इससे हुए नुकसान का आकलन किया जा रहा है।

एक साल से तेंदुए के खौफ में गांव, वन विभाग पहुंचा तो ग्रामीणों ने घेरा, कर्मचारियों को बनाया बंधक

रोनी हरजीपुर में देर रात फूटा ग्रामीणों का गुस्सा, बोले-आखिर कब खत्म होगा तेंदुए का आतंक

मुजफ्फरनगर। तेंदुए के लगातार दिखाई देने और उसके आतंक से परेशान रोनी हरजीपुर गांव के ग्रामीणों का सब्र शनिवार देर शाम जवाब दे गया। करीब एक साल से तेंदुए की दहशत झेल रहे ग्रामीणों ने शनिवार रात करीब नौ बजे मौके पर पहुंचे वन विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों को घेर लिया और उन्हें बंधक बना लिया। ग्रामीणों का कहना था कि बार-बार तेंदुए की मौजूदगी की सूचना दिए जाने के बावजूद समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो सका है। देर रात तक ग्रामीणों और वन विभाग की टीम के बीच काफी देर तक बातचीत होती रही। ग्रामीणों के मुताबिक रोनी हरजीपुर और आसपास के क्षेत्र में लंबे समय से तेंदुए की गतिविधियां देखी जा रही हैं। शाम ढलने के बाद ग्रामीणों का घरों से बाहर निकलना मुश्किल हो जाता है। खेतों पर जाने वाले किसानों और पशुपालकों को विशेष सावधानी बरतनी पड़ती है। ग्रामीणों का कहना है कि लगातार बने डर के कारण गांव में सामान्य जनजीवन भी प्रभावित हो रहा है। वन विभाग की

टीम पहुंची तो ग्रामीणों ने घेरा

शनिवार देर शाम करीब नौ बजे वन विभाग के अधिकारी और कर्मचारी तेंदुए की सूचना के बाद गांव पहुंचे। टीम के पहुंचते ही ग्रामीणों ने उन्हें घेर लिया। ग्रामीणों ने विभागीय अधिकारियों से तेंदुए को पकड़ने के लिए तत्काल प्रभावी कार्रवाई की मांग की। देखते ही देखते मौके पर बड़ी संख्या में ग्रामीण जमा हो गए और वन विभाग की टीम को बंधक बना लिया गया। ग्रामीणों ने वन विभाग के अधिकारियों से सवाल किया कि जब लंबे समय से तेंदुए की मौजूदगी की जानकारी विभाग को है तो अब तक उसे पकड़ने के लिए प्रभावी अभियान क्यों नहीं चलाया गया। ग्रामीणों ने कहा कि किसी बड़ी घटना के बाद कार्रवाई करने के बजाय उससे पहले ही तेंदुए को पकड़ना जरूरी है। ग्रामीणों ने विभाग के अधिकारियों के सामने अपनी नाराजगी खुलकर जाहिर की। ग्रामीणों के आक्रोश की सूचना मिलते ही वन विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों में भी खलबली मच गई। अधिकारियों ने ग्रामीणों से बातचीत कर उन्हें भरोसा दिलाया कि सोमवार तक तेंदुए को पकड़ने के लिए रेस्क्यू अभियान चलाकर समस्या का समाधान करने का प्रयास किया जाएगा। अधिकारियों के आश्वासन के बाद ग्रामीणों ने वन विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों को बंधन से मुक्त कर दिया।

शाहरुख पठान के एनकाउंटर के बाद परिवार में बढ़ी रंजिश, भाई ने बंद मकान में लूटपाट का लगाया आरोप

मुखबिरी के शक में रंजिश रखने का दावा, जेल में रहने के दौरान मकान में घुसकर सोने की चेन, दो अंगूठियां, 90 हजार रुपये और जरूरी कागजात ले जाने का आरोप, खालापार पुलिस ने दर्ज किया मुकदमा

मुजफ्फरनगर। खालापार थाना क्षेत्र के दक्षिणी खालापार में करीब एक वर्ष पहले पुलिस एनकाउंटर में मारे गए शाहरुख पठान के नाम को लेकर परिवार में चल रही कथित रंजिश का मामला पुलिस तक पहुंच गया है। शाहरुख पठान के भाई दिलनवाज खान ने अपने भाई शोएब पठान, निषाद पठान और पिता जरीफ पठान पर गंभीर आरोप लगाए हैं। दिलनवाज का आरोप है कि परिवार के लोगों को शक है कि उसने शाहरुख पठान के एनकाउंटर की पुलिस को मुखबिरी की थी। इसी रंजिश के चलते उसे और उसकी पत्नी को परेशान किया गया तथा उसके जेल में रहने के दौरान बंद मकान में घुसकर कीमती सामान, नकदी और महत्वपूर्ण कागजात ले जाने का आरोप लगाया गया है। एसएसपी के आदेश पर खालापार पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

शाहरुख पठान के खिलाफ दर्ज मुकदमों का तहरीर में उल्लेख दिलनवाज खान ने पुलिस को दी तहरीर में अपने भाई शाहरुख पठान पुत्र जरीफ पठान का उल्लेख करते हुए दावा किया है कि उसके खिलाफ हत्या, लूट और डकैती समेत कई मुकदमे दर्ज थे। तहरीर के अनुसार करीब एक वर्ष पहले मुजफ्फरनगर पुलिस के साथ हुई मुठभेड़ में शाहरुख पठान मारा गया था। इसी एनकाउंटर के बाद परिवार के भीतर विवाद और रंजिश बढ़ने का आरोप लगाया गया है। वादी दिलनवाज खान का आरोप है कि शाहरुख पठान के एनकाउंटर के बाद उसके परिवार के लोगों को उस पर शक हो गया कि उसने पुलिस को शाहरुख के बारे में सूचना देकर उसका एनकाउंटर कराया। दिलनवाज ने तहरीर में कहा है कि शाहरुख के एनकाउंटर से उसका कोई लेना-देना नहीं था। इसके बावजूद उसके भाई शोएब पठान, निषाद पठान और

पिता जरीफ पठान उससे रंजिश रखने लगे। तहरीर में दिलनवाज खान ने आरोप लगाया है कि पारिवारिक रंजिश के चलते उसकी पत्नी के साथ भी मारपीट और बदसलूकी की गई। उसका कहना है कि परिवार के लोगों के साथ विवाद लगातार बढ़ता गया और उसे तथा उसकी पत्नी को निशाना बनाया गया।

दिलनवाज ने अपनी तहरीर में अपनी बहन दिलनसी पत्नी खुर्शीद आलम निवासी सहारनपुर का भी नाम लिया है। आरोप है कि परिवार के लोगों ने कथित रूप से योजना बनाकर उसकी बहन के माध्यम से उसके खिलाफ एक मुकदमा दर्ज कराया, जिसके चलते उसे जेल जाना पड़ा। वादी ने इस कार्रवाई को भी पारिवारिक रंजिश से जोड़ते हुए पुलिस से जांच की मांग की है। वादी के मुताबिक जब वह जेल में बंद था, उसी दौरान 26 मई 2026 को उसके बंद मकान में परिवार के लोगों ने कथित तौर पर प्रवेश किया। आरोप है कि मकान के अंदर रखा कीमती सामान निकाल लिया गया। दिलनवाज ने तहरीर में सोने की एक चेन, दो अंगूठियां, 90 हजार रुपये नकद और घर से संबंधित महत्वपूर्ण कागजात ले जाने का आरोप लगाया है। तहरीर में कहा गया है कि मकान में कथित रूप से घुसने और सामान ले जाने की घटना के दौरान मोहल्ले के कुछ लोगों ने वीडियो भी बनाई थी। वादी का दावा है कि इन वीडियो से घटना के संबंध में महत्वपूर्ण साक्ष्य सामने आ सकते हैं। पुलिस अब वीडियो और उसे बनाने वाले लोगों के संबंध में जानकारी जुटाएगी। दिलनवाज के अनुसार वह जेल से छूटकर 7 जुलाई 2026 को अपने घर पहुंचा। घर पहुंचने के बाद उसकी पत्नी और मोहल्ले के लोगों ने उसे बताया कि उसके परिवार के लोगों ने उसके घर में लूटपाट की है। इसके बाद उसे मकान से सामान और नकदी गायब होने की जानकारी हुई।

वादी ने पुलिस को बताया कि जेल से आने के बाद वह बीमार हो गया था। इसी वजह से वह तत्काल पुलिस से शिकायत नहीं कर सका। स्वास्थ्य ठीक होने के बाद उसने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक को तहरीर देकर पूरे मामले में मुकदमा दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की मांग की।

ग्राम विकास अधिकारी को फोन पर गाली-गलौज और जातिसूचक शब्दों से अपमानित कर जान से मारने की धमकी

मृत्यु प्रमाण पत्र जारी न होने से नाराजगी का आरोप, फोन पर कहा- तुम्हारा मृत्यु प्रमाण पत्र हम बनाएंगे; दूसरे फोन पर भी धमकी, पहले पिस्टल दिखाकर डराने का भी लगाया आरोप, पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर शुरू की जांच

खतौली। खतौली ब्लाक क्षेत्र में तैनात ग्राम विकास अधिकारी को कथित तौर पर फोन पर गाली-गलौज, जातिसूचक शब्दों का इस्तेमाल कर अपमानित करने और जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। ग्राम विकास अधिकारी उदयवीर पुत्र भूप सिंह, निवासी ग्राम पुरबालियान, थाना मंसूरपुर, तहसील खतौली ने आरोप लगाया है कि मृत्यु प्रमाण पत्र जारी न होने से नाराज सोमपाल सिंह और भारत राठी पुत्र इलम सिंह निवासी ग्राम दूधाहेड़ी ने अलग-अलग फोन कर उन्हें गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी दी। आरोप है कि फोन पर यह तक कहा गया कि तुम्हारा मृत्यु प्रमाण पत्र हम बनाएंगे। तहरीर के आधार पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। तहरीर के अनुसार उदयवीर वर्तमान में ब्लाक खतौली के ग्राम दूधाहेड़ी में ग्राम विकास अधिकारी के पद पर कार्यरत हैं। उन्होंने बताया कि वह अपने सरकारी दायित्वों का निर्वहन ईमानदारी और निष्ठा से कर रहे हैं। उदयवीर ने तहरीर में स्वयं को अनुसूचित जाति वर्ग से संबंधित बताते हुए आरोप लगाया है कि सरकारी काम से जुड़े एक मामले को लेकर उन्हें लगातार दबाव और धमकियों का सामना करना पड़ रहा है। उदयवीर के अनुसार 17 सितंबर 2026 को सुबह करीब 9:50 बजे वह अपने आवास से ब्लाक खतौली की ओर जा रहे थे। इसी दौरान उनके मोबाइल फोन पर एक अज्ञात नंबर से कॉल आई। फोन उठाने पर दूसरी ओर मौजूद व्यक्ति ने कथित तौर पर उनके साथ बेहद अभद्र भाषा में गाली-गलौज शुरू कर दी और मारने-पीटने की धमकी देने लगा। तहरीर में उदयवीर ने आरोप लगाया कि फोन करने वाले ने कहा कि उन्होंने भारत राठी के पिता इलम सिंह और भाई राज सिंह के मृत्यु प्रमाण पत्र नहीं बनाए हैं और अब उनका ही मृत्यु प्रमाण पत्र बनाया जाएगा। इस पर ग्राम विकास अधिकारी ने उसे बताया कि दोनों मामलों में तहसील से आवेदन प्राप्त होने के बाद उन्होंने अपनी ओर से मृत्यु प्रमाण पत्र जारी किए जाने की संस्तुति रिपोर्ट लगा दी है, लेकिन अभी तक उपजिलाधिकारी स्तर से आदेश प्राप्त नहीं हुआ है। वादी का आरोप है कि वास्तविक स्थिति समझाने के बावजूद फोन करने वाला व्यक्ति शांत नहीं हुआ और कथित तौर पर जातिसूचक शब्दों का इस्तेमाल करते हुए उसे अपमानित करने लगा। तहरीर में कहा गया है कि फोन करने वाले ने जान से मारने की धमकी देते हुए कहा कि अब उसे जिंदा नहीं छोड़ा जाएगा और देखते हैं उसे कौन बचाता है। इसके बाद फोन काट दिया गया। उदयवीर के मुताबिक फोन चेक करने पर उन्हें कथित कॉलर का नाम सोमपाल सिंह दिखाई दिया। इसके बाद उन्हें करीब एक वर्ष पहले हुई एक घटना याद आई। उन्होंने तहरीर में बताया कि 11 सितंबर 2025 को सोमपाल सिंह उनके पास आया था और उस समय उसके साथ भारत राठी पुत्र इलम सिंह निवासी ग्राम दूधाहेड़ी भी था। वादी ने आरोप लगाया कि 11 सितंबर 2025 को दोपहर करीब एक बजे भारत राठी ने अपनी कमर में लगी पिस्टल दिखाकर उसे और सोमपाल सिंह ने डराया-धमकाया था। उदयवीर के अनुसार इस घटना के बाद से वह भयभीत और मानसिक रूप से परेशान चल रहे हैं। इसी पुराने घटनाक्रम को उन्होंने वर्तमान धमकियों से भी जोड़ते हुए पुलिस से सुरक्षा की मांग की है।

बुढ़ाना में पुलिस मुठभेड़ में शातिर वाहन चोर घायल, गिरफ्तार

चेकिंग के दौरान बाइक सवार ने भागने की कोशिश की, ईंख के खेत में घुसकर पुलिस पर की फायरिंग, जवाबी कार्रवाई में पैर में गोली लगने से हुआ घायल

बुढ़ाना । बुढ़ाना थाना क्षेत्र में रविवार को पुलिस और शातिर वाहन चोर के बीच मुठभेड़ हो गई। क्राउन स्कूल के पास चेकिंग के दौरान पुलिस को देखकर बाइक सवार युवक भागने लगा। पुलिस टीम ने पीछा किया तो कुछ दूरी पर उसकी मोटरसाइकिल अनियंत्रित होकर गिर गई। इसके बाद आरोपी बाइक छोड़कर ईंख के खेत में घुस गया। पुलिस ने घेराबंदी कर आत्मसमर्पण की चेतावनी दी, लेकिन आरोपी ने पुलिस टीम पर जान से मारने की नीयत से फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में आरोपी गोली लगने से घायल हो गया। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर उपचार के लिए अस्पताल भेजा।

क्राउन स्कूल के पास चल रही थी संदिग्ध वाहनों की चेकिंग

पुलिस के अनुसार रविवार को बुढ़ाना पुलिस टीम क्राउन स्कूल के पास संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों की चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान मंदवाड़ा की ओर से एक युवक मोटरसाइकिल पर आता दिखाई दिया। पुलिसकर्मियों ने उसे चेकिंग के

लिए रुकने का इशारा किया, लेकिन बाइक सवार ने रुकने के बजाय मोटरसाइकिल वापस मोड़ ली और तेजी से भागने लगा। पुलिस टीम को युवक की गतिविधियां संदिग्ध लगीं और पुलिसकर्मियों ने उसका पीछा शुरू कर दिया। कुछ दूरी आगे जाकर बाइक अनियंत्रित होकर गिर गई। इसके बाद आरोपी ने मोटरसाइकिल मौके पर ही छोड़ दी और पास के ईंख के खेत में घुस गया। पुलिस टीम ने खेत की घेराबंदी करते हुए आरोपी को आत्मसमर्पण करने की चेतावनी दी।

पुलिस का कहना है कि खुद को चारों ओर से घिरा देखकर आरोपी ने पुलिस टीम पर जान से मारने की नीयत से फायरिंग कर दी। गोलीबारी में पुलिसकर्मी बाल-बाल बच गए। इसके बाद पुलिस टीम ने आत्मरक्षार्थ नियंत्रित जवाबी फायरिंग की। इस दौरान आरोपी को गोली लग गई और वह घायल होकर गिर पड़ा। पुलिसकर्मियों ने उसे मौके से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने घायल आरोपी के कब्जे से 315 बोर का अवैध तमंचा, एक जिंदा कारतूस और एक खोखा कारतूस बरामद किया है। इसके अलावा मौके से बिना नंबर की एक स्प्लेंडर मोटरसाइकिल भी बरामद की गई। घायल आरोपी को तत्काल उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया। पुलिस द्वारा मुठभेड़, गिरफ्तारी और बरामदगी के संबंध में आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

मेरठ का रहने वाला है गिरफ्तार आरोपी

पुलिस के मुताबिक, गिरफ्तार आरोपी की पहचान बिलाल उर्फ मंकी पुत्र इस्तकार निवासी खैर नगर, थाना दिल्ली गेट, जनपद मेरठ के रूप में हुई है। पुलिस ने उसके खिलाफ बुढ़ाना थाने में मु0अ0सं0 419/2026, धारा 109(1)/317(5) बीएनएस तथा 3/25/28 आर्म्स एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार बिलाल उर्फ मंकी के खिलाफ मुजफ्फरनगर, मेरठ, गौतमबुद्धनगर, दिल्ली और हरियाणा के विभिन्न थानों में चोरी, वाहन चोरी, अवैध हथियार और गैंगस्टर एक्ट समेत कई मुकदमे दर्ज हैं। वह थाना नौचंदी, मेरठ में दर्ज मु0अ0सं0 233/2026, धारा 2/3 गैंगस्टर एक्ट के मामले में वांछित चल रहा था।

घेर में जाते समय युवती से छेड़छाड़, पीछे से पकड़कर अश्लील हरकत का आरोप

विरोध करने पर आरोपी ने गाली-गलौज कर दी जान से मारने की धमकी, पहले भी छेड़छाड़ करने का आरोप; पीड़िता ने एसएसपी से लगाई थी गुहार, मंसूरपुर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर शुरू की जांच

मुजफ्फरनगर। मंसूरपुर थाना क्षेत्र के गांव मौलाहेड़ी में घेर में जा रही एक युवती के साथ रास्ते में छेड़छाड़ और अश्लील हरकत करने का मामला सामने आया है। पीड़िता ने एक युवक पर पीछे से आकर उसे जबरन पकड़ने, गालों को चूमने और अश्लील हरकत करने का आरोप लगाया है। विरोध करने और शोर मचाने पर आरोपी गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी देकर मौके से फरार हो गया। पीड़िता का आरोप है कि आरोपी पहले भी उसके साथ छेड़छाड़ कर चुका है। एसएसपी को दी गई तहरीर के आधार पर मंसूरपुर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। तहरीर के अनुसार घटना 11 सितंबर 2026 को सुबह करीब 10:15 बजे की है। पीड़िता अपने घेर की ओर जा रही थी। आरोप है कि चांदवीर के घर के पास पहले से खड़े अंकित पुत्र महक सिंह ने पीछे से आकर उसे जबरन पकड़ लिया और उसके साथ अश्लील हरकतें कीं।

विरोध और शोर मचाने पर भागा आरोपी

पीड़िता का आरोप है कि आरोपी की हरकतों का उसने विरोध किया और शोर मचाना शुरू कर दिया। इसी दौरान सद्दाम पुत्र अकबर और शाहरुख पुत्र रोशन को अपनी ओर आता देखकर आरोपी मौके से भागने लगा। आरोप है कि जाते समय उसने गाली-गलौज की और भविष्य में मौका मिलने पर नहीं छोड़ने की धमकी दी। तहरीर में पीड़िता ने आरोप लगाया है कि आरोपी ने उसे धमकी दी कि यदि उसने घटना की शिकायत की तो उसे जान से मार दिया जाएगा। इस धमकी के कारण पीड़िता ने अपनी सुरक्षा और सम्मान को लेकर खतरा जताया है।

पहले भी छेड़छाड़ करने का आरोप

पीड़िता का कहना है कि यह पहली घटना नहीं है। आरोप है कि अंकित पहले भी उसके साथ छेड़छाड़ कर चुका है। पीड़िता के अनुसार उसके माता-पिता ने आरोपी को समझाने का प्रयास भी किया, लेकिन इसके बावजूद वह अपनी कथित हरकतों से बाज नहीं आया।

परिवार को लगातार सता रहा सुरक्षा का डर

तहरीर में पीड़िता ने कहा है कि आरोपी के खुलेआम घूमने के कारण उसे लगातार अपनी जान और इज्जत-आबरू का खतरा बना हुआ है। परिवार की ओर से भी घटना को लेकर चिंता जताई गई है और आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की गई।

थाने में शिकायत के बाद एसएसपी से लगाई गुहार

पीड़िता के अनुसार वह घटना के बाद मंसूरपुर थाने गई थी और शिकायत की थी, लेकिन तहरीर के मुताबिक उसकी रिपोर्ट दर्ज नहीं की गई। इसके बाद उसने 18 सितंबर 2026 को वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक को प्रार्थना पत्र देकर मुकदमा दर्ज कराने और आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की।

मंसूरपुर पुलिस ने दर्ज किया मुकदमा

एसएसपी को दी गई तहरीर के आधार पर मंसूरपुर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस घटना से जुड़े तथ्यों, मौके की परिस्थितियों और तहरीर में उल्लेखित लोगों के संबंध में जानकारी जुटा रही है।

पुलिस जुटा रही साक्ष्य, जांच के बाद होगी आगे की कार्रवाई

पुलिस मामले में पीड़िता के बयान और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर जांच कर रही है। तहरीर में लगाए गए आरोपों की पुष्टि जांच के बाद होगी। पुलिस का कहना है कि जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आरोपी के खिलाफ नियमानुसार आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

दहेज में बोलेरो और दो लाख रुपये की मांग, विवाहिता का गला घोंटने की कोशिश का आरोप

मुजफ्फरनगर। चरथावल थाना क्षेत्र के गांव दधेड़ू खुर्द निवासी विवाहिता ने अपने ससुराल पक्ष पर अतिरिक्त दहेज की मांग को लेकर उत्पीड़न, मारपीट और जान से मारने की कोशिश करने का आरोप लगाया है। विवाहिता का आरोप है कि ससुराल वाले उससे बोलेरो गाड़ी और दो लाख रुपये नकद की मांग कर रहे थे। मांग पूरी न होने पर उसके साथ मारपीट की गई और पति ने दुपट्टे से गला घोंटकर जान से मारने का प्रयास किया। शिकायत के आधार पर चरथावल थाने में मुकदमा दर्ज कर पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। तहरीर के अनुसार दधेड़ू खुर्द निवासी मुस्कान पुत्री इमरान की शादी एक मई 2024 को मुस्लिम रीति-रिवाज के अनुसार मुजफ्फरनगर के मिमलाना रोड निवासी मेहरबान पुत्र इदरीश के साथ हुई थी। विवाहिता का कहना है कि उसके पिता ने अपनी हैसियत से अधिक करीब 12 लाख रुपये खर्च किए थे। शादी में सोने-चांदी के जेवरात, घरेलू उपयोग का सामान, फर्नीचर और कीमती कपड़े समेत अन्य सामान दिया गया था। विवाहिता ने आरोप लगाया कि शादी के बाद से ही उसका पति मेहरबान, सास मुनीजा, ससुर इदरीश, जेठ इसरार व शौकीन, जेठानियां शबनम व शमां, ननदोई इमत्याज तथा ननद शब्बो अतिरिक्त दहेज की मांग को लेकर उसे परेशान करने लगे। आरोप है कि ससुराल पक्ष की ओर से लगातार बोलेरो गाड़ी और दो लाख रुपये नकद मायके से लाने का दबाव बनाया जाता था। मांग पूरी न होने पर उसके साथ ताना मारने और मारपीट करने का आरोप लगाया गया है।

तहरीर में विवाहिता ने बताया कि 18 अप्रैल 2026 को वह घर में घरेलू कार्य कर रही थी। इसी दौरान आरोपित ससुराल वालों ने कथित रूप से अतिरिक्त दहेज की मांग दोहराई। विवाहिता द्वारा अपने पिता की आर्थिक स्थिति का हवाला देते हुए बोलेरो और दो लाख रुपये देने में असमर्थता जताने पर आरोप है कि सभी ने एकराय होकर उसके साथ लात-मुक्कों से मारपीट की। विवाहिता ने गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि मारपीट के दौरान उसके पति मेहरबान ने उसके गले में पड़े दुपट्टे से गला घोंटकर जान से मारने का प्रयास किया।

खालापार की सड़कों पर बुलेट का पटाखा आतंक ! तेज धमाके और चमक के साथ दौड़ती बाइक का वीडियो वायरल

मुजफ्फरनगर। खालापार थाना क्षेत्र की सड़कों से बुलेट बाइक सवार युवकों का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वायरल वीडियो में सड़क पर दौड़ती बुलेट बाइक के पिछले हिस्से से तेज आवाज के साथ पटाखे जैसी चमक और धुआं निकलता दिखाई दे रहा है। वीडियो सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर बाइक से पटाखे छोड़ने और सड़क पर दहशत पैदा करने की चर्चा शुरू हो गई है।

वायरल वीडियो में दो युवक बुलेट बाइक पर सवार होकर सड़क पर आगे बढ़ते दिखाई दे रहे हैं। इसी दौरान बाइक के पिछले हिस्से से अचानक तेज आवाज सुनाई देती है और चमक के साथ धुआं जैसा दिखाई देता है। घटना के समय सड़क पर अन्य वाहन भी आते-जाते नजर आ रहे हैं। बाइक सवार युवक बिना रुके आगे बढ़ते दिखाई देते हैं। बताया जा रहा है कि जिस समय बुलेट बाइक सड़क पर चल रही थी, उसी के पीछे दूसरे बाइक सवार भी चल रहे थे। इसी दौरान उन्होंने मोबाइल फोन के कैमरे से इस पूरी घटना को रिकॉर्ड कर लिया। बाद में यही वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया गया, जिसके बाद यह तेजी से वायरल होने लगा।

सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो को खालापार थाना क्षेत्र का बताया जा रहा है। वीडियो में दिखाई दे रही सड़क और आसपास के दृश्य के आधार पर लोग इसे खालापार क्षेत्र का बता रहे हैं। हालांकि अभी तक पुलिस या किसी आधिकारिक स्रोत की ओर से वीडियो की पुष्टि नहीं की गई है। वायरल वीडियो में दिखाई दे रहे दोनों बाइक सवार कौन हैं, इसका अभी पता नहीं चल पाया है। इसी तरह वीडियो कब का है और इसे किस स्थान पर रिकॉर्ड किया गया, इसकी भी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। वीडियो में बाइक के पिछले हिस्से से दिखाई दे रही चमक और तेज आवाज का वास्तविक कारण भी स्पष्ट नहीं है।

सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो को बाइक से पटाखे छोड़ने से जोड़कर देखा जा रहा है, लेकिन अभी यह स्पष्ट नहीं है कि बाइक से वास्तव में कोई पटाखा छोड़ा जा रहा था या तेज आवाज और चमक किसी अन्य वजह से हुई। वीडियो की वास्तविकता और उसमें दिखाई दे रही घटना की पुष्टि जांच के बाद ही हो सकेगी। वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से प्रसारित होने के बाद अब इस मामले में पुलिस की जांच पर नजर है। यदि वीडियो खालापार थाना क्षेत्र का पाया जाता है और बाइक सवारों की पहचान होती है तो पुलिस वीडियो में दिखाई दे रही गतिविधि की वास्तविकता की जांच कर सकती है।

फिलहाल वायरल वीडियो को लेकर आधिकारिक रूप से किसी कार्रवाई की पुष्टि नहीं हुई है। बुलेट बाइक का यह वीडियो अलग-अलग सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर शेयर किया जा रहा है। वीडियो के साथ लोग तरह-तरह की प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं।

संपादकीय

मणिपुर हिंसा- राहत शिविरों में भी जिंदगी असुरक्षित?

मणिपुर हिंसा व राहत शिविरों में मौतों पर सुप्रीम कोर्ट ने सख्त नाराजगी जताई है। सरकार को अब सिर्फ राहत बांटने के बजाय विस्थापितों की सुरक्षा, शांति बहाली और सम्मानजनक घर वापसी सुनिश्चित करनी होगी। किसी राज्य में अगर लंबे समय से एक विशेष तरह की हिंसा लगातार व्यवस्था का मुंह चिढ़ाती रहे, तो सरकार की नीतियों और नैतिक प्रतिबद्धताओं पर सवाल उठना स्वाभाविक है। मणिपुर में जातीय संघर्ष शुरू होने के बाद से जो हालात बने हैं और उससे निपटने के लिए विभिन्न स्तरों पर जिस तरह की उदासीनता रही है, उससे राज्य के सामाजिक ताने-बाने एवं सम्मान से जीवन जीने की गरिमा को भी गहरी चोट पहुंची है।आए दिन हिंसक घटनाओं में निर्दोष लोगों की जान जाने के साथ ही आमजन का शासन-प्रशासन पर भरोसा भी कमजोर होता जा रहा है। इस सब के बीच सबसे अधिक परेशानी उन लोगों को झेलनी पड़ रही है, जिन्होंने अपना घर, जमीन एवं रोजगार खो दिया है और लंबे समय से राहत शिविरों में रहने को मजबूर हैं।विकट परिस्थितियों में अब तक कई लोगों की मौत हो चुकी है। सर्वोच्च न्यायालय ने बीते गुरुवार को इस पर कड़ी नाराजगी जताई और राज्य सरकार से राहत शिविरों में हुई मौत के मामलों की जांच तथा विस्थापित परिवारों की सुरक्षा के लिए बंदोबस्त का पूरा ब्योरा देने को कहा है। मणिपुर में जातीय संघर्ष मई, 2023 में शुरू हुआ था। तब से लेकर राज्य में हिंसक घटनाओं में ढाई सौ से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है और हजारों विस्थापित हुए हैं। हालांकि, कुछ समय के लिए तनाव थोड़ा कम हुआ था, लेकिन यह स्थिति ज्यादा दिन तक कायम नहीं रह पाई। राज्य में हिंसा फिर से तेज हो गई है।पिछले सप्ताह तमेंगलोंग और लांगपी में उग्रवादियों की गोलीबारी में दो महिलाओं समेत चार लोगों की मौत हो गई थी। इसके दो दिन बाद उग्रवादियों ने लीसांगफाई में दो महिलाओं की हत्या कर दी। सवाल है कि आखिर सरकार की नीतियों में जातीय संघर्ष को खत्म कर हिंसा को रोकने की प्रतिबद्धता नजर क्यों नहीं आती है?सरकार को उसका काम सर्वोच्च अदालत को क्यों याद दिलाना पड़ रहा है! आठ जिलों के राहत शिविरों में छह सौ चालीस मौतें और उनमें पच्चीस लोगों की अप्राकृतिक तरीके से मौत के मामले से यह सवाल उठा है कि हिंसा और अराजकता से पीड़ित लोगों ने जब राहत शिविरों में शरण ली, तो वहां भी उनका जीवन सुरक्षित नहीं रहा।दरअसल, विस्थापित परिवारों के लिए राहत शिविरों की सबसे बड़ी चुनौती उनकी अस्थायी प्रकृति है। किसी आपदा के बाद कुछ समय के लिए बनाए गए शिविर लंबे समय तक रहने की जगह बन जाएं, तो यह सरकार की जिम्मेदारी है कि वहां बुनियादी सुविधाओं और सुरक्षा का पर्याप्त इंतजाम किया जाए। सीमित जगह में बड़ी संख्या में लोगों का रहना।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का एक क्षेत्रीय नेता से वैश्विक पटल पर सबसे प्रभावशाली शीर्ष नेताओं में शामिल होना, उनकी सुदृढ़ रणनीतिक सोच, जनसंपर्क क्षमता और कूटनीतिक दूरदर्शिता का परिणाम है। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भारतीय राजनीति के सबसे प्रमुख और चर्चित चेहरों में से एक हैं। देश की जनता उन्हें अलग-अलग दृष्टिकोणों से देखती है, और विपक्षी नेताओं के साथ उनके राजनीतिक समीकरणों के पीछे कई रणनीतिक कारण हैं।

प्रधानमंत्री कैसे विश्व के ताकतवर नेता बन गए? उनके गूढ़ राजनीतिक गुणों के बारे में जानिए

(कमलेश पांडे)।

पीएम मोदी ने पारंपरिक गुटनिरपेक्षता की नीति को बदलते हुए 'मल्टी-अलाइनमेंट' की रणनीति अपनाई। भारत ने एक ही समय में अमेरिका, रूस, यूरोप और मध्य-पूर्व (खाड़ी देशों) के साथ मजबूत व्यापारिक और सुरक्षा संबंध बनाए रखे हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का एक क्षेत्रीय नेता से वैश्विक पटल पर सबसे प्रभावशाली शीर्ष नेताओं में शामिल होना, उनकी सुदृढ़ रणनीतिक सोच, जनसंपर्क क्षमता और कूटनीतिक दूरदर्शिता का परिणाम है। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भारतीय राजनीति के सबसे प्रमुख और चर्चित चेहरों में से एक हैं। देश की जनता उन्हें अलग-अलग दृष्टिकोणों से देखती है, और विपक्षी नेताओं के साथ उनके राजनीतिक समीकरणों के पीछे कई रणनीतिक कारण हैं।

तो आइए सबसे पहले उनके प्रमुख गूढ़ राजनीतिक गुण निम्नलिखित हैं–

एक, रणनीतिक कूटनीति और बहु-ध्रुवीय संतुलन– पीएम मोदी ने पारंपरिक गुटनिरपेक्षता की नीति को बदलते हुए मल्टी-अलाइनमेंट की रणनीति अपनाई। भारत ने एक ही समय में अमेरिका, रूस, यूरोप और मध्य-पूर्व (खाड़ी देशों) के साथ मजबूत व्यापारिक और सुरक्षा संबंध बनाए रखे हैं। रूस-यूक्रेन संघर्ष के बीच वैश्विक दबावों के बावजूद भारत के राष्ट्रीय हितों को सर्वोपरि रखना और वैश्विक दक्षिण की आवाज बनना उनकी मजबूत कूटनीतिक क्षमता को दर्शाता है।

दो, दूरदर्शी जन-संचार और ब्रांडिंग- मोदी जी जन-संवाद के अद्वितीय विशेषज्ञ हैं। मन की बात, विशाल जनसभाओं और सोशल मीडिया के माध्यम से वे जनता से सीधे जुड़ते हैं। उन्होंने भारत की सांस्कृतिक और ऐतिहासिक पहचान को वैश्विक मंचों (जैसे- योग दिवस, जी-20 की भारत की अध्यक्षता, ब्रिक्स की अध्यक्षता) पर प्रस्तुत कर देश की सॉफ्ट पावर को अत्यधिक मजबूत किया है।

तीन, साहसिक और निर्णायक निर्णय क्षमता– राजनीतिक जोखिम उठाने और बड़े फैसले लेने में वे झिझकते नहीं हैं। सर्जिकल स्ट्राइक, धारा 370 का निष्प्रभावीकरण, जीएसटी, और डिजिटल इंडिया जैसी योजनाओं से उन्होंने यह संदेश दिया कि वे दीर्घकालिक राष्ट्रीय हित के लिए कड़े कदम उठाने में सक्षम हैं।

चार, तकनीकी और कल्याणकारी सुशासन– डिजिटल इंडिया, आधार और यूपीआई के समावेश से सीधे बैंक खातों में जन-कल्याणकारी योजनाओं का पैसा पहुंचाकर उन्होंने भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाया और प्रशासनिक पारदर्शिता बढ़ाई। इस मॉडल को वैश्विक स्तर पर एक सफल उदाहरण के रूप में देखा जाता है।

पांच, कैडर संगठन और विशाल राजनीतिक तंत्र– जमीनी स्तर पर काम करने और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ एवं भारतीय जनता पार्टी के कैडर संगठन का गहरा अनुभव उनकी सबसे बड़ी ताकत है। वे केवल नीतियों पर ध्यान केंद्रित नहीं करते, बल्कि उन नीतियों को धरातल पर उतारने के लिए पार्टी कैडर

और नौकरशाही का कुशलता से उपयोग करते हैं।

प्रधानमंत्री मोदी की वैश्विक विदेश नीति और प्रमुख आंतरिक सुधारों का विवरण इस प्रकार हैं-

एक, वैश्विक विदेश नीति– भारत प्रथम और बहु-ध्रुवीय कूटनीति– भारत की आधुनिक विदेश नीति को मोदी सिद्धांत के रूप में भी देखा जाता है। इसके मुख्य स्तंभ हैं

पड़ोस प्रथम नीति– दक्षिण एशिया में भारत की उपस्थिति और विश्वसनीयता को मजबूत करने के लिए बुनियादी ढांचे, बिजली और कनेक्टिविटी परियोजनाओं पर विशेष ध्यान देना।

एक्ट ईस्ट नीति– पूर्वी एशियाई और आसियान– देशों के साथ आर्थिक और रणनीतिक संबंधों को गहरा करना।

ग्लोबल साउथ का नेतृत्व– विकासशील और गरीब देशों की प्राथमिकताओं (जैसे जलवायु न्याय, ऋण राहत और खाद्य सुरक्षा) को प्रतिशत20 जैसे मंचों पर उठाना।

रणनीतिक स्वायत्तता– किसी एक गुट में शामिल न होकर राष्ट्रहित के आधार पर अमेरिका, रूस, इजराइल और खाड़ी देशों के साथ स्वतंत्र संबंध बनाना।।

दो, प्रमुख आंतरिक सुधार-प्रशासनिक और आर्थिक कायाकल्प के क्षेत्र, प्रमुख पहल, उसके प्रभाव और परिणाम।

डिजिटल क्रांति– डिजिटल इंडिया ,भारत दुनिया का सबसे बड़ा डिजिटल भुगतान तंत्र बन गया; पारदर्शिता में वृद्धि करना।

- कल्याणकारी तंत्र– डीबीटी जन धन योजना, बिचौलियों का खात्मा; करोड़ों रुपये की सीधे लाभार्थियों के खातों में डिलीवरी करना।

कर व आर्थिक सुधार– जीएसटी आईबीसी, एक देश, एक कर व्यवस्था; व्यापार में सुगमता और डूबे हुए कर्जों का समाधान करना।

- संरचनात्मक विकास – पीएम गतिशक्ति नेशनल इंफ्रा पाइपलाइन, राजमार्गों, रेलवे, बंदरगाहों और हवाई अड्डों का तेज गति से आधुनिकीकरण करना।

सुरक्षा और कानून – धारा 370 की समाप्ति नया नागरिक न्याय कानून, जम्मू-कश्मीर का मुख्यधारा में एकीकरण; औपनिवेशिक कालीन आपराधिक कानूनों में सुधार करना।

आखिर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भारतवासी किस किस रूप में देखते हैं? नेता उनसे क्यों चिढ़ते हैं?

आइए जानते हैं, भारतवासी प्रधानसेवक नरेंद्र मोदी को किस-किस रूप में देखते हैं?

एक, कड़े और मजबूत फैसले लेने वाले नेता (निर्णायक नेतृत्व)– उनके समर्थक उन्हें एक ऐसे नेता के रूप में देखते हैं जो राष्ट्रहित में बड़े और साहसिक फैसले लेने से पीछे नहीं हटते (जैसे- सर्जिकल स्ट्राइक, धारा 370 का हटना या बड़े आर्थिक सुधार)।

दो, विकास पुरुष और आधुनिक भारत के निर्माता– कई लोग उन्हें डिजिटल इंडिया, मेक इन इंडिया, बुनियादी ढांचे (हाईवे, वंदे भारत एक्सप्रेस, एयरपोर्ट) के विस्तार और आत्मनिर्भर भारत का विज़न देने वाले प्रशासक के रूप में देखते हैं।

तीन, कल्याणकारी योजनाओं के प्रदाता– देश का एक बड़ा गरीब और मध्यम वर्ग उन्हें उज्ज्वला योजना, जनधन खाते, पीएम आवास योजना और मुफ्त राशन जैसी सीधी योजनाओं के माध्यम से उनके जीवन को आसान बनाने वाले संरक्षक के रूप में देखता है।

चार, सांस्कृतिक पुनरुत्थान के प्रतीक– बहुसंख्यक समाज का एक वर्ग उन्हें हिंदू संस्कृति, परंपराओं और राष्ट्रीय गौरव को वैश्विक मंच पर पुनर्स्थापित करने वाले नेता के रूप में देखता है।

पांच, कठोर और केंद्रित प्रशासक (आलोचकों की नज़र में)– आलोचक या विरोधी उन्हें एक ऐसे नेता के रूप में देखते हैं जो केंद्रीकृत निर्णय लेते हैं और विपक्ष या मीडिया के साथ संवाद के सीमित अवसर देते हैं।

राजनीतिक विरोधी और अन्य नेता उनसे क्यों असहज रहते हैं?

विपक्षी नेताओं की चिढ़ या असहमति के पीछे मुख्य रूप से राजनीतिक, वैचारिक और रणनीतिक कारण हैं–

एक, चुनावी मशीनरी और अपराजित छवि– मोदी का मजबूत संगठन (बीजेपी) और उनकी व्यक्तिगत जन-स्वीकार्यता विपक्षी दलों की पारंपरिक राजनीति और वोट बैंक को लगातार चुनौती देती है।

दो, सीधा जन-संवाद– मन की बात और सोशल मीडिया के माध्यम से मोदी जनता से बिना किसी बिचौलिए के सीधे जुड़ते हैं, जिससे पारंपरिक राजनीतिक बिचौलियों की भूमिका खत्म हो जाती है।

तीन, कठोर राजनीतिक और संस्थागत टकराव– विपक्ष का आरोप रहता है कि मोदी सरकार में केंद्रीय जांच एजेंसियों और प्रशासनिक तंत्र का इस्तेमाल राजनीतिक विरोधियों पर दबाव बनाने के लिए किया जाता है।

चार, वैचारिक भिन्नता– कांग्रेस और अन्य क्षेत्रीय दल देश के धर्मनिरपेक्ष ढांचे और समावेशी राजनीति के लिए उनकी हिंदुत्व आधारित विचारधारा को चुनौती मानते हैं।

बावजूद इसके पीएम नरेंद्र मोदी किसी से नहीं दबते। उन्होंने बहुत सही कार्य किए, लेकिन हिंदुत्व और जातिवाद को लेकर उनके मंत्रियों ने जो जो वैधानिक कुकृत्य किए, कराए, इससे उनका वह जनाधार दांव पर है, जिसने उन्हें हर हर मोदी, घर घर मोदी के रूप से सर्वस्वीकार्य बनाया। यदि इसकी काट वो ढूंढ लेते हैं तो एनडीए अपराजेय रहेगा, अन्यथा यूसीसी के बहाने बिहार से भगदड़ के संकेत मिलने लगे हैं।

ब्रिक्स की शानदार सफलता के बाद भारत ने पड़ोस में छेड़ा 'महा-अभियान'

(नीरज कुमार दुबे)

भूटान के बूमथांग में जयशंकर की गतिविधियों का एक मानवीय पक्ष भी सामने आया। उन्होंने स्थानीय किसानों के लिए शुद्ध नस्ल की 43 जर्सी गायें सौंपीं। उनका कहना था कि इससे भूटान के डेयरी कार्यक्रम को मजबूती मिलेगी, दूध उत्पादन बढ़ेगा और किसानों की आय को लाभ होगा।

नई दिल्ली ने ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के तुरंत बाद जिस गति से पड़ोसी देशों के साथ उच्चस्तरीय संपर्क बढ़ाया है, उसने भारतीय विदेश नीति के अगले चरण की तस्वीर काफी हद तक साफ कर दी है। 12-13 सितंबर को नई दिल्ली में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन की मेजबानी के बाद भारत ने हिमालयी पड़ोस और हिंद महासागर क्षेत्र में अपनी सक्रियता तेज कर दी है।

भूटान में विदेश मंत्री एस. जयशंकर की यात्रा इसका सबसे ताजा उदाहरण है। 16 से 18 सितंबर तक की यात्रा में जयशंकर ने भूटान के प्रधानमंत्री के अलावा विदेश मंत्री डी.एन. ढुंगयेल के साथ विकास, ऊर्जा, व्यापार, संपर्क, संस्कृति और दोनों देशों के लोगों के बीच संबंधों पर व्यापक चर्चा की। इसके साथ ही भारत ने तीन महत्वपूर्ण परियोजनाओं को आगे बढ़ाकर यह संदेश दिया कि भूटान के साथ संबंध केवल पारंपरिक मित्रता तक सीमित नहीं, बल्कि जमीन पर दिखाई देने वाले विकास और रणनीतिक सहयोग पर आधारित हैं। जयशंकर ने भूटान के प्रधानमंत्री शेरिंग टोबगे को 54 'मेड इन इंडिया' इलेक्ट्रिक वाहन सौंपते हुए कहा कि मुझे बेहद खुशी हुई। उन्होंने कहा कि भारत, भूटान की ई-मोबिलिटी और टिकाऊ परिवहन व्यवस्था की दिशा में हो रही प्रगति में सहयोग कर रहा है।

साथ ही गासा में 500 किलोवाट की लुनाना जलविद्युत परियोजना की आधारशिला रखी गई। इसका उद्देश्य भूटान की उन बस्तियों तक बिजली पहुंचाना है, जो अब तक विद्युतीकरण से बाहर हैं। मोंगार में 65 बिस्तरों वाले ग्यालत्सुएन जेत्सुन पेमा मातृ एवं शिशु अस्पताल का उद्घाटन हुआ, जबकि समद्रुप जोंगखार में 80 मीटर लंबे जगनाथन पुल का लोकार्पण किया गया। ऊर्जा, स्वास्थ्य और सड़क संपर्क, तीनों क्षेत्रों में एक साथ आगे बढ़ाए गए ये काम भारत-भूटान साझेदारी की व्यापकता दिखाते हैं।

इसके अलावा, भूटान के बूमथांग में जयशंकर की गतिविधियों का एक मानवीय पक्ष भी सामने आया। उन्होंने स्थानीय किसानों के लिए शुद्ध नस्ल की 43 जर्सी गायें सौंपीं। उनका कहना था कि इससे भूटान के डेयरी कार्यक्रम को मजबूती मिलेगी, दूध उत्पादन बढ़ेगा और किसानों की आय को लाभ होगा। उन्होंने वांगदुएछोलिंग महल और संग्रहालय का दौरा किया तथा कुर्जे ल्हाखांग में प्रार्थना भी की। इससे यह संकेत मिलता है कि भारत का भूटान संपर्क केवल सरकारी समझौतों तक सीमित नहीं, बल्कि कृषि, संस्कृति और जनसंपर्क तक फैला हुआ है।

साथ ही जयशंकर की यात्रा को विदेश सचिव विक्रम मिसरी की हाल की भूटान यात्रा से अलग करके नहीं देखा जा सकता। 30-31 जुलाई को मिसरी ने भूटान के विदेश सचिव पेमा लेक्तुप दोर्जी के साथ 13वीं पंचवर्षीय योजना के लिए पांचवीं भारत-भूटान विकास सहयोग वार्ता की सह-अध्यक्षता की थी। दोनों देशों ने विकास साझेदारी, ऊर्जा, व्यापार, निवेश, संपर्क और क्षेत्रीय मुद्दों पर चर्चा की थी। भूटान की 2024-29 की पंचवर्षीय योजना के लिए भारत के 10,000 करोड़ रुपये के समर्थन की प्रगति की भी समीक्षा हुई थी।

अर्थात जुलाई में विदेश सचिव स्तर पर बनी रूपरेखा के बाद सितंबर में विदेश मंत्री स्तर पर उसके राजनीतिक और व्यावहारिक आयामों को आगे बढ़ाया जा रहा है। इसे भारत की भूटान नीति में निरंतरता और संस्थागत गहराई के संकेत के रूप में देखा जा सकता है।

इस बीच नेपाल के वित्त मंत्री स्वर्णिम वाग्ले आज 17 सितंबर को नई दिल्ली पहुंचे हैं। उनकी यात्रा का मुख्य केंद्र हाल की विनाशकारी बाढ़ के बाद नेपाल के पुनर्निर्माण, आर्थिक सहयोग और ऊर्जा संबंधी जरूरतें हैं। वह भारतीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और विदेश मंत्री जयशंकर सहित अन्य अधिकारियों से मुलाकात करेंगे।

भारत ने संकट की घड़ी में नेपाल को बिजली उपलब्ध कराने की दिशा में भी कदम उठाया है। भारत ने दिसंबर के अंत तक नेपाल को प्रतिदिन 18 घंटे के लिए 654 मेगावाट तक बिजली निर्यात की अनुमति दी है। उल्लेखनीय है कि बाढ़ से नेपाल की जलविद्युत परियोजनाओं और बुनियादी ढांचे को भारी नुकसान हुआ है।

इसके अलावा, दक्षिण दिशा में भी भारत ने समानांतर संदेश दिया है। 8 से 10 सितंबर के बीच रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने श्रीलंका की यात्रा की, जो लगभग 38 वर्षों बाद किसी भारतीय रक्षा मंत्री की श्रीलंका यात्रा थी। दोनों देशों ने रक्षा, समुद्री सुरक्षा और क्षेत्रीय स्थिरता पर सहयोग बढ़ाने की दिशा में कदम उठाए। श्रीलंका के राष्ट्रपति ने स्पष्ट किया कि श्रीलंकाई भूभाग का इस्तेमाल भारत की सुरक्षा के प्रतिकूल गतिविधियों के लिए नहीं होने दिया जाएगा।

इन घटनाओं को एक साथ रखकर देखें तो भारत की रणनीति के तीन स्पष्ट आयाम सामने आते हैं।

सत्ता से संघर्ष तक: ममता बनर्जी का राजनीतिक यथार्थ

ममता बनर्जी का राजनीतिक सफर एक छात्र राजनीति की साहसी नायिका से लेकर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री बनने और वर्तमान समय में घोर राजनीतिक व कानूनी संकटों से घिरने तक की एक बड़ी दास्तान है। जो 'दीदी' कभी सड़कों पर वामपंथ के 34 साल के किले को ढहाने के लिए जानी जाती थीं, वे आज अपनी राजनीतिक यात्रा के सबसे कठिन दौर से गुजर रही हैं। वर्तमान परिस्थितियों में ममता बनर्जी पर मुश्किलों के पहाड़ टूटने के मुख्य कारण इस प्रकार हैं- पहला, ममता बनर्जी के लिए सबसे बड़ा राजनीतिक झटका 2026 के पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों में लगा, जहाँ उनकी पार्टी तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) को हार का सामना करना पड़ा और राज्य में भाजपा की सरकार बनी।

(ललित गर्ग)

भारतीय राजनीति के इतिहास में ममता बनर्जी का नाम एक ऐसी जननेता के रूप में दर्ज रहा है, जिन्होंने शून्य से उठकर जन आंदोलनों के बल पर दशकों पुरानी राजनीतिक संरचनाओं को हिला दिया। छात्र राजनीति के समय से ही उनकी पहचान एक बेबाक और निर्भीक व्यक्तित्व के रूप में रही है।

ममता बनर्जी का राजनीतिक सफर एक छात्र राजनीति की साहसी नायिका से लेकर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री बनने और वर्तमान समय में घोर राजनीतिक व कानूनी संकटों से घिरने तक की एक बड़ी दास्तान है। जो 'दीदी' कभी सड़कों पर वामपंथ के 34 साल के किले को ढहाने के लिए जानी जाती थीं, वे आज अपनी राजनीतिक यात्रा के सबसे कठिन दौर से गुजर रही हैं। वर्तमान परिस्थितियों में ममता बनर्जी पर मुश्किलों के पहाड़ टूटने के मुख्य कारण इस प्रकार हैं- पहला, ममता बनर्जी के लिए सबसे बड़ा राजनीतिक झटका 2026 के पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों में लगा, जहाँ उनकी पार्टी तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) को हार का सामना करना पड़ा और राज्य में भाजपा की सरकार बनी। खुद ममता बनर्जी को भी अपनी पारंपरिक सीट भवानीपुर से शुभेंदु अधिकारी के हाथों करारी हार झेलनी पड़ी। राजनीति

15 साल तक राज्य पर राज करने के बाद सत्ता से बाहर होना उनके राजनीतिक पतन की शुरुआत के रूप में देखा जा रहा है। दूसरा, ममता बनर्जी की राजनीतिक ताकत हमेशा उनकी पार्टी पर उनकी मजबूत पकड़ थी। लेकिन वर्तमान में टीएमसी के भीतर एक बड़ी बगावत छिड़ गई है। कई विधायकों और सांसदों ने अभिषेक बनर्जी के बढ़ते प्रभाव और पार्टी में तानाशाही रवैये को लेकर बगावती रुख अख्तियार कर लिया है, जिससे पार्टी दो फाड़ होने की कगार पर पहुंच गई है। तीसरा, ममता बनर्जी के लिए सबसे बड़ा कानूनी और भावनात्मक झटका तब लगा जब चुनाव आयोग ने पार्टी में आंतरिक विवाद के कारण तृणमूल कांग्रेस के नाम और उनके प्रसिद्ध चुनाव चिह्न 'जोड़ा फूल' को फ्रीज (रोक लगा दी) कर दिया। आयोग ने दोनों गुटों को अस्थाई रूप से नए नाम और सिंबल दिए हैं। ममता बनर्जी ने इसे भारतीय लोकतंत्र का 'काला दिन' बताया है और इसके खिलाफ सुप्रीम कोर्ट का रुख किया है। चौथा, सत्ता से हटते ही ममता बनर्जी के खिलाफ कानूनी शिकंजा लगातार कसता जा रहा है- चुनाव प्रचार के दौरान कथित तौर पर भड़काऊ और सांप्रदायिक बयान देने के आरोप में उनके खिलाफ कोलकाता और सिलीगुड़ी में एफआईआर दर्ज की गई हैं।

अगस्त 2026 में कोलकाता में छात्र संगठन (टीएमसीपी) की रैली के दौरान कलकत्ता हाई कोर्ट के दिशा-निर्देशों का उल्लंघन करने और कानून व्यवस्था बिगाड़ने के आरोप में भी पुलिस ने उन पर मामला दर्ज किया है। उनकी पिछली सरकार पर एक विज्ञापन एजेंसी को रु. 635 करोड़ से अधिक का टेंडर देने में गड़बड़ी जैसे भ्रष्टाचार के नए आरोप लग रहे हैं। पांचवां, ममता बनर्जी ने हमेशा खुद को जनता की लड़ाई लड़ने वाली और महिलाओं के अधिकारों की रक्षक के रूप में पेश किया था। लेकिन पिछले कुछ वर्षों में राज्य में हुए महिलाओं के खिलाफ अपराधों पर उनके विवादित बयानों और भ्रष्टाचार के मामलों (जैसे शिक्षक भर्ती घोटाला आदि) ने उनकी छवि को गंभीर नुकसान पहुंचाया। जनता में पैदा हुए इसी आक्रोश और सत्ता-विरोधी लहर ने उन्हें बैकफुट पर धकेल दिया। संघर्ष की नायिका का वर्तमान रुख, इन सब मुश्किलों के बावजूद, 17 साल की उम्र में दूध के बूथ और स्टेनोग्राफर का काम करके अपने परिवार को संभालने वाली ममता बनर्जी ने हार मानने से साफ इनकार किया है। उन्होंने स्पष्ट किया है कि वे राजनीतिक संन्यास नहीं लेंगी और वे इस 'गंदे खेल' के खिलाफ सड़कों पर उतरकर लड़ाई जारी रखेंगी। आगामी उपचुनावों के लिए उन्होंने रणनीति बदलते हुए कांग्रेस उम्मीदवारों को समर्थन देने की घोषणा भी की है।

भारतीय राजनीति के इतिहास में ममता बनर्जी का नाम एक ऐसी जननेता के रूप में दर्ज रहा है, जिन्होंने शून्य से उठकर जन आंदोलनों के बल पर दशकों पुरानी राजनीतिक संरचनाओं को हिला दिया। छात्र राजनीति के समय से ही उनकी पहचान एक बेबाक और निर्भीक व्यक्तित्व के रूप में रही है। तीन दशकों से अधिक लंबे वामपंथी शासन को उखाड़ फेंकने वाली दीदी ने पूरे पंद्रह वर्षों तक पश्चिम बंगाल की सत्ता पर एकछत्र राज किया। परंतु समय का चक्र ऐसा घूमा है कि वही जुझारू नेत्री आज अपनी ही राजनीतिक यात्रा के सबसे कठिन दौर से गुजर रही हैं। हालिया विधानसभा चुनावों में मिली पराजय, दल के भीतर भड़की बगावत, चौतरफा वैधानिक कार्यवाहियों का शिकंजा और दल की मूल पहचान यानी नाम तथा चुनाव चिह्न का छिन जाना, इन सबने मिलकर उनके समक्ष अस्तित्व रक्षा की अभूतपूर्व चुनौती खड़ी कर दी है। हाल के विधानसभा चुनाव पश्चिम बंगाल के राजनीतिक इतिहास में एक बड़े मोड़ के रूप में सामने आए। पंद्रह वर्षों के निरंतर शासन के बाद तृणमूल कांग्रेस को जन-असंतोष और प्रचंड विरोध का सामना करना पड़ा। चुनावी नतीजों में न केवल उनकी पार्टी को करारी हार झेलनी पड़ी, बल्कि ममता बनर्जी को स्वयं अपनी पारंपरिक सीट भवानीपुर से पराजय का स्वाद चखना पड़ा। इस परिणाम ने यह सिद्ध कर दिया कि राज्य में बदलाव की लहर अत्यधिक तीव्र थी। निरंतर शासन से उपजी असंतुष्टि, विभिन्न भर्ती घोटालों के आरोप तथा स्थानीय स्तर पर उपजे जन-रोष ने मिलकर उनकी दलगत जड़ों को कमजोर कर दिया, जिससे राज्य में एक नए राजनीतिक समीकरण का उदय हुआ। किसी भी क्षेत्रीय दल की वास्तविक शक्ति उसका सुदृढ़ संगठन, शालीन भाषा, लोकतांत्रिक मर्यादा और नेतृत्व के प्रति अटूट निष्ठा होती है। तृणमूल कांग्रेस में लगभग तीन दशकों तक ममता बनर्जी ही सर्वमान्य चेहरा और अंतिम निर्णयकर्ता रहीं। किंतु चुनावी असफलता के उपरांत पार्टी के भीतर दबा हुआ असंतोष अचानक बाहर आ गया। विधायकों और सांसदों के एक बड़े धड़े ने शीर्ष नेतृत्व की कार्यशैली पर प्रश्न चिह्न खड़े कर दिए।

तृणमूल कांग्रेस में आंतरिक विभाजन के बाद दोनों गुटों द्वारा अधिकार जताए जाने के कारण आयोग को कड़ा कदम उठाना पड़ा। वर्षों पूर्व जिस पहचान को उन्होंने अपने कड़े परिश्रम और संघर्ष से सींचा था, उसी से वंचित हो जाना उनके राजनीतिक जीवन का सबसे बड़ा संवैधानिक झटका माना जा रहा है। यद्यपि उन्होंने इस निर्णय को लोकतांत्रिक मूल्यों के विरुद्ध बताते हुए शीर्ष अदालत का द्वार खटखटाया है, परंतु तत्काल रूप से इस स्थिति ने दल के कार्यकर्ताओं में भारी असमंजस पैदा कर दिया है। सत्ता से बाहर होते ही ममता बनर्जी बहुआयामी कानूनी चुनौतियों से भी घिर गई हैं। चुनावी अभियानों के दौरान दिए गए बयानों को लेकर उनके खिलाफ विभिन्न स्थानों पर प्राथमिक दर्ज कराई गई हैं। जनसभाओं और रैलियों के संचालन में उच्च न्यायालय के दिशा-निर्देशों के उल्लंघन तथा व्यवस्था बिगाड़ने के आरोपों में भी दंडात्मक कार्यवाहियाँ शुरू की गई हैं। ये तमाम कानूनी उलझनें न केवल उनकी प्रशासनिक छवि पर प्रश्न खड़े करती हैं, बल्कि उन्हें राजनीतिक पुनर्निर्माण के स्थान पर कानूनी बचाव की मुद्रा में ला खड़ा करती हैं। ममता बनर्जी की वास्तविक पूंजी उनकी साख थी, जो एक साधारण, त्यागपूर्ण और आम जनता की रक्षक के रूप में बनी थी। जनाक्रोश और सत्ता-विरोधी लहर ने उन्हें बैकफुट पर धकेल दिया। इसके बावजूद विपरीत परिस्थितियों में पली-बढ़ी ममता बनर्जी ने आसानी से घुटने न टेकने का संकल्प दोहराया है। राजनीति से संन्यास लेने की बातों को खारिज करते हुए उन्होंने पुनः जन-सड़कों पर उतरकर संघर्ष करने का मार्ग चुना है। वर्तमान परिस्थितियों में उन्होंने अपनी रणनीति बदलते हुए अन्य विपक्षी दलों के साथ हाथ मिलाना शुरू किया है।

थानाभवन में श्रीराधा अष्टमी पर भव्य भजन संध्या का आयोजन

भक्ति में झूमे श्रद्धालु,पूर्व कैबिनेट मंत्री सुरेश राणा और पूर्व जिला पंचायत सदस्य शेर सिंह राणा सहित गणमान्य नागरिकों ने कार्यक्रम में की सहभागिता

थानाभवन। श्रीराधा अष्टमी के पावन पर्व पर श्री जय माता दी सेवा समिति, थानाभवन के तत्वावधान में शनिवार को अग्रवाल धर्मशाला में भव्य भजन संध्या का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने पहुंचकर राधा-कृष्ण के भजनों का आनंद लिया और भक्तिमय वातावरण में झूमते नजर आए। नगर में श्री जय माता सेवा समिति के तत्वाधान में स्थानीय अग्रवाल धर्म शाला में आयोजित भजन संध्या

कार्यक्रम का शुभारंभ आचार्य पंडित राजकमल भट्ट, आचार्य सिद्धार्थ वत्स एवं ऋतिक माधव शास्त्री द्वारा विधिवत पूजा-अर्चना कर किया । हवन पूजन में समिति के सदस्यगण अश्वनी कुमार,नितिन संगल,हरीश सैनी,हिमांशु गोयल ,वरुण नारंग,दीपक नारंग सपत्नी यजमान रहे। समिति के सभी सदस्यों ने सामूहिक रूप से भगवान कृष्ण एवं राधा जी की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित किया ।तत्पश्चात मंच संचालक हिमांशु जुनेजा ने गणेश वंदना के साथ कार्यक्रम की विधिवत शुरूआत की। इसके बाद प्रसिद्ध भजन गायक तनु कश्यप ने नाम मेरी राधा रानी का जिस जिस ने गाया है ,अहम मित्तल ने वीर हनुमान अति बलवाना , दर्दे दिल की दवा दीजिए,थोड़ा सा मुस्कुरा दीजिए,भजन सुनाकर श्रोताओं को मंत्र मुग्ध कर दिया।अन्य भजन गायकों आचार्य सिद्धार्थ वत्स ने राधा नाम संकीर्तन,अब लेना देना क्या जहान से,कुमारी प्रिया ने आज्ञा नहीं है मां मुझे किसी ओर काम की ने भजन सुनाए तो श्रद्धालु ताली बजाने पर मजबूर हो गए।मंच संचालक हिमांशु जुनेजा ने आ गया दुनिया दारी सारी बाबा छोड़ के,भक्तिभाव से परिपूर्ण भजन सुनाया तो श्रोताओं ने कर तल ध्वनि के साथ उत्साह वर्धन किया ।सभी गायकों ने लगभग 1 बजे तक चले कार्यक्रम में

एक से बढ़कर एक भजन सुनाकर सभी श्रद्धालु को भक्ति रस में सराबोर कर दिया। राधा-कृष्ण के भजनों पर श्रद्धालुओं ने पूरे उत्साह के साथ जयकारे लगाए। कार्यक्रम के दौरान पूरा परिसर भक्तिमय नजर आया। हिमांशु जुनेजा के शानदार संचालन में चले कार्यक्रम में समिति के सदस्यों ने

पूर्व कैबिनेट मंत्री एवं भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष सुरेश राणा, भाजपा जिलाअध्यक्ष रामजी लाल कश्यप,पूर्व जिला पंचायत सदस्य शेर सिंह राणा,कांग्रेस के वरिष्ठ नेता डॉ चयन सिंह पुंडीर,वरिष्ठ बसपा नेता राकेश मित्तल,पूर्व प्रधान अंबेहटा बबलू राणा,भारत भूषण शर्मा,बिन्नी राणा,विनोद सैनी सभासद, हिमांशु बजाज एडवोकेट, सतीश सेठी दिव्या ज्योति जागृती संस्थान सहारनपुर ,बजाज चीनी मिल यूनिट हेड जी.वी.सिंह सहित पत्रकारों ओर गण मान्य नागरिकों को पटका पहनाकर एवं प्रतीक चिन्ह भेंट कर स्वागत किया। समिति की ओर से भजन संध्या में आए सभी श्रद्धालुओं को तिलक लगाकर ,तुलसी माला भेंट कर पुष्प वर्षा के साथ स्वागत किया गया।

कार्यक्रम में समिति की ओर से प्रसाद स्वरूप श्रृंगार का सामान,तुलसी के पौधे एवं खीर का प्रसाद वितरित किया गया। कार्यक्रम में नन्हे मुन्ने बच्चों द्वारा राधा व कृष्ण की वेशभूषा में मटकी फोड़ कार्यक्रम का आयोजन किया गया। साथ ही साथ पूरे पंडाल सहित मंच को शानदार लाइट व फूलों से सजाया गया।भजन संध्या को सफल बनाने में ललित अरोरा,कन्हैया अनेजा, सचिन कुमार, वासु जुनेजा, राहुल भटनागर ,सोनू सैनी , विपिन कुमार, वंश तायल , रोमेश कश्यप,तरुण आर्य,चेतन कुमार,मोंटी कुमार,शगुन कंसल, प्रवीण कुमार,विजय कुमार,मनन जुनेजा आदि का सराहनीय सहयोग रहा।

जेन Z और खबरों की दुनियाः स्क्रॉल करना, फिर मुँह मोड़ लेना

लेखकः प्रथु राजपुरोहित, क्राइस्ट (डीम्ड टू बी यूनिवर्सिटी), यशवंतपुर कैंपस

आजकल की खबरें अब अखबार के पन्नों या टीवी बुलेटिन तक सीमित नहीं रहीं। ज्यादातर युवा, खासकर जेन`, अपने फोन की स्क्रीन पर मौजूद सोशल मीडिया एप्स के जरिए दुनिया को समझते हैं। इंस्टाग्राम, एक्स और यूट्यूब जैसे प्लेटफॉर्म का एल्गोरिदम कुछ इस तरह बना है कि यूजर को स्क्रॉल करते रहने के लिए उकसाता रहे। और अफसोस की बात यह है कि इस स्क्रॉलिंग में सबसे ज्यादा जगह बुरी खबरों को मिलती है, जंग, महामारी, मौसम की आपदाएं और राजनीतिक उठापटक। यह सिलसिला इतना लगातार चलता है कि कब मिनट से घंटे बीत जाते हैं, पता ही नहीं चलता। इस आदत को अब आम बोलचाल में "डूमस्क्रॉलिंग" कहा जाने लगा है। लेकिन यहीं एक दिलचस्प विरोधाभास भी सामने आता है। जहाँ एक तरफ बहुत से युवा घंटों तक निराशाजनक खबरों में डूबे रहते हैं, वहीं दूसरी तरफ इसी पीढ़ी का एक बड़ा हिस्सा जानबूझकर खबरों से दूरी बना रहा है। पिछले कुछ सालों में कई देशों में हुए सर्वे बताते हैं कि युवाओं में "न्यूज फटीग" यानी खबरों से थकान का स्तर बढ़ता जा रहा है। कई लोग खुलकर कहते हैं कि लगातार बुरी खबरें देखकर उन्हें चिंता होने लगती है, कभी-कभी असहायता जैसा एहसास भी। नतीजा यह होता है कि वे न्यूज ऐप डिलीट कर देते हैं या खबरों वाले अकाउंट को अनफॉलो कर देते हैं। सवाल यह उठता है कि क्या ये दोनों आदतें, यानी बेतहाशा स्क्रॉल करना और फिर पूरी तरह मुँह मोड़ लेना, आपस में कहीं जुड़ी हुई हैं। क्या एक ही व्यक्ति समय के साथ इन दोनों दौर से गुजरता है, पहले खबरों में डूबता है और फिर थककर उनसे किनारा कर लेता है। इस पर अब तक कोई गहराई से शोध नहीं हुआ है, हालांकि दोनों विषयों पर अलग अलग स्टडी काफी हो चुकी है। जो कड़ी अभी तक ठीक से समझी नहीं गई, वह है भावनात्मक थकावट की भूमिका। संभावना यह जताई जा रही है कि लगातार नकारात्मक कंटेंट देखने से जो मानसिक थकान पैदा होती है, वही आगे चलकर व्यक्ति को खबरों से दूर कर देती है। इस मुद्दे के कई पहलू हैं और इसे सिर्फ एक तरफा नजरिए से देखना ठीक नहीं होगा। कुछ विशेषज्ञों का मानना है कि सोशल मीडिया अब भी युवाओं को जागरूक रखने का सबसे बड़ा जरिया है, और उन्हें जो जानकारी वहाँ से मिलती है वह पारंपरिक माध्यमों से कहीं तेज और व्यापक होती है। उनका कहना है कि खबरों से थोड़ी दूरी बनाना कोई बुरी बात नहीं, बल्कि यह मानसिक स्वास्थ्य को संभालने का एक तरीका भी हो सकता है। फिर भी, जिस तरह से यह पैटर्न लगातार सामने आ रहा है, उससे यह संकेत जरूर मिलता है कि मौजूदा तरीके से खबरें परोसने का ढांचा शायद जेनं के लिए ठीक से काम नहीं कर रहा। जब कोई पीढ़ी लगातार खबरों को लेकर थकान और बेचैनी की बात करे, तो यह सिर्फ व्यक्तिगत आदत का मामला नहीं रह जाता, यह मीडिया संस्थानों और प्लेटफॉर्म बनाने वालों के लिए भी एक चेतावनी बन जाता है।

भनेड़ा उद्दा में लगा भव्य गोगा मेला, गोगा म्हाड़ी पर उमड़ा आस्था का सैलाब

थानाभवन : थानाभवन ब्लॉक क्षेत्र के गांव भनेड़ा उद्दा स्थित गोगा म्हाड़ी मंदिर पर शुक्रवार को दो दिवसीय वार्षिक गोगा मेले का भव्य आयोजन किया गया। मेले के पहले दिन सुबह से ही गोगा म्हाड़ी पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। आसपास के गांवों सहित दूर-दराज से पहुंचे श्रद्धालुओं ने गोगा देवजी के दर्शन कर पूजा-अर्चना की और प्रसाद चढ़ाकर परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की। श्रद्धालुओं ने परंपरागत रीति-रिवाज के अनुसार गोगा म्हाड़ी पर धोक लगाई और विधि-विधान के साथ पूजा-अर्चना की। मंदिर परिसर में दिनभर भक्ति एवं आस्था का माहौल बना रहा। महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों ने भी बड़ी संख्या में मेले में पहुंचकर धार्मिक आयोजन के साथ मेले की रौनक का आनंद लिया।

मेले में लगे विभिन्न प्रकार के झूले, खिलौने, मिठाई तथा रंग-बिरंगे सामानों की दुकानों ने बच्चों को खूब आकर्षित किया। मंदिर परिसर के आसपास दुकानदारों ने विभिन्न प्रकार की दुकानें सजाईं, जिससे पूरे क्षेत्र में उत्सव जैसा

माहौल नजर आया। गांव की गलियों से लेकर गोगा म्हाड़ी तक दिनभर श्रद्धालुओं और ग्रामीणों की चहल-पहल बनी रही। भाजपा जिला उपाध्यक्ष ठाकुर आनंद पुंडीर ने कहा कि गोगा देवजी के प्रति क्षेत्र के लोगों की गहरी आस्था है। हर वर्ष बड़ी संख्या में श्रद्धालु गोगा म्हाड़ी पर पहुंचकर पूजा-अर्चना करते हैं। श्रद्धालु अपनी मनोकामना के लिए गोगा देवजी से प्रार्थना करते हैं तथा मनोकामना पूरी होने पर प्रसाद चढ़ाकर आभार व्यक्त करते हैं।

मेले में धार्मिक आस्था के साथ सामाजिक मेल-जोल का भी सुंदर दृश्य देखने को मिला। पूरे दिन श्रद्धालुओं की आवाजाही बनी रही और देर शाम तक गोगा म्हाड़ी परिसर श्रद्धालुओं से गुलजार रहा। वहीं, मेले के दौरान सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पुलिस एवं संबंधित व्यवस्था मुस्तैद नजर आई।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप से ठाकुर आनंद पुंडीर, जिला उपाध्यक्ष भाजपा जयपाल चौहान, डॉ. विनोद, प्रदीप शर्मा, योगेंद्र नेताजी, लक्ष्मण पुंडीर, अनिल पुंडीर, शैंकी राणा, विक्की भाटिया, दीपक प्रजापति, शुभम चौहान, विधु राणा, सचिन राणा, चांद राणा, राजेंद्र कश्यप, अरुण सैनी, रितिक शर्मा सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं ग्रामीण मौजूद रहे।

सुरों की साधना और सांस्कृतिक रंगों से सजा सावनी, विद्यार्थियों ने बिखेरी संगीत की मनमोहक छटा

मुजफ्फरनगर। मां सरस्वती एजुकेशनल एण्ड चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा संचालित संगीत-सरिता म्यूज़िक एकेडमी, केडिया वाटिका भोपा रोड के तत्वावधान में भोपा रोड स्थित एक बैंकट हॉल में भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम ह्यसावनीह्ल का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में एकेडमी के छात्र-छात्राओं के अभिभावकों के साथ-साथ शहर के अनेक गणमान्य लोगों ने उपस्थित होकर विद्यार्थियों की संगीत प्रस्तुतियों का आनंद लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां शारदा के समक्ष भगवान जी मिश्रा, कौशल्या मिश्रा, डॉ. एन.के. अरोरा, पंडित संजीव शंकर महामंडलेश्वर, राकेश कुमार राठी, मुकेश लाल, विजय कुमार शर्मा, प्रदीप धनगर, रत्ना मिश्रा एवं संस्था के निदेशक पंडित दिलीप मिश्रा ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलन एवं पुष्पार्चन कर किया। निलेश मिश्र एवं विशेष मिश्र ने स्वस्ति वाचन किया, जबकि पंडित दिलीप मिश्रा ने सरस्वती

वंदना प्रस्तुत कर कार्यक्रम को आध्यात्मिक एवं संगीतमय वातावरण प्रदान किया। इसके बाद संगीत-सरिता म्यूज़िक एकेडमी के विद्यार्थियों ने संगीत की विभिन्न विधाओं में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम का प्रमुख आकर्षण शास्त्रीय गायन रहा। विद्यार्थियों ने बड़ा ख्याल, छोटा ख्याल एवं तराना प्रस्तुत कर अपनी संगीत साधना एवं प्रतिभा का परिचय दिया। आरती पाल ने राग मधमाद सारंग, सिमरन ने राग मारवा, विशेष मिश्रा ने राग चारुकेशी, एकता शर्मा ने राग जयजयवंती, अर्पिता ने राग यमन, पलविंदर ने राग दरबारी कान्हड़ा, प्रिंस ने राग भैरव, अक्षिता धीमान ने राग जौनपुरी तथा वासु, वंशिका, निकिता एवं भव्यम ने राग बिहाग प्रस्तुत कर सुरों की मनमोहक छटा बिखेरी। उनकी प्रस्तुतियों ने उपस्थित श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम में तबले पर निलेश मिश्र, विशेष मिश्र, सिमरन कश्यप, तन्मय भट्ट एवं अक्षिता धीमान ने संगत की। तानपुरे पर आरती एवं सिमरन तथा हारमोनियम पर विशेष मिश्र ने संगत दी। वहीं विशेष मिश्र ने पियानो पर अपनी शानदार प्रस्तुति से श्रोताओं की खूब वाहवाही बटोरी। निलेश मिश्र ने तबला एकल वादन की शानदार प्रस्तुति देकर उपस्थित दर्शकों को आश्चर्यचकित कर दिया।कार्यक्रम में पुरुष वर्ग से मनोज चौधरी, मंगेश त्यागी, कमलकांत शर्मा, सौरभ मित्तल, नितिन शर्मा, रविन्द्र कुमार, पलविंदर सिंह, वासु गोयल, भव्यम, युवान सक्सेना, प्रागवंश, संजय शर्मा, दिव्यांश सैनी, शिवा, राम कुमार, आशुतोष पाल, नक्षत्र यादव, प्रिंस पाल, सचिन रहेजा, हिमांशु सुखीजा, शिव संगल, हनी सिंह, अनुज, विशेष मिश्र एवं निलेश मिश्र ने अपनी मनमोहक प्रस्तुतियां दीं। महिला वर्ग में आरती पाल, एकता शर्मा, पारुल गर्ग, अर्चना शर्मा, निशा चौहान, ममता सिंह, रश्मि, रिया चौहान, वंशिका, सिमरन कश्यप, पूर्णिमा, शैली, निकिता चौहान, अक्षिता धीमान, रिद्धि जैन, विधि, वर्णिका, प्रणवी मित्तल, अयाना, समृद्धि सिंघल, भृथि, अरव्या शर्मा एवं सहर कौर ने अपनी प्रस्तुतियों के माध्यम से कार्यक्रम में विविधता एवं आकर्षण बढ़ाया।

सुगम संगीत की प्रस्तुतियों ने भी श्रोताओं को खूब प्रभावित किया। संजय ने मर्द टांगे वाला, मनोज चौधरी ने कसमें वादे प्यार वफा सब, विशेष ने कभी बेबसी ने मारा, पलाश ने अब मुझे रात दिन, संजय एवं ममता ने कौन हो तुम जो दिल में समाए जाते हो, वासु एवं अर्पिता ने ऐसा दीवाना, आरती ने लिखने वाले ने लिख डाले, अक्षिता ने तेरे बिन जिया जाए ना, सिमरन ने सलोना सा सजन तथा एकता शर्मा ने आगे भी जाने ना तू प्रस्तुत कर श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम का विशेष आकर्षण एकेडमी के सभी विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत समूह गीत चल कर के चांद पर हम रहा। इस गीत की रचना संस्था के निदेशक पंडित दिलीप मिश्रा ने की तथा गीतकार प्रमोद कुमार शर्मा ने इसे लिखा।

उत्तराखंड के सभी तीर्थ स्थलों में मुस्लिमो का प्रवेश वर्जित हो- अंतर्राष्ट्रीय संत महासभा

हरिद्वार। अंतर्राष्ट्रीय संत महासभा एवं अखिल भारत हिंदू महासभा के द्वारा प्रेस क्लब हरिद्वार में एक प्रेस वार्ता का आयोजन किया गया जिसमें सभी वक्ताओं ने कहा कि उत्तराखंड में जितने भी हिंदुओं के तीर्थ स्थल है उन स्थानों पर मुसलमान का प्रवेश पूर्ण रूप से वर्जित किया जाए अंतर्राष्ट्रीय संत महासभा के मुख्य संरक्षक हिंदू पीठाधीश्वर आचार्य मदन जी महाराज और अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष योगेंद्र वर्मा ने अपने बयान में कहा कि उत्तराखंड में लगातार मुसलमान की आबादी बढ़ती जा रही है और एक दिन में आएगा कि उत्तराखंड के सभी तीर्थ स्थलों पर मुसलमान का बीच होंगे इन सब चीजों को ध्यान में रखते हुए अंतर्राष्ट्रीय संत महासभा एवं अखिल भारत हिंदू महासभा उत्तराखंड सरकार से अनुरोध करती है कि जितने भी हमारे धार्मिक स्थल है उन सभी पर मुसलमान को पूर्ण रूप से प्रतिबंधित किया जाए

इसके अलावा उनके द्वारा खरीदी जाने वाली जमीन भी उन्हें खरीदने की अनुमति न दी जाए क्योंकि लैंड जिहाद के आड़ में यह लोग केवल क बोर्ड का सहारा लेकर नाजायज कब्जा करना चाह रहे हैं और इसका उदाहरण है हमारे तीर्थ स्थल बद्रीनाथ केदारनाथ यमुनोत्री गंगोत्री यहां पर अधिकतर दुकानें मुसलमान की है घोड़ा खच्चर वाले भी मुसलमान है इस पर पूर्ण रूप से प्रतिबंध लगना चाहिए अंतर्राष्ट्रीय संत महासभा के राष्ट्रीय मुख्यमंत्री एवं नवनिर्वाचित प्रदेश अध्यक्ष विजय पांडे ने अपने बयान में कहा कि जिस प्रकार मक्का मदीना में मुसलमान को चलने के लिए अलग रास्ता है और हिंदू वकालत इस प्रकार हरिद्वार ऋषिकेश सहित उन समस्त धार्मिक स्थान पर मुसलमान के चलने के लिए अलग से रास्ता बनाया जाना चाहिए और मुसलमान के होटल व्यवसाय घोड़ा पिक्कर प्रदेश पूर्ण रूप से प्रतिबंध लगे हिंदुओं के पवित्र स्थलों में केवल हिंदुओं को ही दुकान लगाने होटल खोलने और कारोबार करने की अनुमति दी जानी चाहिए जिस प्रकार उत्तराखंड में मुसलमान की आबादी बढ़ रही है वह दिन दूर नहीं कि हमें फिर से दूसरा कश्मीर देखने की नौबत में आ जाए यदि उत्तराखंड को कश्मीर बनने से रोकना है

योग से स्वस्थ शरीर, शांत मन और चरित्र का विकास संभवः सुरेंद्र पाल सिंह आर्य

मुजफ्फरनगर। भारतीय योग संस्थान के तत्वावधान में एसएसडी इंटर कॉलेज, कृष्णापुरी में जिला योग उत्सव धूमधाम एवं उत्साह के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि जिला प्रधान एवं प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य योगाचार्य सुरेंद्र पाल सिंह आर्य रहे। कार्यक्रम का संचालन केंद्र प्रमुख राकेश गोयल ने किया। कार्यक्रम का शुभारंभ क्षेत्रीय प्रधान नीरज बंसल ने ओम ध्वनि एवं गायत्री मंत्र के साथ कराया। इसके बाद योग साधना के विभिन्न चरणों में साधकों को अलग-अलग योगासन एवं प्राणायाम का अभ्यास कराया गया। नीरज बंसल ने ताड़ासन, त्रिकोणासन एवं अर्द्ध चक्रासन का अभ्यास कराया। जिला मंत्री राजीव रघुवंशी ने वक्रासन, वज्रासन, उष्ट्रासन एवं शशकासन करवाए। ग्रीनलैंड स्कूल के केंद्र प्रमुख कविंद्र बालियान ने लुढ़कन सर्पासन एवं धनुरासन का अभ्यास कराया। क्षेत्रीय मंत्री डॉ. अक्षय बालियान ने भेरू आकर्षण

आसन, पवनमुक्तासन एवं शवासन करवाए। वेद प्रकाश ने हास्य आसन कराया। इसके बाद आचार्य रामकिशन सुमन ने अनुलोम-विलोम, कपालभाति एवं भ्रामरी प्राणायाम का अभ्यास कराया। योगाचार्य सुरेंद्र पाल सिंह आर्य ने साधकों को ध्यान कराया। इस अवसर पर योगाचार्य सुरेंद्र पाल सिंह आर्य ने कहा कि नियमित योगाभ्यास से व्यक्ति को शारीरिक, मानसिक, बौद्धिक एवं आध्यात्मिक लाभ मिलता है। योग से शरीर स्वस्थ एवं सुडौल बनता है तथा व्यक्ति के चारित्रिक विकास में भी सहायता मिलती है। उन्होंने कहा कि योग के माध्यम से समाज में समरसता की भावना को भी बढ़ावा मिलता है।

कार्यक्रम के दौरान रामपाल शर्मा ने योग गीत प्रस्तुत किया। उनकी प्रस्तुति ने वातावरण को भक्तिमय एवं सकारात्मक बना दिया। जिला योग उत्सव में जिला संगठन मंत्री कुलदीप मित्तल, मास्टर वेद प्रकाश शर्मा, जिला बार संघ के पूर्व सचिव अरुण कुमार शर्मा एडवोकेट, अशोक शर्मा एडवोकेट, क्षेत्रीय प्रधान रामपाल शर्मा, तेजपाल योगी, यशपाल बरवाला, रविता भारती सहित अनेक गणमान्य लोग एवं योग साधक उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में प्रसाद वितरण किया गया। इसके पश्चात शांति पाठ के साथ जिला योग उत्सव का विधिवत समापन हुआ।

श्रीमती कांति देवी जैन स्मृति सातवी व्याख्यानमाला

पुरुषार्थ, पराक्रम, परमार्थ, प्रभाव भारत की नई वाणी होनी चाहिएः डॉ. विभूति झा

नई दिल्ली। त्रिदिवसीय श्रीमती कान्तिदेवी जैन स्मृति सातवी व्याख्यानमाला के द्वितीय दिन प्रख्यात अर्थशास्त्री व वैश्विक रणनीतिकार, अमेरिका डॉ. विभूति झा ने कहा कि भारत पूर्व में आर्थिक रूप से कमजोर व बेपहचान देश था लेकिन आज वह मजबूत, शक्तिशाली व सम्पन्न है। आज दुनिया हमारी शक्ति को मानती है। आज के समय में शांति के पुजारी बनने से काम नही चलता, आज वसुधैव कुटुम्बकम को फ्रीज में रखकर 'सत्यमेव जयते' को आगे बढ़ाने की जरूरत है। यानी कि पुरुषार्थ, पराक्रम, परमार्थ और प्रभाव भारत की नई वाणी होनी चाहिए।

व्याख्यानमाला की थीम युद्ध से संवाद तकः सहअस्तिव का भारतीय दर्शन एवं विश्व स्तर पर संघ की उपस्थिति पर बोलते हुए मुख्य अतिथि

डॉ. विभूति झा ने कहा कि हमें अनुशासन मिलट्री से सीखना होगा और हर समय तैयार रहना होगा। 1983 तक अमेरिका व अन्य देश भारत को हेय दृष्टि से देखते थे। क्योंकि उन्हें भारत के बारे में कुछ भी बताया नही गया था। जब तक हम सामने वाले को नही बताएंगे कि हम क्या है तो वो हम पर हॉबी रहेगा। उन्होंने आगाह करते हुए कहा कि भारतीय शांति प्रिय हो गए हैं। अहिंसा परमोधर्म याद है लेकिन आज वह जमाना नही है, हिंसा करने वालों को जवाब देना पड़ेगा। दुश्मन का नाश करने के लिए युद्ध भी करना पड़ेगा, हम सबकों कारगिल योद्धा बनना पड़ेगा। ऑपरेशन सिंदूर भी वक्त की जरूरत है, वह भी करना पड़ेगा।

रंग संसार

हनुमान अंश ने बॉक्स ऑफिस पर 45वें दिन भी मचाया धमाल, नीम करोली बाबा की कहानी ने जीता दिल

नई दिल्ली। विशाल चतुर्वेदी की फिल्म हनुमान अंश बॉक्स ऑफिस पर हर बीतते दिन के साथ धमाल मचा रही है। फिल्म नीम करोली बाबा के जीवन पर आधारित है जिसमें शोभिनव सत्या ने लीड रोल निभाया था। जो फिल्म बॉक्स ऑफिस से सिर्फ एक हफ्ते बाद हटने वाली थी उसने आज थिएटर्स में 45 दिन पूरे कर लिए हैं। फिल्म ने पहले दो हफ्ते में सिर्फ 40 लाख का कलेक्शन किया था। इसके बाद वर्ल्ड ऑफ माउथ के जरिए फिल्म का प्रमोशन हुआ, रील्स वायरल हुईं और फिल्म कई अन्य लोगों के पास पहुंचीं। तीसरे हफ्ते में ये कलेक्शन 10.40 करोड़ रुपये हो गया। चौथे हफ्ते में ये कमाई 61 करोड़ रुपये हो गई। पांचवें हफ्ते कमाई में और उछाल आया और ये कलेक्शन 90.25 करोड़ रुपये हुआ। छठवें हफ्ते ये कमाई 80.25 करोड़ रुपये हो गई। वहीं अब 45वें दिन के कलेक्शन भी सामने आ गया है। सैकनिल्क की रिपोर्ट के मुताबिक हनुमान अंश का कलेक्शन अभी तक 10.92 करोड़ रुपये हो गया है। इस हिसाब से फिल्म का अभी तक का कुल कलेक्शन भारत में 269.05 करोड़ रुपये हुआ है। फिल्म का ग्रॉस कलेक्शन 317.69 करोड़ रुपये हो गया है। हनुमान अंश इस समय कई बड़ी फिल्मों से टक्कर ले रही है। एक तरफ जहां इसने टॉक्सिक जैसी फिल्म का सूपड़ा साफ कर दिया। वहीं साथ-साथ सीना ताने मिजार्पुर द मूवी को भी कड़ी टक्कर दे रही है। इसके बाद करीना कपूर की दायरा और कुणाल खेमू की वाइब भी रिलीज हुई लेकिन इसकी कमाई अभी कुछ खास दिखाई नहीं दे रही।फिल्म की कहानी स्वतंत्रता-पूर्व भारत में घटित एक लक्ष्मी नारायण नामक एक युवा लड़के की कहानी है, जो अपनी मां को खो देता है और उसके बाद ईश्वर की खोज में घर छोड़ देता है।

राज काज

लगातार 3 दिन तक बैंक बंद रहेंगे? हड़ताल से पहले वित्त मंत्रालय ने बुलाई इमरजेंसी मीटिंग

नई दिल्ली। वित्त मंत्रालय ने 28 सितंबर से प्रस्तावित तीन दिवसीय राष्ट्रव्यापी बैंक हड़ताल से पहले तैयारियों और आकस्मिक योजनाओं की समीक्षा के लिए सोमवार को सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों (पीएसबी), क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों (आरआरबी), इंडियन बैंक्स एसोसिएशन (आईबीए) और नाबार्ड के मुख्य कार्यकारियों की बैठक बुलाई है। वित्तीय सेवा विभाग (डीएफएस) के सचिव की अध्यक्षता में होने वाली इस बैठक में हड़ताल के दौरान बैंकिंग सेवाओं की निरंतरता और ग्राहकों के लिए आवश्यक सेवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने के उपायों पर मुख्य रूप से चर्चा होने की उम्मीद है।अधिकारी व्यवधान को कम करने के लिए आकस्मिक व्यवस्थाओं पर भी चर्चा कर सकते हैं। खास तौर पर इसलिए क्योंकि प्रस्तावित हड़ताल बैंकों के छमाही समापन की अवधि के साथ पड़ रही है। हड़ताल का आह्वान यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस (यूएफबीयू) ने किया है। यह सात बैंक कर्मचारी और अधिकारी यूनियनों का संयुक्त संगठन है। यूनियनों ने कई मांगें उठाई हैं, जिनमें पांच दिवसीय बैंकिंग सप्ताह लागू करना प्रमुख मुद्दा बनकर उभरा है। इसी मांग को लेकर यूएफबीयू ने इससे पहले 11 सितंबर को भी राष्ट्रव्यापी हड़ताल आयोजित की थी। पिछली हड़ताल से देश के कई हिस्सों में बैंक शाखाओं में काउंटर सेवाएं, नकद लेनदेन और चेक क्लियरेंस प्रभावित हुए थे। हालांकि, मुंबई में बैंकिंग परिचालन काफी हद तक सामान्य रहा, लेकिन मध्य प्रदेश, गोवा, तेलंगाना, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल समेत कई राज्यों में व्यवधान की खबरें सामने आई थीं। खासकर छोटे शहरों और कस्बों में इसका असर देखा गया।पांच दिवसीय कार्य सप्ताह के अलावा यूनियनें पेंशन लाभों में सुधार, पेंशनभोगियों के लिए समान महंगाई भत्ता (डीए) फॉर्मूला लागू करने और राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली (एनपीएस) के दायरे में आने वाले कर्मचारियों को पुरानी पेंशन योजना में जाने का विकल्प देने की मांग कर रही हैं। यूएफबीयू का दावा है कि वह देश के करीब 90 प्रतिशत बैंकिंग कर्मचारियों का प्रतिनिधित्व करता है।

दैनिक राशिफल सोमवार 21 सितम्बर 2026

मेष – मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। पुराने मित्र से मिलन होगा।

वृष – समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। स्वविवेक से कार्य करें। समय का लाभ लें।

मिथुन : हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। साथ ही आगे के लिए रास्ता भी बन जाएगा। धार्मिक स्थलों की यात्रा का योग। जीवन साथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। मनोरथ सिद्धि का योग है।

कर्क – कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। शुभकार्यों में अड़चनें व परिवार के बुजुर्गजनों से मतभेद रहेगा।

सिंह– मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश सफल होगी। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम को प्राथमिकता से करें।

कन्या – अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। कारोबारी काम में बाधा उभरने से मानसिक अशांति बनी रहेगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। मांगलिक कार्यक्रमों का आयोजन होगा।

तुला –अपने काम पर नजर रखिए। स्वास्थ्य लाभ में समय और धन व्यय होगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी।

वृश्चिक – पर-प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। आलस्य का त्याग करें। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे।

धनु – कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है। यात्रा से लाभ।

मकर – आत्मविश्वास बढ़ेगा। पारिवारिक विवाद टालें। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। निष्ठा से किया गया कार्य पराक्रम व आत्मविश्वास बढ़ाने वाला होगा। संतान-स्त्री पक्ष से लाभ होगा।

कुंभ – खान-पान में सावधानी रखें। व्यापार में प्रगति होगी। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है।स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। आय के योग बनेंगे। यात्रा का योग है।

मीन – जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। आलस्य का त्याग करें। पुरुषार्थ का सहारा लें। कार्यसिद्धि होने में देर नहीं लगेगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में किसी मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा।

दैनिक पंचांग

21 सितम्बर 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय	
सूर्य	कन्या में	कन्या	05.31 बजे से
चंद्र	धनु में	तुला	07.46 बजे से
मंगल	कर्क में	वृश्चिक	10.01 ब.से
बुध	कन्या में	धनु	12.17 बजे से
गुरु	कर्क में	मकर	14.22 बजे से
शुक्र	तुला में	कुंभ	16.08 बजे से
शनि	मीन में	मीन	17.41 बजे से
राहु	कुंभ में	मेष	19.12 बजे से
केतु	सिंह में	वृष	20.52 बजे से
राहुकाल 7.30 से 9.00 बजे तक		मिथुन	22.50 बजे से
		कर्क	01.03 बजे से
		सिंह	03.20 बजे से

सोमवार 2026 वर्ष का 264 वा दिन
दिशाशूल पूर्व **ऋतु** शरद।
विक्रम संवत् 2083 **शक संवत्** 1948
मास भाद्रपद **पक्ष** शुक्ल
तिथि दशमी 20.01 बजे को समाप्त।
नक्षत्र उत्तराषाढ़ा अहोरात्र।
योग शोभन 16.06 बजे को समाप्त।
करण तैतिल 06.59 बजे तदनन्तर गर 20.01 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 09.9 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 00° 47'
सूर्य दक्षिणायन
कलि अहर्गण 1872839
जूलियन दिन 2461304.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1448
महीना रवि उस्सानी
तारीख 09
विशेष दशावतार व्रत।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
अमृत	05.53 से	07.22 बजे तक	चर	05.43 से	07.14 बजे तक
काल	07.22 से	08.50 बजे तक	रोग	07.14 से	08.45 बजे तक
शुभ	08.50 से	10.19 बजे तक	काल	08.45 से	10.17 बजे तक
रोग	10.19 से	11.48 बजे तक	लाभ	10.17 से	11.48 बजे तक
उद्वेग	11.48 से	01.17 बजे तक	उद्वेग	11.48 से	01.19 बजे तक
चर	01.17 से	02.45 बजे तक	शुभ	01.19 से	02.51 बजे तक
लाभ	02.45 से	04.14 बजे तक	अमृत	02.51 से	04.2 बजे तक
अमृत	04.14 से	05.43 बजे तक	चर	04.22 से	05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- **शुभत्व श्रेष्ठ** शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

मुजफ्फरनगर में टीबी मुक्त अभियान का दायरा बढ़ाः ग्राम पंचायतों के साथ 195 वार्ड भी शामिल, निर्धारित मानकों की होगी परख

स्वास्थ्य विभाग ने शुरू किया चौथे दौर का अभियान

मुजफ्फरनगर। स्वास्थ्य विभाग ने जनपद को क्षय रोग (टीबी) से पूरी तरह मुक्त करने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया है। राष्ट्रीय टीबी उन्मूलन कार्यक्रम के तहत अब तक केवल ग्रामीण क्षेत्रों तक सीमित रहने वाले 'टीबी मुक्त अभियान' का विस्तार करते हुए इसमें शहरी क्षेत्रों के नगर निकायों को भी शामिल कर लिया गया है। जनपद की ग्राम पंचायतों के साथ-साथ अब नगर निकायों के 195 वार्डों में भी यह विशेष अभियान चलाया जाएगा।

सहायक जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ. अजय प्रताप शाही ने बताया कि राष्ट्रीय टीबी उन्मूलन कार्यक्रम के तहत गांव पंचायतों को बीमारी से मुक्त करने का अभियान चल रहा है। इस अभियान में नगर निकाय के वार्ड भी शामिल कर लिए गए हैं। ग्राम पंचायतों के साथ ही 195 वार्डों में भी टीबी मुक्ति अभियान चलेगा। शासन के दिशा-निर्देशानुसार सभी छह मानकों पर ग्राम पंचायतों और निकाय वार्डों का गहन सत्यापन किया जा रहा है, ताकि जनपद को जल्द से जल्द टीबी मुक्त बनाया जा सके। वर्ष 2022 से संचालित पंचायत टीबी मुक्ति अभियान का जनपद में यह चौथा चरण शुरू हो चुका है, जिसके तहत ग्रामीण और शहरी दोनों इलाकों में टीबी मरीजों की पहचान और उनके त्वरित इलाज पर जोर दिया जा रहा है।

इन कड़े मानकों पर होगा मूल्यांकन

सेंट्रल टीबी डिविजन की ओर से

निर्धारित छह प्रमुख बिंदुओं के आधार पर चिन्हित ग्राम पंचायतों और वार्डों की स्थिति को परखा जाएगा। इसमें प्रति एक हजार की आबादी पर टीबी का केवल एक या शून्य मरीज होना अनिवार्य है। वहीं प्रत्येक क्षेत्र में सार्वभौमिक दवा-संवेदनशीलता परीक्षण की जांच दर कम से कम 60 प्रतिशत होनी चाहिए। इसी प्रकार निक्षय पोषण योजनाः पात्र मरीजों के बैंक खातों में योजना की पहली किस्त का सफल हस्तांतरण और वर्ष 2025 में उपचार करा रहे मरीजों को कम से कम एक माह की पोषण सामग्री (पोटली) प्रदान की गई हो का मूल्यांकन होगा।

पहले चरण में 38 ग्राम पंचायतें हो चुकी हैं टीबी मुक्त

अभियान के पिछले चरण के सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं। मार्च माह के दौरान जिले की 38 ग्राम पंचायतों को परीक्षण के बाद पूर्ण रूप से 'टीबी मुक्त' घोषित किया गया था। इन सभी पंचायतों में प्रति हजार की आबादी पर टीबी का एक भी नया मामला दर्ज नहीं हुआ था, जिसके लिए स्वास्थ्य विभाग द्वारा संबंधित ग्राम प्रधानों को विशेष रूप से सम्मानित और पुरस्कृत भी किया गया था।

मोरना में मासूम लापताःतालाब में डूबने की आशंका ,पानी निकालकर तलाश शुरू, गांव में हड़कंप

मोरना के ढांसरी गांव में दादा के साथ मंदिर गया था ढाई साल का मासूम

मोरना। ककरौली थाना क्षेत्र के गांव ढांसरी में रविवार सुबह उस समय हड़कंप मच गया जब अपने दादा के साथ मंदिर गया ढाई वर्षीय मासूम अचानक संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गया। परिजनों और ग्रामीणों ने काफी खोजबीन की, लेकिन मासूम का कोई सुराग नहीं मिला। मंदिर के ठीक पास स्थित तालाब में बच्चे के गिरने की आशंका जताए जाने के बाद पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे और तालाब से पानी निकालकर खोज अभियान शुरू कर दिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, ककरौली क्षेत्र के गांव ढांसरी निवासी अनुज कुमार का ढाई वर्ष का पुत्र आयांश रविवार सुबह करीब 10 बजे अपने दादा श्याम सिंह के साथ घर के पास स्थित मंदिर गया था। दादा श्याम सिंह रोजाना की तरह मंदिर परिसर में अन्य ग्रामीणों के साथ बातचीत करने बैठ गए और बच्चा वहीं आसपास खेल रहा था। कुछ देर बाद जब परिजनों की नजर आयांश पर नहीं पड़ी, तो दादा ने उसकी तलाश शुरू की। मंदिर परिसर के आसपास न मिलने पर घर जाकर जानकारी की गई, लेकिन मासूम वहां भी नहीं पहुंचा था, जिससे परिजनों की चिंता बढ़ गई।

मासूम के गायब होने की खबर पूरे गांव में आग की तरह फैल गई। दर्जनों ग्रामीणों ने मंदिर के आसपास, गली-मोहल्लों और रास्तों पर आयांश की तलाश शुरू कर दी, लेकिन कोई सफलता नहीं मिली। मंदिर परिसर के बिल्कुल समीप ही गांव का एक बड़ा तालाब स्थित है। परिजनों और ग्रामीणों ने आशंका जताई कि खेल-खेल में मासूम तालाब की ओर चला गया होगा और उसमें गिर गया होगा। अनहोनी की आशंका से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। ग्रामीणों द्वारा सूचना दिए जाने के तुरंत बाद प्रशासनिक अमला हरकत में आया। सूचना मिलते ही नायब तहसीलदार बृजेश कुमार और कम्हेड़ा चौकी प्रभारी सचिन चौधरी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए अधिकारियों ने तुरंत तालाब में पंपसेट लगवाकर पानी निकलवाने का कार्य शुरू कराया ताकि गहराई में बच्चे की खोज की जा सके। भोपा थानाध्यक्ष दीपक चौधरी ने बताया कि बच्चे के लापता होने की सूचना पर पुलिस टीम मौके पर मौजूद है। तालाब में गिरने की आशंका के चलते पूरी सतर्कता के साथ तलाश की जा रही है। खबर लिखे जाने तक ग्रामीणों का भारी जमावड़ा तालाब के पास लगा हुआ था और सभी ग्रामीण मासूम के सकुशल मिलने की प्रार्थना कर रहे हैं।

मोरना रेंज के अभयारण्य में अवैध खेती के मामलाः कोर्ट ने खारिज की चार आरोपियों की अग्रिम जमानत

हस्तिनापुर वन्य जीव अभयारण्य संरक्षित क्षेत्र में वन्य जीवों को नुकसान पहुंचाने का आरोप

मुजफ्फरनगर। हस्तिनापुर वन्य जीव अभयारण्य की कीमती और संरक्षित भूमि पर अवैध रूप से कब्जा जमाने तथा फसल उगाने के गंभीर मामले में अदालत ने कड़ा रुख अपनाया है। जिला एवं सत्र न्यायालय मुजफ्फरनगर की अपर सत्र न्यायाधीश रेखा सिंह की अदालत ने मामले में नामजद चार आरोपियों की अग्रिम जमानत याचिका की सुनवाई करते हुए उसे पूरी तरह खारिज कर दिया। अदालत के इस फैसले से वन भूमि पर अतिक्रमण करने वालों और वन्य जीवों के प्राकृतिक आवास को नुकसान पहुंचाने वालों में हड़कंप मच गया है।

वन कर्मचारियों को दी थी जान से मारने की धमकी

अभियोजन पक्ष की ओर से अदालत के समक्ष रखे गए तथ्यों के अनुसार, पूरा मामला मोरना रेंज के अंतर्गत आने वाले कल्याणपुर गांव का है। यहाँ बिहारगढ़ के निवासी आरोपी ओमप्रकाश, दिलेराम, अरुण और ब्रह्मपाल ने संगठित होकर हस्तिनापुर वन्य जीव अभयारण्य की वन विभाग की जमीन पर अवैध रूप से कब्जा करने और उस पर जबरन फसल बोने का प्रयास किया था। जब मौके पर मौजूद वन विभाग के गश्ती कर्मचारियों ने उन्हें ऐसा करने से रोका, तो आरोपियों ने न केवल उनका कड़ा विरोध किया बल्कि उनके साथ अभद्रता की और उन्हें जान से मारने की धमकी दी।

अजगर और कछुओं के प्राकृतिक आवास को किया नष्ट

इस मामले में पुलिस और वन विभाग द्वारा दर्ज की गई प्राथमिकी के अनुसार, आरोपियों का यह कृत्य केवल अवैध कब्जे तक सीमित नहीं था। आरोप है कि उन्होंने ट्रैक्टर व

अन्य साधनों का इस्तेमाल कर उस क्षेत्र में रहने वाले दुर्लभ वन्य जीवों–जैसे अजगर और कछुओं–के प्राकृतिक आवास को भी बुरी तरह नष्ट करने की कोशिश की। पर्यावरण और पारिस्थितिकी तंत्र को पहुंचाए गए इस गंभीर नुकसान को आधार बनाते हुए पुलिस ने आरोपियों पर शिकंजा कसा।

कोर्ट ने खारिज किया निर्दोष होने का दावा

मामले की गहन विवेचना पूरी करने के बाद भोपा थाना पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ 17 मार्च 2025 को अदालत में आरोप पत्र (चार्जशीट) दाखिल किया था। आरोपियों पर भारतीय वन अधिनियम, वन्य जीव संरक्षण अधिनियम और लोक संपत्ति क्षति निवारण अधिनियम की कई संगीन धाराओं के तहत मामला दर्ज है।

बचाव पक्ष की की नहीं चली दलील

जमानत याचिका की सुनवाई के दौरान आरोपियों के अधिवक्ता ने तर्क दिया कि उन्हें इस मामले में झूठा फंसाया गया है, वे पूरी तरह निर्दोष हैं और उनका कोई पूर्व आपराधिक इतिहास नहीं है। हालांकि, अभियोजन पक्ष ने जमानत का कड़ा विरोध करते हुए तर्क दिया कि अभयारण्य की सुरक्षा और पर्यावरण संरक्षण के दृष्टिकोण से यह एक अत्यंत गंभीर अपराध है। अदालत ने दोनों पक्षों की विस्तृत बहस और पत्रावली पर मौजूद साक्ष्यों का अवलोकन करने के बाद आरोपियों की अग्रिम जमानत याचिका को निरस्त कर दिया।

खतौली के छड़ियान मेले में बच्चों ने बिखेरा जलवाः बाल सांस्कृतिक कार्यक्रम में गूंजी तालियां

मेले में बाल सांस्कृतिक कार्यक्रम का रंगारंग आयोजन, 13 स्कूलों के बच्चों ने दी प्रस्तुति

खतौली (मुजफ्फरनगर)। ऐतिहासिक मेला श्रावणी छड़ियांन के शुभ अवसर पर नगर पालिका परिषद खतौली के तत्वावधान में भव्य 'बाल सांस्कृतिक कार्यक्रम' का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में नगर क्षेत्र के विभिन्न विद्यालयों से आए नन्हे-मुन्ने बच्चों ने अपनी शानदार और रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से मंच पर ऐसा समां बांधा कि उपस्थित श्रोता और दर्शक मंत्रमुग्ध हो गए।

दीप प्रज्वलित कर हुआ उद्घाटन

कार्यक्रम का औपचारिक उद्घाटन नगर पालिका परिषद खतौली के चेयरमैन हाजी शाहनवाज लालू और सपा नेता लतेश विधूड़ी ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया। इससे पूर्व कार्यक्रम का शुभारंभ भाजपा नेता रमेश भाटी और रचित मेहता ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित करके किया।समारोह में मुख्य अतिथि के

रूप में भाजपा जिलाध्यक्ष सुधीर सैनी तथा राकेश सैनी एडवोकेट उपस्थित रहे। वहीं उपजिलाधिकारी खतौली ललित मिश्रा और नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी राजीव कुमार का विशेष सानिध्य कार्यक्रम को प्राप्त हुआ। बाल प्रतिभाओं को मंच देने के उद्देश्य से आयोजित इस कार्यक्रम में खतौली नगर के लगभग 13 प्रमुख विद्यालयों के विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। बच्चों ने देशभक्ति, लोकनृत्य और सामाजिक संदेशों से ओत-प्रोत एक से बढ़कर एक प्रस्तुतियां दीं। बच्चों के अभिनय और नृत्य कौशल को देखकर पूरा प्रांगण तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। कार्यक्रम के समापन पर ब्रजमोहन पांचाल तथा पूर्व सभासद विनेश कुमार द्वारा प्रतिभागी बच्चों को पुरस्कार एवं स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया। समारोह का कुशल संचालन प्रसिद्ध कवि चिराग सिंघल ने अपने चिरपरिचित अंदाज में किया।

मुजफ्फरनगर से 'हेल्पिंग हैंड्स' की टीम पहुंची नेपालः काठमांडू में पीड़ितों को बांटी आर्थिक मदद व राशन

नगरपालिका परिषद की अध्यक्ष मीनाक्षी स्वरूप की पहल पर चलाया गया नेपाल हेल्पिंग हैंड्स अभियान

मुजफ्फरनगर। नेपाल में आई भीषण प्राकृतिक आपदा से प्रभावित लोगों की मदद के लिए मुजफ्फरनगर से शुरू हुआ मानवीय प्रयास अब ग्राउंड जीरो पर धरातल पर उतर आया है। नगरपालिका परिषद की अध्यक्ष मीनाक्षी स्वरूप की पहल पर चलाए गए ह्यनेपाल हेल्पिंग हैंड्सह्न अभियान के तहत एकत्र की गई राहत सामग्री और आर्थिक सहायता अभियान की टीम ने नेपाल के भीषण प्रभावित क्षेत्रों में पहुंचकर सीधे जरूरतमंदों के हाथों में सौंपी।

गौरतलब है कि गत 28 अगस्त को नेपाल में आई प्राकृतिक तबाही के बाद, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सेवा मिशन से प्रेरणा लेते हुए पालिकाध्यक्ष मीनाक्षी स्वरूप ने इस राहत अभियान की शुरूआत की थी। गत 15 सितंबर को टाउनहाल से पालिकाध्यक्ष मीनाक्षी स्वरूप ने राहत सामग्री से भरे वाहन को नेपाल के लिए हरी झंडी दिखाकर रवाना किया

था। राहत सामग्री के साथ पूर्व सभासद व युवा भाजपा नेता विकल्प जैन के नेतृत्व में दिनेश जैन, आशुतोष गुप्ता, मनीष चौहान और विपिन जैन की टीम नेपाल पहुंची। चार दिनों की कठिन यात्रा के बाद काठमांडू पहुंचने पर विश्व हिंदू महासंघ अंतर्राष्ट्रीय की अध्यक्ष अस्मिता भंडारी और उनकी टीम के सहयोग से भारतीय दल को प्रभावित गांवों व राहत शिविरों तक सुरक्षित पहुंचाया गया। इसमें मुजफ्फरनगर के सभासदों, व्यापारियों, भाजपा कार्यकर्ताओं और आम नागरिकों ने बढ़-चढ़कर सहयोग दिया।

20-25 फीट मलबे के नीचे दफन हो गईं बस्तियां

आपदा प्रभावित इलाकों में पहुंचने पर टीम को तबाही के मंजर देखने को मिले। जहाँ कभी खूबसूरत पर्यटन स्थल, झरने और सेल्फी प्वाइंट हुआ करते थे, वे इलाके अब 20-25 फीट गहरे मलबे में तब्दील हो चुके हैं। कई बस्तियां और बाजार पूरी तरह से जमींदोज हो गए हैं। टीम के सदस्यों ने कई गांवों और राहत शिविरों का दौरा किया और मुजफ्फरनगर की जनता द्वारा दी गई आर्थिक मदद व राशन सामग्री अपने हाथों से पीड़ित परिवारों को प्रदान की।

मलबे में अपनों को तलाश रहे लोग, सरकार ने घोषित किया मृत

अभियान का नेतृत्व कर रहे विकल्प जैन ने ग्राउंड जीरो से भयानक स्थितियां बयान करते हुए बताया कि लोग अब भी मलबे को हटाकर अपने लापता परिजनों के अवशेष ढूंढ रहे हैं। हालांकि, नेपाल सरकार ने अब लापता लोगों को आधिकारिक रूप से मृत घोषित कर दिया है और उनके मृत्यु प्रमाण पत्र जारी करने व दाह संस्कार की प्रक्रिया शुरू कर दी है। ग्राउंड जीरो पर मदद पहुंचाकर और प्रभावितों की पीड़ा साझा करने के बाद मुजफ्फरनगर की यह टीम वापसी के मार्ग पर है और सोमवार सुबह तक मुजफ्फरनगर लौट आएगी।

रामपुर तिराहे के पास सड़क पर खड़े ट्रक से टकराई बाइक, फाइनेंस कंपनी कर्मचारी की मौत

बिना इंडिकेटर और रिफ्लेक्टर के खड़े ट्रक से हुआ हादसा, गंभीर हालत में मेरठ ले जाते समय युवक ने तोड़ा दम; पिता की तहरीर पर अज्ञात चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज

मुजफ्फरनगर। रामपुर तिराहे के पास सड़क पर कथित रूप से गलत तरीके से खड़े ट्रक से बाइक टकराने के मामले में युवक की मौत हो गई। हादसे में गंभीर रूप से घायल युवक को जिला अस्पताल से मेरठ रेफर किया गया था, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना के करीब 26 दिन बाद मृतक के पिता की तहरीर पर थाना कोतवाली नगर पुलिस ने ट्रक नंबर एचआर 58ई 0949 के अज्ञात चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

फाइनेंस कंपनी में काम के लिए जा रहा था युवक

पुलिस को दी गई तहरीर में ग्राम बीनपुर, थाना गंगोह, जिला सहारनपुर निवासी ओमबीर पुत्र कर्ण सिंह ने बताया कि उनका बेटा हिमांशु चौधरी 24 अगस्त 2026 की सुबह करीब 7:15 बजे अपनी मोटरसाइकिल नंबर यूपी 11 एवाई 0996 से काम के लिए रामपुर तिराहे के पास स्थित एक फाइनेंस कंपनी जा रहा था। आरोप है कि रामपुर तिराहे से पहले जस्सी होटल के नजदीक पहुंचने पर सड़क पर एक ट्रक खड़ा हुआ था।

बिना इंडिकेटर और रिफ्लेक्टर के खड़ा था ट्रक

तहरीर के मुताबिक ट्रक चालक ने वाहन को सड़क पर इस तरह खड़ा कर रखा था कि उसमें न तो इंडिकेटर जल रहे थे और न ही रिफ्लेक्टर लगे हुए थे। इसी दौरान हिमांशु की बाइक ट्रक से टकरा गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि हिमांशु को गंभीर चोटें आईं, जबकि उसकी बाइक भी क्षतिग्रस्त हो गई। तहरीर में कहा गया है कि हादसा मौके पर मौजूद विशाल समेत अन्य लोगों ने भी देखा।

जिला अस्पताल से मेरठ किया गया था रेफर

हादसे के बाद घायल हिमांशु को एंबुलेंस-108 की मदद से जिला अस्पताल मुजफ्फरनगर पहुंचाया गया। यहां चिकित्सकों ने उसकी हालत गंभीर देखते हुए हायर सेंटर के लिए रेफर कर दिया। परिजन उसे उपचार के लिए मेरठ के जसवंत राय अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने हिमांशु को मृत घोषित कर दिया।

सदमे और अंतिम संस्कार में व्यस्त होने के कारण नहीं दी थी तहरीर

मृतक के पिता ओमबीर ने पुलिस को बताया कि बेटे की अचानक सड़क हादसे में मौत होने से परिवार सदमे में था। साथ ही अंतिम संस्कार की व्यवस्थाओं में व्यस्त रहने के कारण वह तत्काल पुलिस को तहरीर नहीं दे सके। उन्होंने यह भी बताया कि पोस्टमार्टम की जानकारी न होने के कारण शव का पोस्टमार्टम नहीं कराया गया। सदमे से उबरने के बाद 19 सितंबर को उन्होंने पुलिस के समक्ष तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की।

ट्रक चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज, जांच शुरू

पुलिस ने पिता की तहरीर के आधार पर ट्रक नंबर एचआर 58ई 0949 और उसके अज्ञात चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस अब हादसे की परिस्थितियों, ट्रक के मौके पर खड़े होने के तरीके और चालक की भूमिका की जांच कर रही है। तहरीर में घटनास्थल पर मौजूद प्रत्यक्षदर्शियों के संबंध में भी जानकारी दी गई है। मामले में पुलिस द्वारा आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

खतौली में दहेज उत्पीड़न का आरोपी गिरफ्तारः पुलिस ने भेजा जेल

मोहल्ला दयालपुरम निवासी अतुल दहेज उत्पीडन के मामले में वांछित था

खतौली। मुजफ्फरनगर जिले के खतौली थाना क्षेत्र में पुलिस ने वांछित अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत बड़ी सफलता हासिल की है। दहेज उत्पीड़न सहित भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न गंभीर धाराओं में वांछित चल रहे एक आरोपी को पुलिस टीम ने घेराबंदी कर गिरफ्तार कर लिया है।

कप्तान के निर्देश पर जारी है धरपकड़ अभियान

जिले में वांछित एवं वारंटी अभियुक्तों की धरपकड़ के लिए सघन चेकिंग और गिरफ्तारी अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में खतौली पुलिस को सूचना मिली थी कि दहेज उत्पीड़न के मामले में वांछित अभियुक्त क्षेत्र में ही मौजूद है, जिसके बाद पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दबिश दी और मोहल्ला दयालपुरम निवासी अतुल (43 वर्ष) पुत्र मूलचन्द को गिरफ्तार

कर लिया। खतौली पुलिस के अनुसार, आरोपी के खिलाफ थाना खतौली में मुकदमा अपराध संख्या 310/2026 पंजीकृत था। यह मामला भारतीय न्याय संहिता (BNS) की धारा 85, 124(1), 115(2), 61(2) तथा दहेज प्रतिषेध अधिनियम की सुसंगत धाराओं के तहत दर्ज किया गया था। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए मोहल्ला दयालपुरम निवासी अतुल (43 वर्ष) पुत्र मूलचन्द को गिरफ्तार करने में सफलता पाई।

वैधानिक कार्रवाई के बाद कोर्ट में पेशी

मामले की जानकारी देते हुए खतौली पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार अभियुक्त के खिलाफ नियमानुसार आवश्यक वैधानिक दस्तावेज तैयार कर लिए गए हैं और उसे न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है।

मुजफ्फरनगर में रोटरी का महामंथनः 'कर्म विस्तार' से समाज सेवा का संकल्प, 500 रोटेरियंस ने की भागीदारी

मुजफ्फरनगर में रोटरी इंटरनेशनल का प्रथम इंटरसिटी कार्यक्रम

मुजफ्फरनगर। भोपा रोड स्थित एक होटल में रोटरी इंटरनेशनल डिस्ट्रिक्ट 3100 द्वारा डिस्ट्रिक्ट गवर्नर रो-पायल गौर के कुशल नेतृत्व में इस वर्ष का प्रथम इंटरसिटी कार्यक्रम 'कर्म विस्तार' भव्यता के साथ आयोजित किया गया। 'द रोटरी फाउंडेशन' को समर्पित इस विशेष समागम का मुख्य उद्देश्य रोटेरियंस को फाउंडेशन के माध्यम से जनसेवा और समाज कल्याण के कार्यों के प्रति अधिक से अधिक प्रेरित करना रहा।

दिग्गज हस्तियों का जुटाव और भव्य स्वागत

कार्यक्रम में देशभर से रोटरी के शीर्ष पदाधिकारियों ने शिरकत की। मुख्य अतिथि के रूप में बेंगलुरु से पधारे रो-इंटरनेशनल डायरेक्टर फ्लाइट लेफ्टिनेंट के.पी. नागेश शामिल हुए। वहीं विशिष्ट अतिथि के रूप में ईएमजी जोन 6 के पीडीजी पवन

अग्रवाल (काशीपुर) और विशेष अतिथि पीडीजी प्रफुल्ल शर्मा (मुंबई) ने शिरकत कर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। आयोजकों ने सभी अतिथियों का माल्यार्पण कर भावपूर्ण स्वागत किया। इस अवसर पर रोटरी के विभिन्न पूर्व और भावी पदाधिकारियों का सम्मान किया गया, जिनमें पास्ट डिस्ट्रिक्ट गवर्नर्स जी.एस. धामा, अशोक गुप्ता, राजीव रस्तोगी, नीरज अग्रवाल, हरि गुप्ता, दीपक जैन, संगीता, संजीव रस्तोगी, वी.के. शर्मा के अलावा डीजीई काव्या रस्तोगी, डीजीएन प्रतीश सिंह शामिल रहे। सभी गणमान्य अतिथियों को आयोजकों द्वारा माल्यार्पण एवं स्मृति चिह्न प्रदान कर सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि फ्लाइट लेफ्टिनेंट के.पी. नागेश ने अपने ओजस्वी संबोधन में कहा कि रोटरी फाउंडेशन दुनिया भर में स्वास्थ्य, शिक्षा, स्वच्छ पेयजल, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, पर्यावरण संरक्षण, शांति स्थापना तथा पोलियो उन्मूलन जैसे अति-महत्वपूर्ण क्षेत्रों में स्थायी मानवीय सेवा परियोजनाओं को मजबूती प्रदान करता है। 'कर्म विस्तार' के माध्यम से रोटेरियंस को फाउंडेशन के व्यापक प्रभाव और समाज परिवर्तन में इसके अद्वितीय योगदान की जानकारी दी गई। डिस्ट्रिक्ट गवर्नर रो-पायल गौर ने कहा कि संस्था का उद्देश्य केवल आर्थिक या भौतिक योगदान देना नहीं, बल्कि समाज के अंतिम व्यक्ति के जीवन में सकारात्मक और स्थायी बदलाव लाना है। 'कर्म विस्तार' का मूल भाव ही यही है कि हर व्यक्ति निस्वार्थ सेवा से जुड़े।

कई जिलों से पहुंचे प्रतिनिधि, राष्ट्रगान से समापन

इस इंटरसिटी कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड के कई प्रमुख शहरों–मेरठ, बागपत, मुजफ्फरनगर, शामली, चंदौसी, बुलंदशहर, मुरादाबाद, श्रीनगर तथा पौड़ी गढ़वाल–से आए लगभग 500 रोटेरियंस ने अपनी सक्रिय सहभागिता निभाई। कार्यक्रम में मुजफ्फरनगर की स्थानीय टीम का विशेष योगदान रहा, जिसमें ले-गवर्नर अनिल प्रकाश बंसल, चीफ कोऑर्डिनेटर डॉ. एम.एल. गर्ग, रीजन कोऑर्डिनेटर अरविंद गर्ग, असिस्ट-गवर्नर विशाल कालरा, पंकज त्यागी, अंकित मित्तल, नितिन मित्तल, रीजनल सचिव नितिन बंसल एवं डायरेक्टर सर्विसेज अरविंद गुप्ता प्रमुख रूप से शामिल रहे। कार्यक्रम का समापन देशभक्तिपूर्ण माहौल में राष्ट्रगान के साथ किया गया।

गन्ने के खेत में छिपाता था चोरी की बाइक, मौका मिलते ही खोलकर बेच देता था पुर्जे

चरथावल पुलिस ने बाल अपचारी को दबोचा, टायर से लेकर टंकी-हैंडल तक खोलकर ठिकाने लगाने का था तरीका, खेत से बाइक के बचे हिस्से और चोरी में इस्तेमाल पल्सर बरामद

मुजफ्फरनगर। चोरी की बाइक को एक साथ बेचने के बजाय गन्ने के खेत में छिपाकर धीरे-धीरे उसके पुर्जे खोलकर बेचने का अनोखा तरीका अपनाने वाले बाल अपचारी को चरथावल पुलिस ने पकड़ लिया। पुलिस के अनुसार बाल अपचारी पहले बाइक को सुनसान खेत में छिपा देता था और फिर मौका देखकर उसके टायर, टंकी, हैंडल, शॉकर समेत अन्य पुर्जे खोलकर अलग-अलग ठिकाने लगा देता था। रविवार को चोरी की बाइक के बचे हिस्से निकालने के लिए पहुंचे बाल अपचारी को पुलिस ने हरनाकी पुलिया के पास घेराबंदी कर पकड़ लिया। पुलिस पूछताछ में सामने आया कि बाल अपचारी चोरी की बाइक को तत्काल कहीं ले जाकर बेचने के बजाय उसे गन्ने के खेत में छिपा देता था। इसके बाद पुलिस या ग्रामीणों की नजर से बचकर वह खेत में पहुंचता और बाइक के एक-एक पुर्जे खोल लेता था। बताया गया कि बाइक के टायर, पेट्रोल टंकी, हैंडल, शॉकर और अन्य सामान अलग कर उन्हें बेच दिया जाता था। इससे चोरी की पूरी बाइक एक जगह बरामद होने की संभावना भी कम हो जाती थी। रविवार को चरथावल पुलिस हरनाकी पुलिया के पास चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान लाल-काली रंग की पल्सर बाइक पर सवार एक युवक पुलिस को देखकर अचानक पीछे मुड़ने लगा।पुलिसकर्मियों को उसकी गतिविधि संदिग्ध लगी तो घेराबंदी कर उसे रोक लिया गया। पूछताछ और जांच में उसके बाल अपचारी होने की जानकारी सामने आई। पुलिस ने जब उससे सख्ती से पूछताछ की तो रोनी हरजीपुर में चोरी की गई स्प्लेंडर बाइक के बारे में जानकारी मिली। बाल अपचारी की निशानदेही पर पुलिस टीम गन्ने के

खेत में पहुंची। वहां चोरी की गई स्प्लेंडर बाइक के बचे हुए हिस्से बरामद किए गए। पुलिस के अनुसार, बाइक के कई पुर्जे पहले ही निकालकर बेच दिए गए थे। इस बरामदगी ने पुलिस के सामने चोरी के बाद बाइक को ठिकाने लगाने के इस तरीके का खुलासा किया।

5 सितंबर की रात हुई थी बड़ी चोरी

पुलिस के मुताबिक, 5 सितंबर की रात रोनी हरजीपुर निवासी शोयब के घर को चोरों ने निशाना बनाया था। वहां से स्प्लेंडर बाइक के अलावा दो कीपैड मोबाइल, नकदी और जेवर चोरी किए गए थे। इसी दौरान पड़ोस में तिलकराम हलवाई की दुकान से भी रुपये चोरी होने की घटना सामने आई थी। दोनों घटनाओं के संबंध में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की थी।

पूछताछ में कई वारदातों में शामिल होने की बात

पुलिस पूछताछ में बाल अपचारी ने कथित तौर पर बताया कि वह अपने साथियों के साथ रोनी हरजीपुर और भौराकलां क्षेत्र में हुई चोरी की कई वारदातों में शामिल रहा है। पुलिस के अनुसार, चोरी की रकम में से कुछ रुपये उसने दिल्ली घूमने में खर्च कर दिए थे। पुलिस ने चोरी की घटनाओं में इस्तेमाल की गई लाल-काली पल्सर बाइक भी बरामद कर ली है। पुलिस इस बाइक के संबंध में भी जांच कर रही है कि इसे किन-किन वारदातों में इस्तेमाल किया गया था। बाल अपचारी के कब्जे से एक जियो भारत मोबाइल, 8,500 रुपये की नकदी, दो चाबियां और एक प्लास भी बरामद होने की बात पुलिस ने बताई है। पुलिस के अनुसार, पकड़े गए बाल अपचारी का आपराधिक रिकॉर्ड भी सामने आया है। उसके खिलाफ मेरठ, शामली और मुजफ्फरनगर के अलग-अलग थानों में पहले से कई मामले दर्ज बताए गए हैं।

मुजफ्फरनगर पहुंचे उत्तराखंड पूर्व सीएम हरीश रावत: रामपुर तिराहा पर शहीदों को दी श्रद्धांजलि

एथनॉल मुनाफे और किसानों की उपेक्षा पर केंद्र व यूपी सरकार पर साधा निशाना

मुजफ्फरनगर। उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और वरिष्ठ कांग्रेस नेता हरीश रावत ने मुजफ्फरनगर पहुंचकर केंद्र और उत्तर प्रदेश की भारतीय जनता पार्टी सरकार पर जमकर तीखे प्रहार किए। उन्होंने सरकार पर एथनॉल उत्पादन के जरिए खुद भारी मुनाफा कमाने और किसानों को उनकी फसलों का उचित मूल्य न देने का गंभीर आरोप लगाया। हरीश रावत रविवार को नई दिल्ली से देहरादून जाते समय मुजफ्फरनगर के ऐतिहासिक रामपुर तिराहा स्थित उत्तराखंड शहीद स्मारक स्थल पर रुके थे।

रामपुर तिराहा पर शहीदों को दी नम आंखों से श्रद्धांजलि

रामपुर तिराहा स्थित उत्तराखंड राज्य आंदोलनकारी शहीद स्मारक स्थल पर पहुंचकर पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने अमर शहीदों की प्रतिमाओं व स्मारक पर पुष्पचक्र अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी। इस दौरान उन्होंने स्थानीय कांग्रेस नेताओं और कार्यकताओं के साथ एक संवाद बैठक का आयोजन किया और क्षेत्र की राजनीतिक परिस्थितियों पर विस्तृत चर्चा की। इस अवसर पर पूर्व मंत्री धीरेन्द्र प्रताप, वरिष्ठ

कांग्रेस नेता व पूर्व जिलाध्यक्ष राकेश पुंडीर, जिलाध्यक्ष सतपाल कटारिया, नगराध्यक्ष रंजन मित्तल, असद फारूकी, दिनेश पाल और अकिल राणा सहित बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

गन्ना और मक्का किसानों को मिले एथनॉल मुनाफे का बोनस

संवाददाताओं और कार्यकताओं से बातचीत करते हुए हरीश रावत ने कहा, "मौजूदा सरकार पेट्रोल में एथनॉल मिलाकर और चीनी के दाम बढ़ाकर खुद तो मुनाफा कमा रही है, लेकिन जिस किसान के गन्ने और मक्के से यह एथनॉल बन रहा है, वह पाई-पाई का मोहताज है।उन्होंने मांग उठाई कि सरकार एथनॉल से मिलने वाले लाभ का एक हिस्सा बोनस के रूप में गन्ना और मक्का उत्पादक किसानों के खातों में सीधे स्थानांतरित करे।

बेरोजगारी और महंगाई से त्रस्त है युवा व किसान

पूर्व मुख्यमंत्री ने मौजूदा आर्थिक स्थितियों पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि देश में बेरोजगारी और महंगाई अपने चरम पर पहुंच चुकी है। उन्होंने कहा कि सरकार की गलत नीतियों के कारण आज देश का युवा और किसान हताश व परेशान है। हरीश रावत ने जोर देकर कहा कि अब जुमलेबाजी का वक्त खत्म हो चुका है और सरकारों को जमीनी धरातल पर उतरकर आम जनता व किसानों के हित में ठोस कदम उठाने होंगे।

बीआईटी कॉलेज के सामने जंगल में पेड़ से लटका मिला युवक का शव, इलाके में मची सनसनी

देवल निवासी युवक की मौत से परिवार में कोहराम, लकड़ी बीनने गए ग्रामीणों ने देखा शव, पुलिस आत्महत्या के एंगल से जांच में जुटी

मीरापुर। थाना मीरापुर क्षेत्र में बीआईटी कॉलेज के सामने जंगल में शनिवार शाम उस समय हड़कंप मच गया, जब एक युवक का शव पेड़ से लटका हुआ मिला। जंगल में शव मिलने की सूचना आसपास के क्षेत्र में तेजी से फैल गई और मौके पर ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक की पहचान रामराज थाना क्षेत्र के गांव देवल निवासी इरफान पुत्र हाकम के रूप में हुई है।

लकड़ी बीनने गए ग्रामीणों ने देखा पेड़ पर लटका शव

बताया गया कि शनिवार देर शाम कुछ ग्रामीण बीआईटी कॉलेज के सामने स्थित जंगल में लकड़ी बीनने के लिए गए थे। इसी दौरान उनकी नजर एक पेड़ पर पड़ी। ग्रामीणों ने देखा कि पेड़ पर एक युवक का शव फंदे से लटका हुआ था। शव देखते

ही ग्रामीण घबरा गए और उन्होंने आसपास के लोगों को इसकी जानकारी दी। कुछ ही देर में घटनास्थल पर लोगों की भीड़ जमा हो गई।

सूचना मिलते ही पुलिस ने संभाला मोर्चा

ग्रामीणों द्वारा पुलिस को सूचना दिए जाने के बाद मीरापुर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और शव को पेड़ से नीचे उतरवाया। इसके बाद मृतक की पहचान कराने का प्रयास किया गया। पहचान होने पर मृतक के परिजनों को घटना की सूचना दी गई। पुलिस ने आवश्यक कार्रवाई पूरी करने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

देवल गांव का रहने वाला था इरफान

मृतक की पहचान रामराज क्षेत्र के गांव देवल निवासी इरफान पुत्र हाकम के रूप में हुई। युवक का शव उसके गांव से दूर मीरापुर क्षेत्र में बीआईटी कॉलेज के सामने जंगल में मिलने से परिजन भी हैरान रह गए। घटना की जानकारी मिलते ही परिवार के लोग मौके पर पहुंचे। युवक की मौत की खबर से परिवार में कोहराम मच गया।

परिजनों ने बताया अर्द्धविक्षिप्त

परिजनों के अनुसार इरफान की मानसिक स्थिति ठीक नहीं रहती थी और वह अर्द्धविक्षिप्त था। इसी वजह से पुलिस प्रारंभिक तौर पर घटना को आत्महत्या के नजरिए से देख रही है। हालांकि, युवक किन परिस्थितियों में जंगल तक पहुंचा और उसकी मौत से पहले क्या हुआ, इस संबंध में अभी कोई स्पष्ट जानकारी सामने नहीं आई है। युवक का शव मिलने के बाद पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण करते हुए आसपास के क्षेत्र की जानकारी जुटाई। पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि युवक घर से कब निकला था और बीआईटी कॉलेज के सामने जंगल तक कैसे पहुंचा। इसके अलावा पुलिस परिजनों और ग्रामीणों से भी घटना से संबंधित जानकारी ले रही है।

पोस्टमार्टम रिपोर्ट से स्पष्ट होगी मौत की असली वजह

पुलिस के अनुसार प्रथम दृष्टया मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है, लेकिन मौत की वास्तविक वजह की पुष्टि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकेगी। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। रिपोर्ट मिलने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

जंगल में शव मिलने से ग्रामीणों में भी चर्चा बीआईटी कॉलेज के सामने जंगल में पेड़ से युवक का शव लटका मिलने की घटना के बाद आसपास के ग्रामीणों में तरह-तरह की चचाएं शुरू हो गईं। घटनास्थल पर काफी देर तक लोगों की भीड़ जुटी रही। पुलिस ने लोगों को शांत कराया और शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कार्रवाई पूरी की।

तीन बच्चों को लेकर घर से निकली महिला लापता, गांव के युवक पर बहला-फुसलाकर ले जाने का आरोप

पति और परिजनों ने रिश्तेदारियों समेत संभावित स्थानों पर की तलाश, पुरकाजी पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर शुरू की जांच

मुजफ्फरनगर। पुरकाजी थाना क्षेत्र के गांव हरिनगर में एक 24 वर्षीय महिला अपने तीन बच्चों के साथ घर से बिना बताए चली गई और वापस नहीं लौटी। काफी देर तक महिला के घर न लौटने पर परिजनों को चिंता हुई। पति ने परिवार के साथ मिलकर महिला और बच्चों की काफी तलाश की, लेकिन उनका कोई पता नहीं चल सका। बाद में पति को गांव के ही एक युवक पर महिला को बहला-फुसलाकर अपने साथ ले जाने का शक हुआ। मामले में पुरकाजी पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

तीन बच्चों को लेकर घर से निकली थी महिला

गांव हरिनगर निवासी एक व्यक्ति ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उसकी पत्नी, उम्र करीब 24 वर्ष, 20 जुलाई 2026 की सुबह करीब आठ बजे अपने तीन बच्चों को साथ लेकर घर से बिना बताए कहीं चली गई। व्यक्ति के मुताबिक उस समय परिवार को इस बात की जानकारी नहीं थी कि वह बच्चों को लेकर कहां जा रही है।

कई घंटे इंतजार के बाद भी नहीं लौटी

तहरीर के अनुसार पीड़ित पति ने पत्नी और बच्चों के वापस आने का इंतजार किया, लेकिन कई घंटे बीत जाने के बाद भी वे घर नहीं लौटे। इसके बाद परिवार को उनकी चिंता होने लगी। परिजनों ने महिला और तीनों बच्चों की जानकारी जुटाने के लिए अपने स्तर से तलाश शुरू कर दी।

रिश्तेदारियों और संभावित स्थानों पर तलाश

पीड़ित पति ने बताया कि उसने परिवार के अन्य सदस्यों के साथ मिलकर हर संभव स्थान पर पत्नी और बच्चों की तलाश की। रिश्तेदारियों में फोन करके भी जानकारी ली गई। इसके अलावा परिचितों और संभावित स्थानों पर भी पता किया गया, लेकिन महिला और बच्चों के बारे में कोई जानकारी नहीं मिल सकी।

दो महीने से अधिक समय से तलाश जारी

तहरीर की तारीख 19 सितंबर 2026 है। शिकायतकर्ता के अनुसार 20 जुलाई को घर से जाने के बाद से ही वह लगातार पत्नी और बच्चों की तलाश कर रहा है। काफी प्रयास के बावजूद अब तक कोई सुराग नहीं मिलने से परिवार परेशान है। पति ने पुलिस से महिला और बच्चों का पता लगाने की गुहार लगाई है।

गांव के युवक पर बहला-फुसलाकर ले जाने का शक

पीड़ित पति ने पुलिस को बताया कि बाद में उसे जानकारी मिली कि गांव का ही रहने वाला मनोज पुत्र सोम्मा उसकी पत्नी को अपने साथ बहला-फुसलाकर ले गया है। शिकायतकर्ता ने इसी आधार पर मनोज के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की है। पुलिस अब इस आरोप की भी जांच कर रही है कि महिला और बच्चे किन परिस्थितियों में घर से गए और वर्तमान में कहां हैं।

पति ने पुलिस से की कानूनी कार्रवाई की मांग

शिकायतकर्ता ने पुलिस से पत्नी और तीनों बच्चों की तलाश कर उन्हें बरामद करने तथा मनोज के खिलाफ आवश्यक कानूनी कार्रवाई की मांग की है। उसका कहना है कि पत्नी और बच्चों का लंबे समय से कोई पता नहीं चलने के कारण वह मानसिक रूप से परेशान है।

पुरकाजी पुलिस ने दर्ज किया मुकदमा

मामले में पुरकाजी पुलिस ने शिकायत के आधार पर मनोज पुत्र सोम्मा के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस महिला और तीनों बच्चों की तलाश के साथ-साथ शिकायत में लगाए गए आरोपों की भी जांच कर रही है। पुलिस द्वारा संभावित स्थानों और संबंधित लोगों से जानकारी जुटाई जा रही है।

तावली में तेज रफ्तार ट्रक ने कार में मारी टक्कर, दंपती समेत दो बच्चे घायल

पति और बेटे को अस्पताल में कराया गया भर्ती, उपचार के बाद थाने पहुंची महिला; ट्रक चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज

मुजफ्फरनगर। शाहपुर थाना क्षेत्र के गांव तावली में देर रात तेज रफ्तार ट्रक की टक्कर से कार सवार एक परिवार घायल हो गया। आरोप है कि सामने से आ रहा ट्रक गलत दिशा में तेज गति और लापरवाही से चलाया जा रहा था, जिसने कार में जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में कार सवार महिला, उसके पति और उनके दो बच्चों को गंभीर चोटें आईं। घायल पति और बेटे को अस्पताल में भर्ती कराया गया। महिला ने उपचार और परिवार की स्थिति के कारण तत्काल थाने पहुंचने में असमर्थता जताई। बाद में पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की गई, जिसके आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

गांव से दिल्ली जाते समय हुआ हादसा

दिल्ली के जे.जे. कैंप तिगरी साउथ निवासी सीमा बेनीवाल ने शाहपुर पुलिस को दी तहरीर में बताया कि 29 जुलाई 2026 की रात करीब ढाई बजे वह अपने पति सुरेश कुमार और बच्चों के साथ कार संख्या DL3CCU1357 से अपने गांव टक्कर से दिल्ली जा रही थीं। इसी दौरान उनका वाहन गांव तावली के पास पहुंचा।

सामने से आ रहे ट्रक ने मारी टक्कर

तहरीर के अनुसार तावली में सामने से ट्रक संख्या DL1MA5218 आ रहा था। आरोप है कि ट्रक चालक वाहन को तेज गति और लापरवाही से चला रहा था तथा गलत दिशा में आकर उनकी कार में टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार में सवार सभी लोग घायल हो गए।

पति और दोनों बच्चों समेत महिला घायल

सीमा बेनीवाल के मुताबिक हादसे में उनके पति सुरेश कुमार, बड़े बेटे तनिष्क, बेटी निशिका और उन्हें गंभीर चोटें आईं। हादसे के बाद परिवार में अफरा-तफरी मच गई। घायल परिवार को उपचार की जरूरत पड़ी। पीड़िता ने बताया कि हादसे में घायल उनके पति और बेटे को अस्पताल में भर्ती कराया गया। परिवार के अन्य सदस्यों को भी चोटें आईं और उपचार कराया गया। अस्पताल में भर्ती होने और परिवार की देखभाल के चलते वह तत्काल पुलिस थाने नहीं पहुंच सकीं।

उपचार के बाद थाने पहुंची महिला

सीमा के अनुसार उपचार के बाद वह 20 सितंबर से पहले पुलिस के समक्ष पहुंचीं और घटना की लिखित शिकायत दी। उन्होंने पुलिस से हादसे की रिपोर्ट दर्ज करने तथा ट्रक चालक के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने की मांग की। शाहपुर पुलिस ने महिला की तहरीर के आधार पर ट्रक संख्या DL1MA5218 के चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस ने हादसे की परिस्थितियों की जांच शुरू कर दी है। दुर्घटना में शामिल वाहनों और घटना से जुड़े अन्य तथ्यों की भी पड़ताल की जा रही है। पुलिस जांच में यह पता लगाया जा रहा है कि दुर्घटना किन परिस्थितियों में हुई। तहरीर में ट्रक चालक पर तेज गति, लापरवाही और गलत दिशा में वाहन चलाने का आरोप लगाया गया है।

ऑपरेशन चक्रव्यूह में भोपा पुलिस का बड़ा एक्शन, छह वारंटी गिरफ्तार

मोरना। अपराधियों और लंबे समय से न्यायालय में पेश न होने वाले वारंटियों के खिलाफ चलाए जा रहे ऑपरेशन चक्रव्यूह के तहत थाना भोपा पुलिस ने रविवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए छह वारंटियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस टीम ने अलग-अलग स्थानों पर दबिश देकर इन आरोपियों को पकड़ा। गिरफ्तार किए गए वारंटी मोरना, सीकरी, बेलड़ा, बेहड़ा थ्रू और कासमपुरा क्षेत्र के रहने वाले हैं। पुलिस ने सभी के खिलाफ संबंधित मामलों में अग्रिम कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार किए गए सभी छह आरोपी अलग-अलग न्यायालयों में विचाराधीन मामलों में वारंटी थे। पुलिस की टीम ने वारंटों की तामील कराने के लिए अभियान चलाया और आरोपियों की तलाश में उनके संभावित ठिकानों पर दबिश दी। कार्रवाई के दौरान सभी छह वारंटियों को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने गांव मोरना निवासी अकबर पुत्र अनवर को गिरफ्तार किया। अकबर के खिलाफ वाद संख्या

2833/26 में धारा 452, 323, 504, 506 और 354ए भादवि के तहत मामला दर्ज है। इसी गांव के राजू पुत्र जगवीर सिंह को भी पुलिस ने गिरफ्तार किया। राजू के खिलाफ वाद संख्या 1944/22 में धारा 138(1)बी विद्युत अधिनियम के तहत मामला दर्ज है।

सीकरी के वारंटी को भी पुलिस ने दबोचा

गांव सीकरी निवासी वसीम उर्फ वसी पुत्र कालू शेख भी पुलिस की गिरफ्त में आया। उसके खिलाफ वाद संख्या 43/14 में वन्य जीव संरक्षण अधिनियम की धारा 39/29 के तहत मामला दर्ज है। पुलिस के अनुसार न्यायालय से जारी वारंट के आधार पर उसकी गिरफ्तारी की गई। गांव बेलड़ा निवासी सनोज पुत्र सतपाल को भी भोपा पुलिस ने गिरफ्तार किया। सनोज के खिलाफ वाद संख्या 616/14 में धारा 60 आबकारी अधिनियम के तहत मामला दर्ज है। पुलिस ने वारंट की तामील करते हुए उसे गिरफ्तार किया। बेहड़ा थ्रू और कासमपुरा से भी गिरफ्तारी

गांव बेहड़ा थ्रू निवासी अंकुश पुत्र श्याम सिंह को भी पुलिस टीम ने गिरफ्तार किया। उसके खिलाफ वाद संख्या 7408/17 में धारा 13 जी एक्ट के तहत मामला दर्ज है। इसी क्रम में कासमपुरा निवासी मनोज कुमार उर्फ काला पुत्र रुस्तम को गिरफ्तार किया गया। उसके खिलाफ वाद संख्या 8127/17 में धारा 147, 148, 149 भादवि और 7 क्रिमिनल लॉ एमेंडमेंट एक्ट के तहत मामला दर्ज है।

छह वारंटियों की गिरफ्तारी की कार्रवाई थाना भोपा पुलिस की टीम ने की। अभियान में उपनिरीक्षक पिन्टू चौधरी, उपनिरीक्षक आकाश शर्मा, उपनिरीक्षक हसन अली, आरक्षी अजीत कुमार, आरक्षी हरेन्द्र सिंह, आरक्षी अनुपम यादव और आरक्षी विनोद कुमार शामिल रहे।

पुलिस अधिकारियों के निर्देशन में चल रहे ऑपरेशन चक्रव्यूह के तहत थाना भोपा पुलिस द्वारा वारंटियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार अभियान चलाया जा रहा है। पुलिस टीम द्वारा ऐसे आरोपियों को चिन्हित कर उनकी गिरफ्तारी की जा रही है, जिनके खिलाफ न्यायालय से वारंट जारी हैं। रविवार की कार्रवाई में छह वारंटियों की गिरफ्तारी इसी अभियान का हिस्सा रही।

भगवान महर्षि कश्यप चौक पर गूंजा महर्षि कालू बाबा का जयघोष, जयंती पर भव्य हवन-पूजन के बाद हजारों श्रद्धालुओं ने ग्रहण किया प्रसाद

महर्षि कालू बाबा जयंती पर श्रद्धा और उत्साह के साथ हुआ आयोजन, देश में सुख-शांति एवं समृद्धि की कामना

मुजफ्फरनगर। महर्षि कालू बाबा जयंती के अवसर पर काली नदी स्थित भगवान महर्षि कश्यप चौक पर शनिवार सुबह श्रद्धा और उत्साह के साथ हवन-पूजन एवं भंडारे का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने पहुंचकर महर्षि कालू बाबा का स्मरण किया और देश में सुख, शांति एवं समृद्धि की कामना की। कार्यक्रम का शुभारंभ विधि-विधान के साथ हवन-पूजन से हुआ। मुख्य अतिथि के रूप में समाजसेवी मनीष चौधरी, समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव राकेश शर्मा तथा भारत लोक सेवक पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष केपी चौधरी ने हवन में आहुति देकर देश में सुख-शांति और समृद्धि की प्रार्थना की। हवन-पूजन के पश्चात भंडारे का आयोजन किया गया। भोग लगाने के

बाद श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया गया। आयोजकों के अनुसार भंडारे में हजारों लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। कार्यक्रम के दौरान श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह दिखाई दिया और महर्षि कालू बाबा के जयकारों से वातावरण भक्तिमय बना रहा।

इस अवसर पर नवीन कश्यप, लक्ष्य कश्यप, अंकित कश्यप, राजू कश्यप, मोहित कुमार, कनिया कश्यप, केशव कश्यप, राधेश्याम कश्यप, रवि कश्यप, सतबीर कश्यप एवं विशांत कश्यप सहित बड़ी संख्या में समाज के लोग मौजूद रहे। आयोजकों ने कहा कि महर्षि कश्यप भारतीय परंपरा में महत्वपूर्ण स्थान रखते हैं। उनकी जयंती समाज में एकता, संस्कार, भाईचारे और आपसी सद्भाव का संदेश देती है। कार्यक्रम के अंत में सभी के सुख-समृद्धि तथा देश में शांति की कामना की गई।

खालापार में किशोरी के लापता होने से मचा हड़कंप, मिशन शक्ति टीम ने किया सकुशल बरामद

पिता ने युवक पर बहला-फुसलाकर ले जाने का जताया शक, मुकदमा दर्ज होते ही पुलिस ने शुरू की तलाश, गुप्ता रिसोर्ट कट के पास मिली किशोरी

मुजफ्फरनगर। खालापार थाना क्षेत्र में 14 वर्षीय किशोरी के लापता होने का मामला सामने आने के बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए उसे सकुशल बरामद कर लिया। किशोरी के पिता की तहरीर पर पुलिस ने एक युवक के खिलाफ उसे बहला-फुसलाकर ले जाने के आरोप में मुकदमा दर्ज किया था। मुकदमा दर्ज होने के बाद मिशन शक्ति अभियान फेज-5.0 के तहत पुलिस टीम को तलाश में लगाया गया। मुखबिर की सूचना पर गुप्ता रिसोर्ट कट के पास से किशोरी को सकुशल बरामद कर लिया गया।

18 सितंबर की शाम घर से लापता हुई थी किशोरी

पुलिस के अनुसार खालापार थाना क्षेत्र निवासी व्यक्ति ने थाने में तहरीर देकर

बताया कि उसकी करीब 14 वर्षीय बेटी 18 सितंबर की शाम घर से कहीं चली गई थी। काफी तलाश करने के बाद भी उसका कोई पता नहीं चला। परिजनों को आशंका थी कि क्षेत्र का ही एक युवक किशोरी को बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गया है।

पिता की तहरीर पर दर्ज हुआ मुकदमा

शिकायत के आधार पर खालापार पुलिस ने 19 सितंबर को मुकदमा मुकदमा दर्ज किया। मामले की विवेचना उपनिरीक्षक विकास सिंघल को सौंपी गई। किशोरी की बरामदगी के लिए थाना पुलिस की टीम गठित करने के साथ मिशन शक्ति टीम को भी लगाया गया।

गुप्ता रिसोर्ट कट के पास मिली किशोरी

किशोरी की तलाश में पुलिस टीम लगातार संभावित स्थानों पर सुराग जुटा रही थी। इसी दौरान मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर पुलिस टीम गुप्ता रिसोर्ट कट के पास पहुंची और किशोरी को सकुशल बरामद कर लिया गया।

परिजनों को दी सूचना, न्यायालय में पेशी

किशोरी की बरामदगी के बाद पुलिस ने उसके परिजनों को सूचना दी। पुलिस के अनुसार किशोरी को आवश्यक विधिक प्रक्रिया के तहत न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है। न्यायालय के आदेश के अनुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी।

वहलना चौकी प्रभारी के नेतृत्व में हुई बरामदगी

बरामदगी करने वाली टीम में उपनिरीक्षक विकास सिंघल, चौकी प्रभारी वहलना, हेड कांस्टेबल अरविन्द कुमार और महिला कांस्टेबल निशा शामिल रहीं। कार्रवाई प्रभारी निरीक्षक विजय कुमार के नेतृत्व में की गई।

मिशन शक्ति अभियान के तहत त्वरित कार्रवाई

प्रभारी निरीक्षक विजय कुमार ने बताया कि किशोरी के लापता होने की सूचना मिलते ही पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी थी। मिशन शक्ति टीम को भी कार्रवाई में लगाया गया। पुलिस टीम ने सूचना के आधार पर किशोरी को सकुशल बरामद कर लिया है। मामले में आगे की आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

धान को बचायें कीट-रोगों से

बचाव हेतु

मैन्कोजेब 3 ग्राम / प्रति लीटर पानी में घोल का छिड़काव करें.

- **पत्तियों की धारियां** – यह रोग अगस्त माह में फसल में लगता है. शुरू में पत्तियों पर पीले रंग की लम्बी धारियां दिखाई देती है बाद में भूरे रंग की हो जाती है.

बचाव हेतु -

बोने से पहले 30 ग्राम दवा स्ट्रेप्टोसाइक्लिन 50 लीटर पानी में घोल बनाकर 25 किलोग्राम बीज को 10 घंटे तक डुबोकर बीजोपचार करें.

- **पत्तियों का झुलसन रोग**– यह रोग धान की फसल में अगस्त के महीने में लगता है. शुरू में पत्तियों पर हल्के लाल धब्बे बनते हैं बाद में यह धब्बे तनों तक फैल जाते हैं व बड़े आकार के हो जाते है जिससे पत्तियां झुलसी हुई दिखाई देती हैं.

बचाव हेतु

बोने से पहले कार्बेन्डाजिम 2 ग्राम दवा प्रति किलो बीज में मिलाकर बीजोपचार करें एवं एडीफेनकाम को 1 ग्राम प्रति लीटर पानी में मिलाकर 15 दिनों के अंतर पर छिड़काव करें.

- **धान का खैरा रोग**– यह रोग भूमि में जस्ते की कमी के कारण होता है यह रोग फसल में पौध घर से लेकर बाढ़ की अवस्था में रोग के लक्षण दिखाई देते हैं. पौध रोपण के 15-25 दिन बाद ही पुरानी पत्तियों के आधार भाग में हल्के पीले रंग के धब्बे दिखाई देते है.

बचाव हेतु

- जिंक सल्फेट 20-25 किलो ग्राम प्रति हेक्टेयर बुवाई से पहले प्रयोग करना चाहिए.
- पौध रोपण से पहले पौध को 0.4 प्रतिशत जिंक सल्फेट के घोल में 12 घंटे तक डुबोकर रोपण करें.
- खड़ी फसल में 1000 लीटर पानी में 5 किलो ग्राम जिंक सल्फेट तथा 2.5 किलो ग्राम बिना बुझे चूने के घोल का मिश्रण बनाकर उसमें 2 किलोग्राम यूरिया मिलाकर छिड़काव करने से रोग का निदान तथा फसल की बढ़वार में वृद्धि होती है.
- कुछ जातियों में खैरा रोग का प्रकोप कम होता है जैसे रतना, अन्नपूर्णा, कावेरी, साबरमती, पदमा, जया, पंकज,आई.आर.8, आई.आर. 20 इत्यादि जाति का चयन करना चाहिए.
- बोने से पहले 30 ग्राम दवा स्ट्रेप्टोसाइक्लिन 50 लीटर पानी में घोल बनाकर 25 किलोग्राम बीज को 10 घंटे तक डुबोकर बीजोपचार करें.

- **कीट-गंगई कीट या गाल मिंज**– इसके द्वारा धान की फसल में औसतन 20-25 प्रतिशत क्षति प्रतिवर्ष होती है आकाश का घने बादलों से आच्छादित होना, वातावरण में नमी और कम तापक्रम इसके प्रकोप को बढ़ाने में सहायक होते हैं. चांदी के रंग का पोंगा बन जाता है और इससे प्रकोपित पौधा गुच्छेदार हो जाता है और इसमें बाली नहीं बनती है इल्ली एक परत पदार्थ भी उत्सर्जित करती है, जिसके कारण तने पर जगह-जगह फफोले दिखाई देते है और पौधे की वृद्धि रुक जाती है.

बचाव हेतु

- क्लोरोपायरीफॉस 20 ईसी. 0.20 प्रतिशत के एक प्रतिशत घोल में पौधों की जड़ें 12 घंटे अथवा एक प्रतिशत यूरिया के साथ उपरोक्त दवा के घोल में 3 घंटे तक जड़ों को डुबोकर रोपाई करना चाहिए.
- इसके बाद खेत में पानी भरकर फोरेट 10 जी दानेदार दवा 10 किलो ग्राम प्रति हैक्टेयर या कार्बोफ्यूरान 3 प्रतिशत दानेदार दवा 20 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर के हिसाब से मिलायें.
- कीट प्रतिरोधक जातियां जैसे आशा, समृद्धि, रूचि, फाल्गुना आदि का प्रयोग करें. प्रकाश प्रपंच का उपयोग करें.

फौजी या आर्मीवर्म कीट- इसकी सूंड़ी अवस्था हानिकारक होती है. नव विकसित सूंडी धान की पत्तियां खाती हैं तथा उसमें केवल मोटी शिरायें बचती है. बड़ी होने पर ये इल्लियां सबसे अधिक हानि करती है.वाली निकलने की अवस्था में यह तने से बाली को रात में काटकर खाती है. जिससे दाना भरने से पहले ही वाली जमीन में गिर जाती है दिन में यह कीट धान के कल्लों एवं जड़ों के पास छिपा रहता है तथा रात्रि में सक्रिय रहकर फसल को हानि पहुंचाता है, ये कीट एक खेत से दूसरे खेत में एक साथ चलकर पहुंचता है इसलिये इसे फौजी कीट कहते हैं. यह कीट खाता कम है व नुकसान ज्यादा करता है.

बचाव हेतु- इंडोसल्फॉन 40 प्रतिशत चूर्ण 25 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर भुरकाव करें या क्विनालफॉस 25 ईसी या क्लोरोपायरीफॉस 20 ईसी एल. 2 मिली. प्रति लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें.

सफेद फुदका- यह कीट सफेद रंग का होता है पीठ के अतिरिक्त इसका रंग स्लेटी होता है. वयस्क अवस्था में पीठ पर एक काली धारी होती है. यह कीट धान के खेत में शिशु एवं वयस्क अवस्था में पानी की सतह के पास से पौधों से रस चूसते है. जिससे पत्तियां पीली पड़कर सिरे से सूखने लगती हैं इस कीट द्वारा उत्सर्जित मधुरस से पत्तियों पर फफूंद विकसित हो जाती है जिससे रोग लगने की संभावना अधिक हो जाती है. वयस्क मादा 100-250 अंडे समूह में पत्तियों की मुख्य शिरा के पास देती है जिससे 4-6 दिनों में शिशु निकलते हैं.

बचाव हेतु- डायमिथियेट 30 ईसी 750 मिली. या इण्डोसल्फान 35 ईसी 1-1.25 लीटर दवा व 700-800 लीटर पानी प्रति हेक्टेयर पानी का प्रयोग करना चाहिए.

रोग

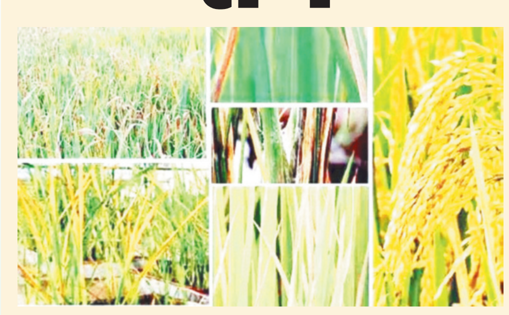

पत्तियों का अंगमारी रोग- यह रोग धान की फसल में अगस्त के महीने में लगता है. पत्तियों के शिरे व किनारों पर भूरी धारियां बनते-बनते पूरी पत्तियां झुलसी सी दिखाई देती हैं.

गंधी बग

इस कीट का प्रकोप धान की फसल पर जुलाई से नवम्बर मध्य तक सक्रिय रहता है हल्की वर्षा इसके लिये उपयुक्त होती है.

बचाव हेतु

इंडोसल्फॉन या क्विनालफास 25 ईसी या क्लोरोपायरीफॉस 20 ईसी एल 1-1.25 लीटर प्रति हेक्टेयर का छिड़काव करें.

ज्वार के प्रमुख कीट-रोग एवं प्रबंधन

ज्वार खरीफ की एक महत्वपूर्ण खाद्यान्न फसल है। यह अधिक तापमान सहकर भी अन्य खाद्यान्नों की अपेक्षा अधिक उत्पादन देने की क्षमता रखती है। ज्वार के दानों का प्रयोग चपाती, बिस्कुट, केक, पापड़ बनाने के अतिरिक्त मदिरा, इथेनाल, स्टार्च, गुड़ आदि भी तैयार करने में आता है। ज्वार की फसल में बुवाई से लेकर दाना पकने की अवस्था तक कीटों के नियंत्रण तथा उचित प्रबंधन से अच्छा उत्पादन ले सकते हैं।

शूट फ्लाई– यह कीट अंकुरण के प्रथम सप्ताह से चार सप्ताह तक क्षति पहुंचाता है। छोटी-छोटी लटें पौधे के अग्रभाग में घुसकर मुख्य प्रोह को क्षति पहुंचाती हैं जो सूखकर मृत केन्द्र बनता हैं।

नियंत्रण – मानसून वर्षा के 7 दिन में बुवाई करें। बीज दर बढ़ाकर काम लें जिससे क्षतिग्रस्त पौधों को उखाड़कर नष्ट करने पर पौधों की संख्या कम न हो। फोरेट 20 किग्रा. प्रति हेक्टर बुवाई के समय मृदा में मिलावें। मेलाथियान 2 मिली. प्रति लीटर पानी का घोल फसल की 7 से 14 दिन की अवस्था में छिड़काव करें।

तना छेदक – यह फसल को दो सप्ताह तक पकने में हानि पहुंचाता रहता है। इस कीट की लटें फसल के शीर्ष पोरों को खाती रहती हैं, जिससे निचली पत्तियों में समानान्तर छेद हो जाते हैं जो आरपार दिखाई देते हैं। भारी प्रकोप होने पर प्रारंभिक अवस्था में पौधों में मृत केन्द्र विकसित हो जाते हैं।

नियंत्रण– फसल कटाई के बाद अवशेषों को जलाकर नष्ट करें. कीट के प्रकोप दिखने पर फ्यूराडान 3 जी या कार्बोरिल 3 जी 8 से 12 किग्रा प्रति हेक्टर पौधों की 20 व 35 दिन की अवस्था में पोरों में डालें।

बरूथी– यह कीट पत्तियों की निचली सतह का रस चूसते रहते हैं जिससे पत्तियां हल्की पीली पड़ने लगती हैं और बाद में इनकी ऊपरी सतह लाल या भूरी, पीली दिखाई पड़ती है। पत्तियों की निचली सतह पर जाले दिखाई पड़ते हैं।

नियंत्रण– डायमिथियेट 1 लीटर 500 लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करें।

पर्णपुदका – इस कीट का आक्रमण बेमौसम एवं पेड़ी ज्वार में अधिक होता है। यह कीट पौधे के नरम भाग (प्रोह) का रस चूसकर हानि पहुंचाता है जिससे पौधे का हरापन कम हो जाता है व प्रोह सूखकर मर जाता हैं।

नियंत्रण – मैटासिस्टाक्स कीटनाशी 1 लीटर दवा 500 लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव प्रति हेक्टर करें।

रोग

दाना फफूंद – दाना पकते समय वर्षा अथवा नमी से यह तेजी से फैलता है। ज्वार के दानों पर काली, सफेद, गुलाबी या भूरे रंग की फफूंद दिखाई देती है जो दानों का वजन व गुणवत्ता को कम कर देती है। इसके द्वारा विषैला तत्व मारकोटोक्सिन बनता है जो मनुष्य व पशुओं के लिये हानिकारक है।

नियंत्रण – फसल पकते समय वर्षा होने पर या नमी रहने पर कार्बेन्डाजिम 0.2 प्रतिशत का छिड़काव करें।

अर्गट या गूंदिया – दानों के बाहरी भाग पर गाढ़ा, रंगहीन अथवा हल्का गुलाबी चिपचिपा स्त्राव बूंदों के रूप में जमा होता है. बाजरा व इस्केमस घास इस रोगकारक के अन्य परपोषी हैं।

नियंत्रण – खेत के आसपास अन्य परपोषी पौधों को हटा दें। रोग के प्रारंभिक लक्षण दिखाई देते ही कार्बेन्डाजिम 0.2 प्रतिशत का छिड़काव करें।

कंडुआ रोग – ज्वार की फसल में चार विभिन्न प्रकार के कंड रोग लगते हैं। इनका पता सिट्टा आने पर ही चलता है। आवृत कंड में सिट्टे के सारे बीज प्रभावित होते हैं जो काले रंग के चूर्ण में बदल जाते हैं। अनावृत कंड में भी सारे बीज प्रभावित होकर गांठे बनती हैं जिस पर हल्की सफेद रंग की परत होती है। दीर्घ-कंड में सिट्टे के कुछ दाने संक्रमित होकर लम्बी बेलनाकार संरचनायें बनती हैं. शीर्ष कंड में पूरा सिट्टा ही एक गांठ के रूप में बदल जाता है।

प्रबंधन – खेत में रोगग्रस्त सिट्टे दिखाई देते ही कागज या कपड़े की थैली से इन्हें ढक कर काट लें व जलाकर नष्ट कर दें। बीजों को बुवाई पूर्व थायरम 4 ग्राम या वीटावैक्स 2 ग्राम प्रति किलो बीज की दर से उपचारित करें।

पत्ती धब्बा – ज्वार पर ग्यारह प्रकार के विभिन्न पत्ती धब्बा रोगों का आक्रमण होता है। ये रोग देशी किस्मों पर व्यापकता से फैलते हैं। ये पर्ण अंगमारी, लाल धब्बा, जोनेट धब्बा, टारगेट धब्बा, कज्जली धारी, भूरा धब्बा, खुरदरा धब्बा, ड्रेक्सलेरा पत्ती झुलसा प्रमुखता से हैं। प्रबंधन - ये रोग बीजोढ होते हैं साथ ही फसल अवशेषों में जीवित रहते हैं अतः रोगग्रस्त अवशेषों को इकट्ठा कर जला देवें। रोगग्रस्त फसल के बीज बुवाई के काम न लें।

कपास में रस चूसक कीट

कपास में समन्वित कीट प्रबंधन

वैकल्पिक विधियां | कृषि गत उपाय

कपास में कीट प्रबंधन हेतु इन सभी समस्याओं को ध्यान में रखते हुए समन्वित कीट प्रबंधन कीट नियंत्रण की प्रभावी विधि साबित हो सकती है।

समन्वित कीट प्रबंधन– कीट नियंत्रण की विभिन्न वैकल्पिक विधियों का बुद्धिमत्ता से चुनाव एवं उपयोग कर अंत में आवश्यकता पड़ने पर कीटों की आर्थिक क्षति स्तर अवस्था पर ही कीटनाशक दवाओं का सूझबूझ के साथ उपयोग किया जावे ताकि अनुकूल प्राकृतिक सामाजिक एवं आर्थिक परिणाम प्राप्त हो सकें।

यद्यपि यह प्रयास नया नहीं है परंतु अभी इसका प्रचलन सही तरीके से कृषकों तक प्रचारित एवं प्रसारित नहीं हो पाया है।

समन्वित कीट नियंत्रण क्या है? – कीटों को नियंत्रण करने की समस्त क्रियाओं जैसे कृषिगत, यांत्रिक, जैविक तथा रसायनिक का समावेश करके कीटों की संख्या को नियंत्रित करने को समन्वित कीट नियंत्रण या प्रबंधन कहते हैं।

समन्वित कीट प्रबंधन की आवश्यकता क्यों – कपास फसल की उन्नत एवं संकर किस्मों के लगातार उपयोग एवं अधिक उत्पादन प्राप्त करने की होड़ में प्रायः किसान भाईयों द्वारा अत्यधिक मात्रा में असंतुलित उर्वरक, सिंचाई एवं विभिन्न प्रकार के उपलब्ध कीटनाशक दवाओं का अंधाधुंध, अनावश्यक एवं गलत समय में उपयोग किया जा रहा है जिसके परिणामस्वरूप वातावरण जल एवं भूमि में प्रदूषण, प्राकृतिक असंतुलन, लाभदायक परजीवी एवं परभक्षी कीटों का नाश तथा विभिन्न कीटों में कीटनाशक दवाओं के प्रति प्रतिरोधी क्षमता विकसित होने की संभावना बढ़ने लगी है। जिसके कारण समन्वित कीट नियंत्रण/ प्रबंधन के उपयोग की आवश्यकता महसूस होने लगी है।

- पिछली फसल समाप्त होते ही खेत में जानवरों को चरावें तथा बचे अवशेषों को उखाड़कर/काटकर नष्ट करें साथ ही खेत की गहरी जुताई करें ताकि कीटों के अवशेष, अंडे इत्यादि नष्ट हो जावे।
- खेतों की मेढ़ों पर अन्य परपोषी पौधे जैसे जंगली भिंडी, अम्बाड़ी इत्यादि को काटकर जला दें।
- कपास की अंतरवर्तीय फसल जैसे कपास के साथ ज्वार, मक्का, सोयाबीन या चवला आदि लेने से कीट प्रकोप कम होता है।
- बोनी हेतु कीटरोधी किस्मों का चयन करें.
- रसायनिक उर्वरकों का संतुलित उपयोग करें। नत्रजन का अनावश्यक उपयोग न करें। साथ ही फसल की बढ़वार अधिक दिखाई देने पर वृद्धि नियंत्रक रसायन साईकोसिल का फसल पर उचित समय पर छिड़काव करें।
- फसल में खरपतवारों को न बढ़ने दें एवं समय-समय पर उनकी रोकथाम करें।
- जमीन के अनुकूल उपयुक्त पौध अंतरण पर बुआई की जावे।
- आवश्यकतानुसार सिंचाई कतार छोड़ पद्धति से करें।
- आवश्यक फसल चक्र अपनावे अर्थात् एक ही खेत में प्रतिवर्ष कपास न लें।

यांत्रिक उपाय

- हानिकारक कीटों के व्यस्क कीटों को ट्रेप कर नष्ट करने के लिये प्रकाश प्रपंच/फेरोमेन ट्रेप का प्रयोग करें।
- पक्षियों को बैठने हेतु बर्ड पर्चर 20-25 नग (टी आकार की लकड़ी की खूटियां) प्रति हेक्टेयर लगावें जिस पर पक्षी बैठ सके एवं कीटों को खाकर नष्ट कर सके।

जैविक उपाय

कपास फसल परितंत्र (इको सिस्टम) में लगभग 25-30 प्रकार के प्राकृतिक परजीवी, परभक्षी कीट एवं बीमारियां पाई जाती हैं जो किसान भाईयों को अति सूक्ष्म होने एवं पहचान नहीं होने के कारण दिखाई नहीं देते परंतु ये लाभदायक जीव अपना काम (कीट नियंत्रण) करते रहते हैं, एवं कपास के हानिकारक कीटों की संख्या पर अपना नियंत्रण करने का प्रयास भी करते रहते हैं। परंतु कीटनाशक दवाओं के असंतुलन एवं अत्यधिक उपयोग से ये लाभदायक कीट नष्ट हो जाते हैं, परिणामस्वरूप हानिकारक कीटों की संख्या में वृद्धि होने लगती है और ये कीट आर्थिक क्षति स्तर अवस्था को पार करके फसल एवं उसके डेण्डुओं को नुकसान पहुंचाकर नष्ट करने में सक्षम हो जाते है।

अतः किसान भाईयों से अपेक्षा है कि वे निम्न लाभदायक जीवों को पहचानें एवं इनका संरक्षण एवं संवर्धन कर कपास फसल को बचाएं।

परभक्षी क्रायसोपा – बाजार में उपलब्ध इस कीट के 1000 अंडे या इल्लियां / एकड़ के मान से कपास के खेत में माहो, सफेद मक्खी या चेपा का अधिक प्रकोप दिखाई देने की अवस्था में 8-10 दिनों के अंतराल पर दो बार छोड़ने से इन कीटों के प्रकोप में कमी आती है।

छिड़काव करते समय सावधानियां

- दो या दो से अधिक कीटनाशक दवाओं को बिना जानकारी के मिला कर छिड़काव नहीं करना चाहिए।
- कीटनाशक दवाओं का घोल छिड़काव पम्प में ही बनाने के तरीकों को रोकना चाहिए।
- लगातार बार-बार एक ही कीटनाशक दवा का उपयोग नहीं करना चाहिए तथा दवाओं को बदल-बदल कर उपयोग करें.
- सिंथेटिक पायराथ्राईड्स का उपयोग न करें इनके अनावश्यक प्रयोग से फसल में रस चूसक कीटों का प्रकोप होने की संभावना बढ़ होती है।
- छिड़काव हेतु पानी की मात्रा 500 लीटर पानी प्रति हेक्टेयर के मान से उपयोग करना चाहिए।
- तेज धूप व तेज वर्षा के समय छिड़काव कार्य नहीं करना चाहिए।
- बरसात के मौसम में छिड़काव कार्य करते समय वर्षा की संभावना हो तो दवा के घोल में चिपकने वाली दवा जैसे सेण्डोविट या टीपोल आदि मिलाकर ही छिड़काव करें।
- कीटनाशक दवाओं का उपयोग एक तकनीकी कार्य है, अतः इसका उपयोग निर्देशानुसार पूर्ण सावधानी सहित अपनाना चाहिए।

इस्कॉन नोएडा में अन्तर्धर्मीय सम्मेलन का आयोजन, धार्मिक सद्भाव और पवित्र नाम की महिमा पर हुआ विमर्श

नोएडा। रविवार को इस्कॉन नोएडा, गोविन्द धाम में एक विशेष अन्तर्धर्मीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। सम्मेलन में विभिन्न धर्मों एवं आध्यात्मिक परम्पराओं से जुड़े धार्मिक नेताओं ने सहभागिता की और आपसी सद्भाव, प्रेम तथा विश्व शान्ति के विषय पर अपने विचार साझा किए। यह आयोजन इस्कॉन के संस्थापकाचार्य श्रील प्रभुपाद के अमेरिका आगमन की स्मृति में विश्वभर में आयोजित किए जा रहे विश्व हरिनाम सप्ताह का हिस्सा था।

इसमें विभिन्न धार्मिक परम्पराओं के बीच संवाद, सद्भाव एवं विश्व बन्धुत्व को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से इस अन्तर्धर्मीय सम्मेलन का आयोजन किया गया।

सम्मेलन का मुख्य विषय 'विश्व बन्धुत्व 'रहा। विभिन्न धर्मों के प्रतिनिधियों ने अपने-अपने शास्त्रों, ग्रन्थों, पुस्तकों, कुरान, बाइबिल एवं आध्यात्मिक परम्पराओं के आधार पर पवित्र नाम की महत्ता पर प्रकाश डाला। वक्ताओं ने इस बात को रेखांकित किया कि ईश्वर के प्रति श्रद्धा, प्रार्थना और उनके पवित्र नाम का स्मरण मानव जीवन में शान्ति, करुणा और सकारात्मकता का आधार बन सकता है।

इस्कॉन नोएडा की इस पहल का विभिन्न धर्मों से आए प्रतिनिधियों ने हृदयपूर्वक स्वागत किया। संवाद के दौरान यह भाव प्रमुखता से उभरकर सामने आया कि परमेश्वर को भगवान, ईश्वर, परमात्मा, अल्लाह, खुदा, रब, प्रभु, गॉड अथवा परमेश्वर जैसे विभिन्न नामों से पुकारा जा सकता है, किन्तु इन सभी नामों के पीछे मानवता को परम सत्ता से जोड़ने तथा प्रेम, सद्भाव एवं शान्ति की ओर ले जाने का भाव निहित है।

सम्मेलन ने यह संदेश दिया कि धार्मिक विविधता विभाजन का कारण नहीं, बल्कि एक-दूसरे की आध्यात्मिक परम्पराओं को समझने और सम्मान देने का माध्यम बन सकती है। जब विभिन्न समुदाय प्रेम, संवाद और ईश्वर-स्मरण के भाव से एक साथ आते हैं, तो समाज में सद्भाव, शान्ति और विश्व बन्धुत्व की भावना को और अधिक सुदृढ़ किया जा सकता है।

नशे के नेटवर्क पर पुलिस का बड़ा शिकंजा, 3 साल में 2,024 मुकदमे दर्ज और 2,318 तस्कर गिरफ्तार

नोएडा। गैर-प्रांतों से गांजा और अन्य मादक पदार्थों की तस्करी करने वाले गिरोहों के खिलाफ गौतमबुद्धनगर पुलिस ने बड़े स्तर पर कार्रवाई को अंजाम दिया है। पुलिस कमिश्नर लक्ष्मी सिंह के निर्देशन में यह विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत 1 जनवरी 2023 से 15 सितंबर 2026 तक का डेटा सामने आया है। इस तय अवधि में नारकोटिक्स अधिनियम के तहत कुल 2,024 मुकदमे दर्ज किए गए हैं। पुलिस के अनुसार इन मुकदमों के आधार पर कुल 2,318 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है।

जानकारी के अनुसार पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से भारी मात्रा में अवैध सामान जब्त किया है। पकड़े गए मादक पदार्थों की कुल अनुमानित कीमत करीब 151 करोड़ 58 लाख रुपये आंकी गई है। पुलिस के मुताबिक इस अवधि के दौरान कुल 8,132.187 किलोग्राम गांजा बरामद किया गया है। अकेले इस गांजे की अनुमानित कीमत 40.66 करोड़ रुपये बताई गई है। गांजे के अलावा अन्य प्रतिबंधित सामग्री भी बरामद की गई है।

अधिकारियों के आंकड़ों के अनुसार पुलिस ने 12.205 किलोग्राम चरस, 1.1379 किलोग्राम स्मैक, 105.892 ग्राम एमडीएमए और 4.725 किलोग्राम ओजी बरामद की है। इसके साथ ही 10.810 किलोग्राम डोडा, 860 ग्राम नशीला पाउडर, 885 नशीली गोलियां, 3,373 ई-सिगरेट, 201 ग्राम कोकीन और 360 लीटर अवैध कफ सीरप भी बरामद किए गए हैं।

संपत्ति जब्ती और विदेशी तस्करों पर शिकंजा: पुलिस ने केवल पदार्थों की जब्ती तक सीमित न रहते हुए नशे के कारोबार से अर्जित संपत्ति पर भी कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। हृष्ठक्कस् ष्ह्ल की धारा 68स्न के तहत दो आरोपियों की कुल 9.07 लाख रुपये की संपत्ति जब्त की गई है। इनमें संजीव साहू की 5,01,126 रुपये की संपत्ति और हफीजुर रहमान की 4,06,035 रुपये की संपत्ति शामिल है।

इस बड़ी कार्रवाई के दौरान पुलिस ने छह विदेशी नागरिकों को भी अपनी गिरफ्त में लिया है। इनमें सूरजपुर पुलिस ने तीन विदेशी नागरिकों को पकड़ा है। इसके अलावा बीटा-2 पुलिस ने दो और नॉलेज पार्क पुलिस ने एक विदेशी नागरिक को मादक पदार्थों के साथ गिरफ्तार किया है। सभी गिरफ्तार विदेशी नागरिकों के खिलाफ वैधानिक कार्रवाई पूरी करके उन्हें न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया है।

पुलिस का कहना है कि स्थानीय पुलिस, एंटी नारकोटिक्स टीम और अन्य इकाइयां मिलकर लगातार काम कर रही हैं। ये सभी टीमें स्कूल-कॉलेजों तथा भीड़भाड़ वाले इलाकों के आसपास कड़ी निगरानी रख रही हैं ताकि तस्करों की पहचान की जा सके। इसके साथ ही युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों से बचाने के लिए लगातार जागरूकता अभियान भी चलाए जा रहे हैं।

कूड़ा जलाने और धूल उड़ाने पर सख्ती होगी

गाजियाबाद। वायु प्रदूषण की रोकथाम के लिए इस बार ज्यादा सख्ती रहेगी।शासन के स्पष्ट आदेश है कि प्रदूषण फैलाने वालों पर नजर रखी जाए। कूड़ा जलाने और धूल उड़ाने वालों पर तुरंत सख्ती की जाए। मलबा निस्तारण से लेकर प्रत्येक सड़क की निगरानी भी होगी। गाजियाबाद में प्रदूषण से लोगों को हर साल परेशानी उठानी पड़ती है।सर्दियों के मौसम में प्रदूषण का स्तर बहुत ज्यादा बढ़ जाता है।जनपद के कई विभाग मिलकर प्रदूषण की रोकथाम पर काम करते हैं। इसके बावजूद प्रदूषण बढ़ रहा है।इस बार प्रदूषण की रोकथाम के लिए ज्यादा सख्ती रहेगी। शासन ने पिछले दिनों प्रशासन, नगर निगम और अन्य विभाग के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंस कर स्पष्ट आदेश दिए कि हर हाल में प्रदूषण पर नियंत्रण किया जाना है। प्रदूषण फैलाने वालों पर सख्ती करने के लिए कहा है। सड़कों पर मलबा फेंकने वालों पर भारी जुर्माना लगेगा।मलबा निस्तारण के लिए निगम आठ स्थानों पर सेंटर बनाएगा। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड प्रत्येक सड़क और धूल की निगरानी करेगा। इसके लिए नगर निगम और निकायों से जानकारी मांगी है। सड़कों की मरम्मत कराने के लिए कहा है। कूड़ा जलाने पर भी सख्ती की जाएगी.

वहीं निगम सड़कों पर पानी का छिड़काव कराने के लिए नए वाहन खरीदेगा। मशीन द्वारा सड़कों से धूल हटाने की रफ्तार तेज कर दी है। सड़कों पर पानी छिड़काव भी कराया जा रहा है। सभी निर्माणाधीन साइट पर पानी छिड़काव कराने के लिए एंटी स्मॉग गन लगानी होंगी। एंटी स्मॉग गन न होने पर जुर्माना देना होगा?

नगर निगम के मुख्य अभियंता एनके चौधरी ने बताया कि शहरी क्षेत्र की सभी सड़कों के किनारे टाइल्स लगाई जा रही हैं। टाइल्स लगाने का काम तेजी से चल रहा है। सड़कों के किनारे ज्यादा धूल उड़ती है। टाइल्स लगाने के बाद धूल नहीं उड़ेगी।उन्होंने बताया कि शहर की सभी मुख्य सड़कों पर टाइल्स लगाई जा रही हैं।

सर्दियों के दिनों में प्रदूषण बढ़ने पर विभागों पर भी कार्रवाई की जाएगी। किस विभाग की लापरवाही से प्रदूषण बढ़ रहा है इस पर नजर रहेगी। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अधिकारी भी औचक निरीक्षण करेंगे। सड़कों पर धूल उड़ने, कूड़ा जलाने या अन्य कारणों से प्रदूषण बढ़ने पर कार्रवाई होगी।

गाजियाबाद के सभी औद्योगिक क्षेत्रों में सड़कों का बुरा हाल है। सड़कें बदहाल होने से धूल उड़ रही है। कुछ जगह सड़कों का निर्माण कार्य चल रहा है। भारी वाहनों के बदहाल सड़कों पर चलने से भी धूल उड़ती रहती है। औद्योगिक क्षेत्र पर अधिकारी ध्यान नहीं दे रहे हैं।

प्रधानमंत्री की 25 वर्षों की सेवा यात्रा को नाटक के माध्यम से किया जाएगा जीवंत

नोएडा। भाजपा जिला नोएडा कार्यालय पर बैठक कर जिला अध्यक्ष महेश चौहान ने बताया कि नोएडा में 30 स्थानों पर नुक्कड़ नाटक के माध्यम से प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के सार्वजनिक जीवन में सेवा, समर्पण और सुशासन के 25 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर भारतीय में चलाए जा रहे 'सेवा संकल्प अभियान' के अंतर्गत 'नमो सेवा–अनकही कहानियाँ' कार्यक्रम के तहत विशेष नाट्य मंचनों का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में नोएडा में भी एक विशेष एवं भव्य नाट्य प्रस्तुति आयोजित की जाएगी। इसके लिए जिला उपाध्यक्ष उमेश त्यागी को कार्यक्रम का संयोजक बनाया गया है एवं जिला मंत्री सुचित्रा पाठक,अमित नागपाल को सहसंयोजक की जिम्मेदारी दी है।

इस नाट्य प्रस्तुति के माध्यम से प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की 25 वर्षों की सार्वजनिक जीवन की यात्रा, राष्ट्र सेवा के प्रति उनका समर्पण, जनकल्याण के लिए किए गए प्रयासों तथा सुशासन के माध्यम से देश में आए व्यापक बदलावों को जीवंत और भावनात्मक रूप में प्रस्तुत किया जाएगा। गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में उनके कार्यकाल से लेकर प्रधानमंत्री के रूप में देश की सेवा तक की यात्रा को संवाद, अभिनय, संगीत और प्रभावशाली मंचन के माध्यम से दर्शकों के सामने रखा जाएगा।

जिला उपाध्यक्ष उमेश त्यागी ने बताया कि 'नमो सेवा–अनकही कहानियाँ' की प्रस्तुति को सरल, संवेदनशील और संगीतमय स्वरूप दिया गया है, ताकि प्रधानमंत्री जी की सेवा यात्रा और जनकल्याण के संदेश को समाज के प्रत्येक वर्ग तक सहजता से पहुँचाया जा सके। कुशल कलाकार अपने जीवंत अभिनय और प्रभावशाली संवादों के माध्यम से उन प्रेरक प्रसंगों को मंच पर साकार करेंगे, जिनमें सेवा, समर्पण, अंत्योदय और राष्ट्र निर्माण की भावना दिखाई देती है।

इस व्यापक अभियान के अंतर्गत राज्यभर में नाट्य मंचनों का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। स्कूलों, कॉलेजों, पंचायतों, सामुदायिक केंद्रों और अन्य सार्वजनिक स्थलों पर भी इन प्रस्तुतियों के माध्यम से जनसंवाद स्थापित किया जाएगा।

भारतीय जनता पार्टी का यह अभियान सेवा, सुशासन, अंत्योदय और राष्ट्र निर्माण के संकल्प को जन-जन तक पहुँचाने का प्रयास है, जिसमें कला और नाट्य के माध्यम से प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की 25 वर्षों की सेवा यात्रा को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया जाएगा। बैठक में जिला महामंत्री अमित त्यागी,चंदगीराम यादव,ओमबीर अवाना,जिला उपाध्यक्ष उमेश त्यागी,सुचित्रा पाठक,अमित नागपाल,शिवांश श्रीवास्तव,पंकज त्रिपाठी,मुक्तानंद शर्मा,रामकिशन यादव,दीनबंधु,प्रदीप चौहान,मनीष तिवारी,शशिधर उपाध्याय,नीरज चौधरी,गौतम शर्मा उपस्थित रहे।

गाजियाबाद में टेंपो के पीछे लटककर सफर करते नाबालिगों का वीडियो वायरल, यातायात सुरक्षा पर सवाल

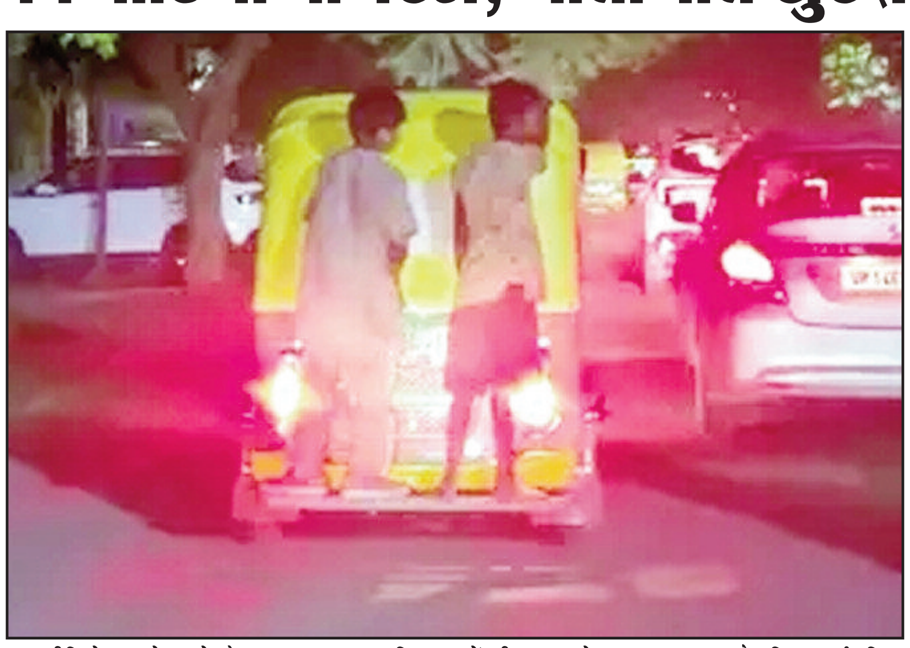

गाजियाबाद। टेंपो के पीछे लटककर सफर करते कुछ नाबालिग बच्चों का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद यातायात सुरक्षा को लेकर सवाल खड़े हो गए हैं। वायरल वीडियो को गाजियाबाद के आरडीसी से हिंट चौराहा और सेक्टर-4 की ओर जाने वाले मार्ग का बताया जा रहा है। हालांकि वीडियो कब और कहां बनाया गया, इसकी स्वतंत्र पुष्टि अभी नहीं हुई है।

वीडियो में कुछ बच्चे टेंपो के अंदर बैठने के बजाय उसके पीछे खड़े और बाहर की ओर लटककर सफर करते नजर आ रहे हैं। चलते वाहन के पीछे इस तरह यात्रा करना बेहद जोखिमभरा हो सकता है। अचानक ब्रेक लगने, वाहन के असंतुलित होने या किसी अन्य वजह से बच्चों के साथ गंभीर हादसा होने की आशंका बनी रहती है।

वीडियो सामने आने के बाद शहर में यातायात व्यवस्था के साथ-साथ नाबालिग बच्चों की सुरक्षा को लेकर भी चर्चा शुरू हो गई है। लोगों का सवाल है कि सार्वजनिक परिवहन वाहनों में इस तरह नियमों का उल्लंघन होने से रोकने के लिए निगरानी कितनी प्रभावी है।

गाजियाबाद ट्रैफिक पुलिस की ओर से समय-समय पर ऑटो और टेंपो चालकों के खिलाफ अभियान चलाकर ओवरलोडिंग तथा यातायात नियमों के उल्लंघन पर कार्रवाई की जाती है। इसके बावजूद यदि बच्चे वाहनों के बाहर लटककर सफर करते दिखाई दे रहे हैं, तो ऐसे मामलों की निगरानी और तत्काल कार्रवाई को लेकर सवाल उठना स्वाभाविक है।

हालांकि वायरल वीडियो की तारीख, सटीक स्थान और वास्तविक परिस्थितियों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। संबंधित विभाग की जांच के बाद ही यह स्पष्ट हो सकेगा कि वीडियो कब बनाया गया और मामले में यातायात नियमों का उल्लंघन हुआ है या नहीं।

रबूपुरा पुलिस ने पकड़े दो वाहन चोर

ग्रेटर नोएडा। रबूपुरा थाना पुलिस ने वाहन चोरी की वारदातों पर लगाम कसते हुए बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है। पुलिस ने चेकिंग के दौरान दो शातिर आरोपियों को धर दबोचा है। पकड़े गए बदमाशों के पास से चोरी के वाहन और अवैध हथियार बरामद किए गए हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार, दोनों आरोपी बुलंदशहर जिले के ककोड़ क्षेत्र के रहने वाले हैं।

थाना प्रभारी निरीक्षक श्याम बाबू शुक्ला के मुताबिक, 20 सितंबर को पुलिस टीम लोकल इंटेलिजेंस और बीट पुलिसिंग के आधार पर क्षेत्र में संदिग्धों की तलाश में जुटी हुई थी। इसी दौरान मिर्जापुर कट से सेक्टर-18 जाने वाली सड़क पर पुलिस बल ने दो संदिग्ध युवकों को रोका। पूछताछ और तलाशी के बाद पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान शनि (19) निवासी अमीपुर बांगर, थाना ककोड़, बुलंदशहर और विशाल (20) निवासी अमीपुर बांगर, थाना ककोड़, बुलंदशहर के रूप में हुई है।

पुलिस के अनुसार, तलाशी और पूछताछ के दौरान आरोपियों के कब्जे से अवैध हथियार बरामद किए गए। इसके बाद उनकी निशानदेही पर चोरी की दो मोटरसाइकिलें भी बरामद की गईं। कुल बरामदगी में .315 बोर का अवैध तमंचा, एक जिंदा कारतूस और एक अवैध चाकू शामिल है। पुलिस पकड़े गए बदमाशों के आपराधिक इतिहास की गहराई से जांच कर रही है और बरामद मोटरसाइकिलों के संबंध में दर्ज चोरी के पुराने मामलों की जानकारी भी जुटाई जा रही है।

इस मामले में पुलिस ने सख्त कानूनी कदम उठाया है। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ मुकदमा अपराध संख्या 204/2026 के तहत धारा 317(2) बीएनएस तथा धारा 9/25(2) और 4/25 आयुध अधिनियम में मामला दर्ज किया है।

गाजियाबाद में 8 साल की बच्ची को बहला-फुसलाकर ले जाने का मामला, महोबा से सकुशल बरामद; दो आरोपी गिरफ्तार

गाजियाबाद। गाजियाबाद थाना शालीमार गार्डन क्षेत्र से 8 वर्षीय बच्ची को बहला-फुसलाकर अपने साथ ले जाने के मामले में पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर बच्ची को सकुशल बरामद कर लिया है पुलिस के मुताबिक एक आरोपी बच्ची को लेकर महोबा चला गया था, जबकि दूसरे आरोपी ने बच्ची को उसके घर से ले जाकर उसे साथी के हवाले किया था।

गाजियाबाद के 20 सितंबर 2026 के प्रेस नोट के अनुसार, 17 सितंबर को बच्ची की मां ने थाना शालीमार गार्डन में तहरीर देकर बताया था कि 16 सितंबर को उसकी 8 वर्षीय बेटी को आजाद पुत्र नौशाद निवासी पप्पू कॉलोनी अपने साथ ले गया है।शिकायत के आधार पर पुलिस ने धारा 137(2) बीएनएस के तहत मुकदमा दर्ज किया।

पुलिस ने सर्विलांस इनपुट और मुखबिर की सूचना के आधार पर मामले में सामने आए आरोपी राजेन्द्र यादव पुत्र गुमान सिंह यादव को 19 सितंबर को उसके गांव सोयम थाना चरखारी जनपद महोबा से गिरफ्तार किया। उसके कब्जे से बच्ची को सकुशल बरामद कर लिया गया।

इसके बाद नामजद आरोपी आजाद की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीमों का गठन कर तलाश शुरू की गई। पुलिस के अनुसार 20 सितंबर को मुखबिर की सूचना पर आजाद पुत्र नौशाद को गंदा नाला एक्सटेंशन प्रथम शालीमार गार्डन के पास से गिरफ्तार कर लिया गया।

पुलिस पूछताछ में आरोपी आजाद ने बताया कि उसकी राजेन्द्र यादव से जान पहचान थी। उसने कथित तौर पर लालच में आकर बच्ची को उसके घर से अपने साथ ले लिया और मोटरसाइकिल पर बैठाकर राजेन्द्र को सौंप दिया। इसके बाद राजेन्द्र बच्ची को अपने साथ महोबा ले गया। पुलिस के अनुसार मामले में आजाद के खिलाफ थाना शालीमार गार्डन में एक अभियोग पंजीकृत है उसके अन्य आपराधिक इतिहास की जानकारी की जा रही है। दोनों आरोपियों को गिरफ्तार करने और बच्ची को सकुशल बरामद करने की कार्रवाई थाना शालीमार गार्डन पुलिस टीम ने की।

सांविधानिक पद पर रहे हामिद अंसारी का बयान उचित नहीं',- मातृशक्ति का सम्मान जरूरी, बोले सीएम योगी

नोएडा। ग्रेटर नोएडा के गौतमबुद्ध विश्वविद्यालय में आयोजित 'प्रेरणा विमर्श-2026' के समापन समारोह को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सनातन परंपरा, भारतीय संस्कृति और नारी शक्ति का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि भारत की आत्मा सनातन धर्म में बसती है और देश की जनता अपनी ऋषि परंपरा, देवी-देवताओं, तीर्थों और विरासत पर गर्व करती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सनातन परंपरा में विचारों की स्वीकार्यता रही है। कहीं से भी अच्छे विचार आएं तो उनका स्वागत किया जाता है। उन्होंने कहा कि 'तेरा-मेरा' वाली संकुचित सोच रखने वाले लोग इसे नहीं समझ सकते। सनातन सबका है और इसकी परंपरा ने दुनिया के अलग-अलग समुदायों और संप्रदायों को संकट के समय शरण दी है।

हामिद अंसारी के बयान पर सीएम योगी का पलटवार: योगी आदित्यनाथ ने पूर्व उपराष्ट्रपति हामिद अंसारी के एक पुराने वक्तव्य का जिक्र करते हुए कहा कि सांविधानिक पद पर रहे व्यक्ति को इस तरह की बात नहीं करनी चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि ऐसे बयानों से भारत के बारे में गलत छवि बनाने और 'एंटी इंडिया' सोच को बढ़ावा देने का काम होता है। उन्होंने कहा कि अर्धसत्य के जरिए भारत को अपमानित करने का प्रयास किया जा रहा है।

राहुल गांधी पर भी बोला हमला: मुख्यमंत्री ने राहुल गांधी पर भी निशाना साधते हुए नारी शक्ति और मातृशक्ति के सम्मान का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति में 'पहले आप' का संस्कार रहा है। जिन लोगों को ये मर्यादाएं नहीं सिखाई गईं, उनके लिए 'वसुधैव कुटुंबकम' की भावना को समझना संभव नहीं है। योगी ने कहा कि प्राचीन काल से लेकर वर्तमान समय तक भारत में नारी शक्ति को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई है। उन्होंने कहा कि भारत की संस्कृति और परंपरा में मातृशक्ति के सम्मान की विशेष जगह रही है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक अनिल रॉयल ने रॉयल बुलेटिन को मै. साई प्रिंटिंग प्रेस, डी-85, सैक्टर-6, नोएडा- 201301 से मुद्रित कराकर 318-द्वितीय तल, जयपुरिया प्लाजा, डीपीएस के सामने, सैक्टर-26, नोएडा (गौतमबुद्धनगर, उ.प्र.) से प्रकाशित किया।

सम्पादक: अनिल रॉयल

फोन: (0120) 4545477
मो. 9910779911
e-mail Address : royalnoida@gmail.com

नोएडा स्टेडियम में रामलीला की तैयारियां शुरू, वैदिक मंत्रोच्चार के साथ हुआ भूमि पूजन

नोएडा। सेक्टर-21ए में बने नोएडा स्टेडियम के रामलीला मैदान में इस साल होने वाली शहर की सबसे बड़ी रामलीला की तैयारियां अब शुरू हो चुकी हैं। रविवार के दिन श्री सनातन धर्म रामलीला समिति की तरफ से पूरे विधि-विधान और वैदिक मंत्रोच्चार के साथ भूमि पूजन का कार्यक्रम किया गया। इस खास मौके पर सांसद और पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ. महेश शर्मा के साथ-साथ स्थानीय विधायक पंकज सिंह भी पहुंचे। दोनों नेताओं ने पूजा-अर्चना में हिस्सा लिया और इस बड़े धार्मिक आयोजन के अच्छे से पूरा होने की कामना की।

भूमि पूजन के कार्यक्रम के दौरान वहां पर हवन किया गया और रामलीला के पवित्र ध्वज की भी पूरे नियमों के साथ पूजा की गई। श्री सनातन धर्म रामलीला समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि इस बार भी रामलीला को बहुत ही सुंदर और बड़े स्तर पर आयोजित करने की तैयारी की जा रही है। इस आयोजन का मुख्य मकसद लोगों तक भगवान श्रीराम के ऊंचे आदर्शों, उनकी मर्यादा और हमारी सनातन संस्कृति के संदेश को पहुंचाना है। समिति के लोगों ने नोएडा के सभी रहने वाले लोगों से अपील की है कि वे इस रामलीला को देखने के लिए भारी संख्या में मैदान में पहुंचें।

41 सालों से लगातार हो रहा है आयोजन: समिति के सदस्यों से मिली जानकारी के अनुसार, इस मैदान पर पिछले 41 सालों से लगातार रामलीला का मंचन किया जा रहा है। इस साल भी रामलीला का यह भव्य मंचन 11 अक्टूबर से शुरू होकर 21 अक्टूबर 2026 तक चलेगा। इसके साथ ही विजयदशमी का त्योहार भी एक बहुत ही विशेष कार्यक्रम के साथ धूमधाम से मनाया जाएगा।

कार्यक्रम में ये लोग रहे मौजूद: इस भूमि पूजन कार्यक्रम में समिति के अध्यक्ष टीएन चौरसिया, टीएन गोविल, महासचिव संजय बाली, विकास अग्रवाल, संजय गुप्ता और संजय गोयल मुख्य रूप से मौजूद रहे। इनके अलावा भाजपा महानगर अध्यक्ष महेश चौहान, पूर्व विधायक विमला बाथम, राज्यमंत्री कैप्टन विकास गुप्ता, मधुसूदन दादू, पीयूष द्विवेदी, एचपी सिंह परिहार, एसपी जैन, पंकज जिंदल, मुकेश गुप्ता, प्रताप मेहता, डा. वीएस चौहान, हरीश वर्मा, मुकेश शर्मा, रविकांत मिश्रा, विकास जैन, ओमवीर आवाना, सुशील भारद्वाज, आरके अग्रवाल, डा. वीके गुप्ता, राकेश कत्याल, एसके सिंघल, विनोद शर्मा, अर्चना राय, मीनाक्षी शर्मा, मीनाक्षी चौहान, सान्या चौधरी, सुष्मिता, पुष्पा रावत, नीलू जैन, विपिन बंसल, ओपी गुप्ता, राधाकिशन गर्ग, अल्पेश गर्ग, एनके अग्रवाल, सौरभ गोविल, प्रमोद रंगा, एसके राणा, मुकेश गुप्ता, डीके मित्तल, लोकेश कश्यप, विनय शर्मा, अमित त्यागी, धर्मेन्द्र चौहान, श्रेया चर्तुवेदी, रोहित ठाकुर, पुनीत शुक्ला, प्रज्ञा पाठक, नरेन्द्र चोपड़ा और भूपेन्द्र सिंह सहित समिति के कई अन्य पदाधिकारी और सदस्य भी वहां उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सत्यवती मिश्रा जी को अर्पित की श्रद्धांजलि

नोएडा। भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं राजस्थान के पूर्व राज्यपाल पंडित कलराज मिश्रा जी (बाबूजी) की धर्मपत्नी श्रीमती सत्यवती मिश्रा जी के निधन पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने आज उनके नोएडा स्थित आवास पर पहुंचकर श्रद्धांजलि अर्पित की।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने दिवंगत श्रीमती सत्यवती मिश्रा जी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन किया तथा उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। उन्होंने श्रद्धेय कलराज मिश्रा जी एवं शोक संतप्त परिवार के सदस्यों से भेंट कर अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त कीऔर उन्हें इस कठिन एवं दुःख की घड़ी में सांत्वना दी।

एनबीसीसी की देरी पर वेरोना हाइट्स के खरीदारों का प्रदर्शन

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा वेस्ट के वेरोना हाइट्स के सैकड़ों फ्लैट खरीदारों ने पजेशन में हो रही लगातार देरी के विरोध में रविवार को प्रदर्शन किया। यह प्रदर्शन लेजर वैली स्थित वेरोना हाइट्स गेट नंबर 1 पर शांतिपूर्ण तरीके से हुआ। इसमें बुजुर्गों, महिलाओं और बच्चों सहित कई परिवार शामिल हुए। खरीदारों का आरोप है कि एनबीसीसी के वरिष्ठ अधिकारी अपनी जिम्मेदारी से बचने के लिए गायब हो गए हैं।

वर्षों से अपने सपनों के घर का इंतजार कर रहे खरीदारों ने गुस्सा जाहिर करते हुए कहा कि वे एक तरफ बैंक की भारी EMI दे रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ उन्हें मकान का किराया भी देना पड़ रहा है। एनबीसीसी बार-बार आश्वासन दे रहा है, लेकिन निर्माण कार्य की रफ्तार बहुत धीमी है। पजेशन की कोई तय तारीख भी नहीं बताई जा रही है। प्रदर्शन के दौरान खरीदारों ने तख्तियां लेकर 'घर पाना हमारा अधिकार है, NBCC की देरी पर अब हमारा प्रहार है' जैसे नारे लगाए।

फ्लैट खरीदारों की मुख्य मांगें ये हैं:

1. एनबीसीसी पजेशन की एक लिखित में तय समय-सीमा बताए।
2. निर्माण कार्य की सही और नियमित रिपोर्ट सार्वजनिक करे।
3. एनबीसीसी और खरीदारों के प्रतिनिधियों के बीच नियमित और खुली बातचीत होनी चाहिए।

प्रदर्शनकारियों के प्रतिनिधियों ने मीडिया से बात करते हुए कहा, 'हम पिछले कई सालों से मानसिक और आर्थिक परेशानी झेल रहे हैं। हमारा यह प्रदर्शन पूरी तरह शांतिपूर्ण है। इसका मकसद सिर्फ एनबीसीसी का ध्यान हमारी समस्याओं की ओर खींचना है। अगर जल्द ही हमारी मांगों पर कदम नहीं उठाए गए, तो आंदोलन को और तेज करेंगे। '

आईएमएस वॉरियर्स ने लोको एफसी को 10-0 से हराया, मिगसन चैंपियंस और स्टेलरिन एफसी ने भी दर्ज की शानदार जीत

नोएडा। सेक्टर-62 स्थित आईएमएस नोएडा में आयोजित डिस्ट्रिक्ट प्ले क्रिएटर्स लीग के नॉकआउट चरण के मुकाबलों में खिलाड़ियों ने शानदार खेल कौशल और प्रतिस्पर्धी भावना का प्रदर्शन किया। शनिवार की शाम को खेले गए मुकाबलों में टीमों के बीच जोरदार टक्कर देखने को मिली। मुकाबलों में खिलाड़ियों ने बेहतरीन पासिंग, आक्रामक खेल और मजबूत डिफेंस का प्रदर्शन करते हुए दर्शकों का उत्साह बढ़ाया।

पहले मुकाबले में आईएमएस वॉरियर्स ने शानदार प्रदर्शन करते हुए लोको एफसी को 10-0 के बड़े अंतर से हराया। पूरे मुकाबले में आईएमएस वॉरियर्स के खिलाड़ियों का दबदबा देखने को मिला और टीम ने लगातार गोल करते हुए मुकाबले को एकतरफा बना दिया। दूसरे मुकाबले में यूजुअल सस्पेक्ट्स एफसी और विश्वकर्मा स्पोर्ट्स एफसी के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिला। दोनों टीमों ने आक्रामक खेल का प्रदर्शन किया, लेकिन अंत में यूजुअल सस्पेक्ट्स एफसी ने 2-1 से मुकाबला अपने नाम किया। वहीं, मिगसन चैंपियंस और एरियन्स एफसी के बीच हुए मुकाबले में भी गोलों की बारिश देखने को मिली। मिगसन चैंपियंस ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए 5-3 से जीत दर्ज की। मुकाबले के दौरान दोनों टीमों के खिलाड़ियों ने लगातार आक्रमण किए और दर्शकों को रोमांचक फुटबॉल देखने को मिली।

सेमीफाइनल के एक अन्य मुकाबले में स्टेलरिन एफसी ने एससी दिल्ली क्रिएटर्स को 4-0 से हराकर शानदार जीत दर्ज की। स्टेलरिन एफसी ने पूरे मैच में बेहतर नियंत्रण बनाए रखा और विपक्षी टीम को गोल करने का मौका नहीं दिया। इन मुकाबलों के परिणामों के बाद लीग का रोमांच और बढ़ गया है। खिलाड़ियों और टीमों की निगाहें अब अगले चरण में बेहतर प्रदर्शन करते हुए खिताब की ओर कदम बढ़ाने पर हैं।

संक्षिप्त समाचार

दिल्ली-एनसीआर में बेचते थे स्मैक,4 आरोपी गिरफ्तार

नोएडा। ग्रेटर नोएडा की दादरी थाना पुलिस ने मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ कार्रवाई की है। पुलिस ने चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से करीब 12 लाख रुपये की 115.90 ग्राम स्मैक मिली है। साथ ही 2700 रुपये नकद भी बरामद किए गए हैं। आरोपियों को शनिवार को अजायबपुर क्षेत्र में भट्टे के सामने बनी एक कोठरी से पकड़ा गया। पुलिस को गोपनीय सूचना मिली थी, जिसके आधार पर यह कार्रवाई की गई।

डीसीपी ग्रेटर नोएडा रवि शंकर निम ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों के नाम सुनील उर्फ सुमित, हर्ष रावल, मोहित रावल और राजीव हैं। ये सभी दादरी क्षेत्र के घोड़ी बछेड़ा गांव के रहने वाले हैं। इनकी उम्र करीब 23 से 26 साल के बीच है।

पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वे दिल्ली से कम दाम में स्मैक खरीदते थे। फिर उसकी छोटी-छोटी पुड़िया बनाते थे। इन पुड़ियों को वे दिल्ली-एनसीआर में नशे के आदी लोगों को बेचते थे। इससे वे अवैध कमाई करते थे। बिक्री से मिले पैसों को वे आपस में बांट लेते थे। इन पैसों का इस्तेमाल वे अपने निजी खर्चों और मौज-मस्ती के लिए करते थे। पुलिस ने बताया कि उनके गिरोह के बारे में और जानकारी जुटाई जा रही है। यह पता लगाया जा रहा है कि वे दिल्ली में स्मैक कहां से लाते थे। साथ ही, यहां किस-किस को सप्लाई करते थे, इसकी भी जांच की जा रही है। पुलिस का कहना है कि जल्द ही इस पूरे गिरोह का खुलासा किया जाएगा।

दोपहिया वाहन चोरी करने वाला एक शातिर गिरफ्तार

नोएडा। फेज-वन थाना पुलिस ने चेकिंग के दौरान दोपहिया वाहन चोरी करने वाले शातिर बदमाश को गिरफ्तार किया है। उसके पास से एक चोरी की बाइक और एक अवैध हथियार बरामद हुआ है। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। एसीपी मयंक तिवारी ने बताया कि शनिवार देर रात टीम क्षेत्र में गश्त कर रही थी। तभी सूचना मिली कि दिल्ली की ओर एक बाइक पर चोर आने वाला है। सूचना को पुख्ता कर झुंडपुरा बॉर्डर बैरियर लगाकर चेकिंग शुरू की गई। तभी एक बाइक पर संदिग्ध व्यक्ति आते हुए दिखाई दिया। उसे रुकने का इशारा किया तो वह पुलिस टीम को देखकर भागने लगा।

टीम ने पीछा करते हुए सेक्टर-आठ शौचालय के पास से घेरकर दबोच लिया। उससे बाइक के दस्तावेज मांगे तो दिखाने में असमर्थ रहा। तलाशी ली तो उसके पास से अवैध हथियार बरामद हुआ। जांच करने पर पता चला कि बाइक चोरी की है। बाइक दिल्ली के जाफराबाद निवासी जैनुलाबद्दीन के नाम पर पंजीकृत है। यह बाइक 12 सितंबर को चोरी की गई थी। इसके संबंध में दिल्ली के गाजीपुर थाने में मुकदमा दर्ज है। आरोपी की पहचान सेक्टर-आठ स्थित जेजे कॉलोनी निवासी संजू उर्फ नेपाली के रूप में हुई। पुलिस आरोपी के अन्य साथियों के बारे में जानकारी जुटा रही है।

ठगों ने कारोबारी समेत चार लोगों से 45 लाख रुपये ठगे

नोएडा। साइबर अपराधियों ने लोगों को जाल में फंसाने के लिए अलग-अलग तरीके अपनाकर नोएडा में चार लोगों से करीब 45 लाख रुपये ठग लिए। किसी मामले में कारोबारी के अधिकारी की तस्वीर लगाकर गिफ्ट वाउचर खरीदने का दबाव बनाया गया, तो किसी को शेयर बाजार में मोटा मुनाफा कमाने का लालच दिया गया। एक व्यक्ति के बैंक खातों से रकम निकाल ली गई, जबकि एक अन्य को ऑनलाइन धमकी देकर रुपये वसूलने का आरोप है। पीड़ितों की शिकायत के आधार पर साइबर थाना पुलिस ने चार अलग-अलग मामले दर्ज किए हैं। पुलिस बैंक खातों, मोबाइल नंबरों, ईमेल, वेबसाइट और अन्य डिजिटल साक्ष्यों की मदद से आरोपियों तक पहुंचने का प्रयास कर रही है।

पहला मामला: पहले मामले में सेक्टर-100 स्थित लोटस एस्पेसिया सोसाइटी निवासी अनुभव गुप्ता ने पुलिस को बताया कि दो अगस्त की शाम करीब सात बजकर 45 मिनट पर उनके मोबाइल पर अमेरिकी नंबर से वॉट्सऐप संदेश और मिस्ड कॉल आया। वॉट्सऐप प्रोफाइल पर उनकी कंपनी के सीईओ की तस्वीर लगी थी। संदेश भेजने वाले ने खुद को कंपनी का सीईओ बताते हुए एक क्लाइंट के लिए अमेजन से स्टीम वॉलेट रिचार्ज वाउचर खरीदने को कहा। अचानक मिले इस निर्देश को कंपनी के वरिष्ठ अधिकारी का आदेश समझकर अनुभव ने वाउचर खरीदना शुरू कर दिया। उन्होंने 2500 रुपये के वाउचर 10-10 के बैच में खरीदे। इस तरह कुल 20 ट्रांजैक्शन में करीब पांच लाख रुपये के वाउचर खरीद लिए। आरोपियों ने वाउचर की जानकारी भेजने के लिए ईमेल भी उपलब्ध कराया। बाद में जब लगातार और वाउचर खरीदने का दबाव बनाया गया तो उन्हें संदेह हुआ। इसके बाद उन्होंने मामले की शिकायत पुलिस से की।

दूसरा मामला: दूसरे मामले में सेक्टर-23 निवासी 70 वर्षीय महेश नारायण सक्सेना को शेयर ट्रेडिंग में बड़ा मुनाफा दिलाने का झांसा दिया गया। शिकायत के अनुसार वॉट्सऐप पर निशा वर्मा नाम की महिला ने उनसे संपर्क किया। आरोपी ने एचडीएफसी सिक्योरिटीज में डीमैट अकाउंट खुलवाने और शेयर बाजार में निवेश से अच्छा रिटर्न मिलने का भरोसा दिया। बातचीत के दौरान अलग-अलग मदों में उनसे रकम जमा कराई गई। बाद में उन्हें ठगी का अहसास हुआ। शिकायत में करीब 20 लाख रुपये की धोखाधड़ी का आरोप लगाया गया है।

तीसरा मामला: तीसरे मामले में कैलाश चंद्र गर्ग के बैंक खातों से सात लाख 26 हजार 990 रुपये निकाले जाने की शिकायत साइबर थाना पुलिस से की गई है। उनकी बेटी अंजना ने पुलिस को शिकायत दी। शिकायत के मुताबिक नौ से 14 अप्रैल के बीच उनके बैंक खातों से रकम से संबंधित संदिग्ध लेनदेन हुए। पुलिस अब इन ट्रांजैक्शन का रिकॉर्ड खंगाल रही है और रकम किन खातों में गई, इसकी जानकारी जुटा रही है।

'खेल क्रांति' में पूजा कुमारी और तनीष्का ने युवा तीरंदाजों को किया प्रेरित

नोएडा। युवा क्रांति सेना की ओर से चलाए जा रहे 'खेल क्रांति' अभियान के अंतर्गत नोएडा स्टेडियम में संचालित पिनाका आर्चरी अकादमी में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे खिलाड़ियों के लिए एक प्रेरणादायी संवाद सत्र आयोजित किया गया। इस दौरान भारतीय पैरा तीरंदाज पूजा कुमारी और तनीष्का ने अकादमी पहुंचकर युवा खिलाड़ियों से मुलाकात की और उन्हें तीरंदाजी की बारीकियों, अभ्यास, तकनीक, अनुशासन तथा प्रतियोगिताओं के अनुभवों से अवगत कराया। पूजा कुमारी और तनीष्का ने खिलाड़ियों के साथ संवाद करते हुए कहा कि खेल में सफलता केवल प्रतिभा से नहीं, बल्कि निरंतर अभ्यास, धैर्य, अनुशासन और अपने लक्ष्य के प्रति समर्पण से हासिल होती है। उन्होंने खिलाड़ियों के सवालों का जवाब देते हुए अपने अनुभव साझा किए और उन्हें बड़े स्तर पर खेलने के लिए प्रोत्साहित किया।

युवा क्रांति सेना के अध्यक्ष अविनाश सिंह ने कहा कि खेल क्रांति का उद्देश्य केवल खिलाड़ियों को मैदान उपलब्ध कराना नहीं, बल्कि उन्हें ऐसा वातावरण देना है जहां उन्हें सही मार्गदर्शन, प्रेरणा और अवसर मिल सके। इस मुहिम का नेतृत्व कर रहे सेना के सलाहकार दीपक शंखधर ने कहा कि पूजा कुमारी और तनीष्का जैसी प्रतिभाशाली पैरा खिलाड़ियों का खिलाड़ियों के बीच पहुंचकर अपने अनुभव साझा करना स्वयं में एक बड़ी प्रेरणा है। हम चाहते हैं कि नोएडा से निकलने वाला हर प्रतिभावान खिलाड़ी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश का प्रतिनिधित्व करे।

इस अवसर पर कोच बालम खानी और दानिश चौहान आदि मौजूद थे।

बिना नंबर प्लेट सड़कों पर दौड़ रही 55 बाइक सीज

नोएडा। मोबाइल और चेन झपटमारी की घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए नोएडा जोन के फेज वन थाना क्षेत्र में पुलिस ने बिना नंबर प्लेट दौड़ने वाले दोपहिया वाहनों पर शिकंजा कस दिया है। विशेष टीम ने पिछले एक महीने में नंबर प्लेट के बिना चल रही 55 बाइक को सीज किया है। पुलिस अब ऐसे वाहनों के साथ-साथ उन्हें चलाने वाले युवकों की गतिविधियों की भी जांच कर रही है। फेज वन थाना प्रभारी ने बताया कि झपटमारी की कई घटनाओं में बदमाश दोपहिया वाहनों का इस्तेमाल करते हैं। वारदात के बाद नंबर प्लेट नहीं होने या फर्जी नंबर प्लेट लगे होने से वाहन की पहचान करना पुलिस के लिए चुनौती बन जाता है।

इसी को ध्यान में रखते हुए फेज वन क्षेत्र में विशेष अभियान शुरू किया गया है। थानाक्षेत्र की सीमाएं दिल्ली से भी लगती हैं। पहले चरण में बिना नंबर प्लेट वाली 15 बाइकों को सीज किया गया था। अब यह संख्या 55 पहुंच गई है। टीम को खास तौर पर ऐसे युवकों पर नजर रखने के निर्देश दिए गए हैं, जो कम उम्र के हैं और बिना नंबर प्लेट की बाइक लेकर घूमते हैं। पुलिसकर्मी चेकिंग के दौरान बाइक के कागजात और चालक से संबंधित जानकारी लेते हैं। संदिग्ध गतिविधि नजर आने पर युवक की फोटो यक्ष ऐप पर जांची जाती है। इसके जरिए उसके आपराधिक रिकॉर्ड की जानकारी जुटाई जाती है। आपराधिक इतिहास सामने आने पर कार्रवाई की जाती है। पुलिस ने निगरानी के लिए क्षेत्र को अलग-अलग हिस्सों में बांटा है। गोलचक्कर चौराहे और हरौला क्षेत्र में टीम के सदस्यों को गश्त की जिम्मेदारी दी गई है। वहीं झुंडपुरा और सेक्टर-6 चौकी क्षेत्र में भी संदिग्ध वाहनों की निगरानी की जा रही है। कुछ पुलिसकर्मी सादे कपड़ों में भी तैनात किए गए हैं, ताकि संदिग्धों को पुलिस की मौजूदगी का तत्काल पता न चल सके। विशेष टीम दो शिफ्ट में काम कर रही है। पहली शिफ्ट सुबह छह बजे से दोपहर तीन बजे तक और दूसरी दोपहर तीन बजे से रात 12 बजे तक है।

विधायक पंकज सिंह को ज्ञापन देंगे साप्ताहिक बाजार के दुकानदार

नोएडा। थाना सेक्टर-142 क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम शाहदरा, सेक्टर-142 में पिछले 20-22 वर्षों से प्रत्येक मंगलवार शाम को स्थायी रूप से साप्ताहिक बाजार लगता आ रहा है। 16 सितंबर 2026 को स्थानीय पुलिस द्वारा भारत सरकार के पथ विक्रेता (जीविका संरक्षण) अधिनियम 2014, उत्तर प्रदेश सरकार की नियमावली 2017, एवं माननीय सर्वोच्च न्यायालय तथा माननीय मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश के दिशा-निर्देशों की अनदेखी करते हुए उक्त बाजार को लगने से रोक दिया गया, जिससे 400 से अधिक पथ विक्रेताओं को भारी नुकसान हुआ।

कारण पूछने पर चौकी प्रभारी सेक्टर-144 ने बताया कि बाजार में फोन चोरी की घटनाएं हो रही हैं, इसलिए बाजार बंद करवाया जा रहा है और अब यहां बाजार नहीं लगने दिया जाएगा। इस पुलिस कार्रवाई के विरोध में आज रविवार 20 सितंबर को सेक्टर-45, नोएडा पार्क में साप्ताहिक बाजार के दुकानदारों की एक आम सभा आयोजित की गई।

सभा को संबोधित करते हुए पथ विक्रेता कर्मकार यूनियन गौतमबुद्ध नगर के महामंत्री व सीटू जिला सचिव गंगेश्वर दत्त शर्मा ने कहा कि जनपद गौतमबुद्ध नगर में पथ विक्रेता अधिनियम 2014 के अनुपालन की प्रक्रिया अभी लंबित है।

अधिनियम की धारा 3(3) में स्पष्ट प्रावधान है कि जब तक धारा 3(1) के तहत सर्वेक्षण पूरा नहीं हो जाता और सभी पात्र पथ विक्रेताओं को विक्रय प्रमाण-पत्र जारी नहीं हो जाता, तब तक किसी भी पथ विक्रेता को बेदखल नहीं किया जाएगा और यथास्थिति बनाई रखी जाएगी। यही आदेश माननीय सर्वोच्च न्यायालय / उच्च न्यायालय के भी हैं।

उन्होंने कहा कि चौकी प्रभारी का यह तर्क कि चोरी होने के कारण बाजार बंद कर दिया गया है, हास्यास्पद है। पुलिस की प्राथमिक जिम्मेदारी कानून-व्यवस्था बनाए रखना और चोरी की घटनाओं को रोकना है। उन्होंने सवाल किया कि यदि सड़क पर दुर्घटनाएं होती हैं तो क्या सड़क पर चलना बंद करवा दिया जाएगा? यदि कॉलोनी में चोरी हो जाए तो क्या लोगों को वहां रहने से रोक दिया जाएगा? उन्होंने मांग की कि स्थानीय पुलिस रोजी-रोटी पर संकट उत्पन्न न करे और पथ विक्रेताओं को सम्मानपूर्वक रोजगार करने दिया जाए, क्योंकि यही उनके परिवार के भरण-पोषण का एकमात्र जरिया है। चोरी रोकने के लिए पुलिस ठोस कार्रवाई करे, जिसमें यूनियन और सभी विक्रेता पुलिस को पूरा सहयोग करेंगे।

सभा की अध्यक्षता कर रहे बाजार कमेटी के अध्यक्ष अरविंद कुमार सिंह ने कहा कि उक्त स्थान पर बाजार लगने से न तो आवागमन प्रभावित होता है और न ही गांव व सोसाइटी के निवासियों को कोई परेशानी होती है, बल्कि सोसाइटी व गांव के आम नागरिकों को सस्ता व सुलभ सामान मिल जाता है।

सभा में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया: जब तक नोएडा प्राधिकरण द्वारा गठित नगर पथ विक्रय समिति द्वारा उक्त बाजार के पथ विक्रेताओं का सर्वेक्षण, पंजीकरण कर लाइसेंस देकर वेंडिंग जोन घोषित नहीं किया जाता, तब तक बाजार को अपने पूर्व निश्चित स्थान पर ही लगने दिया जाए।

इसी मांग को लेकर मंगलवार, 22 सितंबर 2026 को प्रातः 11:00 बजे स्थानीय विधायक पंकज सिंह को उनके नोएडा कार्यालय पर मिलकर ज्ञापन दिया जाएगा।

ये है दिल्ली का सबसे खास रेलवे स्टेशन

6 मीनारें, मुगल अंदाज और 3 लाख यात्री रोज...

नई दिल्ली, एजेंसी। चटख गेरुआ रंग वाली पुरानी दिल्ली रेलवे स्टेशन की इमारत वास्तुशिल्प की दृष्टि से महत्वपूर्ण होने के साथ ही कई बदलाव व इतिहास का साक्षी रहा है। 1864 में छोटे से भवन के साथ शुरू हुए इस स्टेशन की गिनती आज देश के दस बड़े स्टेशनों में होती है। यहां से रोजाना 250 से अधिक ट्रेनों का संचालन होता है और तीन लाख के करीब यात्री पहुंचते हैं। यात्रियों को आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध हो रही हैं। इसके ऐतिहासिक महत्व को देखते हुए 25 सितंबर को स्टेशन परिसर में स्टेशन महोत्सव का आयोजन किया जाएगा। रेल मंत्रालय ने दिसंबर तक देश के ऐतिहासिक महत्व वाले 103 रेलवे स्टेशनों पर स्टेशन महोत्सव मनाने का निर्णय किया है। महोत्सव में स्टेशन के इतिहास की जानकारी देने के लिए फोटो प्रदर्शनी, विरासत स्मारिका का अनावरण, स्टेशन के विकास में योगदान देने वाले रेलकर्मियों का सम्मान सहित अन्य कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। यमुना पर लोहा पुल के बनने के बाद वर्ष 1866 के अंतिम दिन यहां ट्रेन पहुंची थी। ईस्ट इंडियन रेलवे कंपनी की कोलकता दिल्ली लाइन पर चलने वाली यह पहली ट्रेन थी। इसके साथ ही दिल्ली रेल मार्ग के माध्यम से देश के अन्य शहरों से जुड़ गया था। लगभग 40 वर्षों तक छोटे भवन से ही रेल संचालन का काम होता रहा। वर्ष 1893 में स्टेशन की नई इमारत बनाने का काम शुरू किया गया और दस वर्षों में यह बनकर तैयार हुआ। दो प्लेटफार्म के साथ नई इमारत को वर्ष 1903 में आम यात्रियों के लिए खोला गया। इसे मुगलकाल के प्राचीन वास्तुशिल्प के आधार पर बनाया गया है। यह इस क्षेत्र के अन्य मुगलकालीन ऐतिहासिक भवनों जैसे लाल किला व जामा मस्जिद के अनुरूप दिखता है। इमारत में कुल छह मीनार हैं। पहले इस स्टेशन की मुख्य इमारत लाल रंग की थी।

सामरिक महत्व को देखते हुए अंग्रेजों ने स्थापित किया था स्टेशन

1852 में ईस्ट इंडिया रेलवे कंपनी के जनक रोनाल्ड मैक डोनाल्ड स्टीफेंस ने कोलकत्ता से प्रयागराज और दिल्ली होते हुए लाहौर तक रेल लाइन बिछाने की परिकल्पना की थी।अंग्रेजों ने एक रणनीति के तहत दिल्ली में रेलवे स्टेशन के लिए इस स्थान का चुनाव किया था। भविष्य में हिंसक आंदोलन होने पर उसे आसानी से काबू किया जा सके इसे ध्यान में रखकर रेलवे स्टेशन को शहर के बाहर ले जाने के बजाय आबादी वाले स्थान पर बनाने का फैसला किया गया।

11 साल का इंतजार खत्म, 29 सितंबर को खुलेगा बारापुला फेज-3; मयूर विहार से एम्स तक सिग्नल-फ्री होगा सफर

नई दिल्ली, एजेंसी। लंबे समय से निर्माणाधीन बारापुला फेज-3 अब 29 सितंबर को जनता को समर्पित किया जाएगा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह इसका उद्घाटन करेंगे। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता भी मौजूद रहेंगी। लोक निर्माण विभाग के मंत्री प्रवेश वर्मा ने शनिवार को परियोजना स्थल का निरीक्षण कर तैयारियों का जायजा लिया। बारापुला फेज-3 के शुरू होने से पूर्वी दिल्ली के मयूर विहार फेज-1 से सराय काले खां होते हुए एम्स तक सीधी राह मिलने जा रही है। यह मार्ग सराय काले खां के मौजूदा बारापुला मार्ग से जुड़ेगा। इससे मयूर विहार से दक्षिण दिल्ली की ओर जाने वाले लोगों को बेहतर और बिना रुकावट वाला मार्ग मिलने की उम्मीद है। पूरा बारापुला मार्ग करीब नौ किलोमीटर लंबा हो जाएगा। इस परियोजना को वर्ष 2014 में मंजूरी मिली थी और 2015 में निर्माण शुरू हुआ था। इसे वर्ष 2017 तक पूरा किया जाना था, लेकिन विभिन्न कारणों से काम लंबे समय तक खिंचता रहा। देरी के साथ परियोजना की लागत भी बढ़ी और अब इसकी संशोधित लागत करीब 1,635 करोड़ रुपये हो गई है। लोक निर्माण मंत्री वर्मा के अनुसार मयूर विहार और सराय काले खां की ओर बनने वाले दोनों संपर्क मार्गों का निर्माण पूरा हो चुका है। यमुना नदी पर बनने वाला अतिरिक्त भार वाला पुल भी तैयार है।

संक्षिप्त समाचार

अनुबंध कर्मचारियों को भी मिलेगा इलाज, नियमित कर्मियों को कैशलेस सुविधा

नई दिल्ली, एजेंसी। एमसीडी ने अपनी स्वास्थ्य सेवाओं में संशोधन करते हुए नई स्वास्थ्य पैनल

नीति लागू की है। विशेष कि पहली बार अनुबंध कर्मचारी व उनके परिवार के लिए सीजीएचएस दरों पर नकद भुगतान आधार पर इलाज का विशेष प्रविधान किया गया है। महापौर प्रवेश वाही ने बताया कि इस नीति का उद्देश्य निगम कर्मचारियों, पेंशनभोगियों, वरिष्ठ नागरिकों और उनके परिवारों को सुलभ व गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराना है। नियमित कर्मचारी व पेंशनभोगी को सूचीबद्ध अस्पतालों में सीजीएचएस दरों पर कैशलेस इलाज की सुविधा मिलेगी। जबकि, 70 वर्ष से अधिक के वरिष्ठ नागरिक बिना किसी रेफरल के सीधे विशेषज्ञ डाक्टरों से परामर्श और कैशलेस इलाज करा सकेंगे। दूसरे राज्यों में सरकारी अस्पताल में कर्मचारियों के इलाज पर सीजीएचएस दरों पर भुगतान होगा। इस क्रम में निजी अस्पतालों व लैब्स के लिए सालभर पहले आओ-पहले पाओ के आधार पर बिना सुरक्षा जमा जुड़ने की सुविधा रहेगी।

मेडिकल उपकरणों की मनमानी कीमतों पर केंद्र का बड़ा प्रहार, दाम नियंत्रित करने के प्रयास शुरू

नई दिल्ली, एजेंसी। अस्पतालों में मेडिकल उपकरणों की ममनानी कीमतों को नियंत्रित करने के लिए केंद्र सरकार ने प्रयास शुरू कर दिए हैं। सरकार ने मेडिकल उपकरणों की कीमतों को तर्कसंगत बनाने के मुद्दे पर मेडिकल सेक्टर और प्राइवेट अस्पतालों के साथ बातचीत शुरू कर दी है। गौरतलब है कि हाल ही में महाराष्ट्र ड्रग एंड फूड एडमिनिस्ट्रेशन (एफडीए) की जांच में सामने आया कि प्राइवेट अस्पताल लोगों से मेडिकल उपकरणों की मनमानी कीमत वसूलते हैं। एफडीए आयुक्त ने अस्पताल के मेडिकल उपकरणों की कीमतों और एमआरपी के बीच भारी अंतर को लेकर सवाल

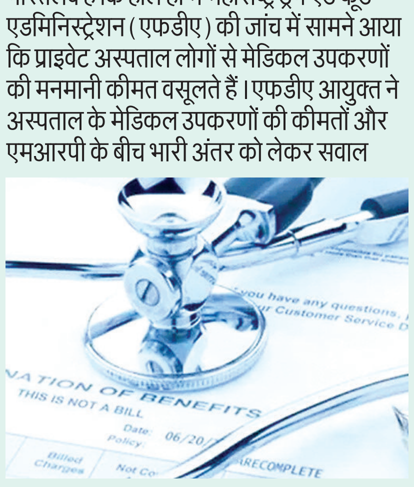

उठाया था। इससे पहले अगस्त में, स्वास्थ्य संबंधी संसदीय समिति ने भी प्राइवेट अस्पतालों में इलाज के लिए ली जानी वाली की रकम की सीमा तय करने की सिफारिश की थी। सूत्रों ने बताया, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने फार्मास्यूटिकल्स विभाग के सचिव के साथ बैठक के बाद निर्देश दिया है कि मेडिकल सेक्टर और अस्पतालों के साथ बैठकें और संवाद किया जाए। हाल ही में एएनआई को दिए साक्षात्कार में दवाओं की कीमतों के नियमन के बारे में मुल्तानी फार्मास्युटिकल्स के सीईओ डॉ. विवेक श्रीवास्तव ने कहा कि स्वास्थ्य सेवा सभी के लिए है। केंद्र सरकार ने ड्रग प्राइसेस कंट्रोल ऑर्डर के जरिये इस पर काम करना शुरू कर दिया है ताकि दवाओं को बहुत कम कीमत पर उपलब्ध कराया जा सके। एम्स कल्याणी के अध्यक्ष डॉ. वाईके. गुप्ता ने कहा, नेशनल लिस्ट आफ एसेंशियल मेडिसिंस (एलएलईएम) में शामिल दवाएं शेड्यूल्ड दवाओं की श्रेणी में आ जाती हैं और उनकी कीमतें नियंत्रित की जाती हैं। हालांकि, कुछ नॉन-शेड्यूल्ड दवाएं भी होती हैं जिनकी कीमतें फार्मास्युटिकल कंपनियां अपनी सुविधा के अनुसार तय कर सकती हैं। इसी तरह, कई मेडिकल इस्तेमाल की वस्तुओं और उपकरणों, जैसे सिरिंज और ग्लव्स, की कीमतों पर भी कोई असरदार नियंत्रण नहीं है। उन्होंने कहा, हमारा मकसद गुणवत्ता से समझौता किए बिना मरीजों को शोषण से बचाना है। अस्पतालों का वाजिब मुनाफा कमाना तो ठीक है, लेकिन बेवजह ज़्यादा मुनाफा कमाना गलत है।

नोटिस आया है तो घबराएं नहीं...

दिल्ली एसआईआर की ड्राफ्ट मतदाता सूची से 47 लाख नाम गायब, 30 सितंबर तक मौका

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में गहन पुनरीक्षण (एसआइआर) प्रक्रिया में नई ड्राफ्ट मतदाता सूची में 1,45,10,299 करोड़ मतदाताओं में से 47,56,722 के नाम कट गए हैं। ऐसे मतदाताओं को सूची में नाम शामिल कराने के लिए 30 सितंबर तक दावा दाखिल करने का मौका दिया गया है। वहीं, लगभग 33 लाख मतदाताओं को नोटिस भेजे जा रहे हैं। इनके लिए 20 सितंबर और 27 सितंबर को सभी मतदान केंद्रों पर विशेष शिविर लगाए जाएंगे। वहां जाकर वह वैध दस्तावेज के साथ फार्म जमाकर अपना नाम जुड़वा सकते हैं। दिल्ली के मुख्य निर्वाचन अधिकारी अशोक कुमार ने प्रेसवार्ता में बताया कि ड्राफ्ट मतदाता सूची में नाम और जन्म तिथि संबंधी विसंगतियों वाले

निवासियों की सूची आनलाइन प्रकाशित कर दी है। दावा और आपत्ति प्रक्रिया के तहत सुनवाई चल रही है, इसलिए मतदाताओं को नोटिस भेजे जा रहे हैं। नोटिस दो प्रकार के भेजे जा रहे हैं। एक श्रेणी में वे लोग हैं जिन्होंने पिछले एसआइआर से स्वयं को मैप नहीं किया है। दूसरी श्रेणी में वे लोग हैं जिन्होंने मैप तो किया है लेकिन नाम, जन्मतिथि या अन्य जानकारी में गलती है। अब तक 31,63,930 नोटिस वितरित किए गए हैं। नोटिस के साथ उन्हें निर्वाचक पंजीकरण अधिकारी (ईआरओ) या सहायक निर्वाचक पंजीकरण अधिकारी (एईआरओ) के पास दस्तावेज जमा करने को कहा गया है। गए दस्तावेज नहीं है तो वह उससे संबंधित कोई और दस्तावेज ईआरओ के पास जमा कर सकते हैं। ईआरओ उस पर अंतिम निर्णय करेगा। इसी तरह से सत्यापन फार्म जमा न करने या अनुपस्थित, स्थानांतरित, मृतक और डुप्लीकेट के रूप में चिह्नित होने के कारण जिन मतदाताओं के नाम ड्राफ्ट सूची में शामिल नहीं है।

मतदाता सूची से संबंधित दावे व आपत्ति से संबंधित फार्म

फार्म 6 : नए मतदाताओं के लिए। फार्म 6ए : प्रवासी निर्वाचक द्वारा मतदाता सूची में नाम शामिल करने के लिए। फार्म 7 : मौजूदा मतदाता सूची में प्रस्तावित समावेशन/नाम हटाने पर आपत्ति के लिए। फार्म 8 : निवास स्थानांतरण/मौजूदा मतदाता सूची में प्रविष्टियों के सुधार के लिए। वे दावे व आपत्ति से संबंधित फार्म 30 सितंबर तक ईआरओ, एईआरओ, बीएलओ और मतदान केंद्रों पर भौतिक रूप से या आनलाइन जमा किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि चांदनी चौक में बेला स्टेट सहित अन्य स्थानों पर जहां से सामूहिक रूप से मतदाता स्थानांतरित हो गए हैं उनके लिए विशेष शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। बेघर लोगों के लिए रेन बसेरों में शिविर लगाए जा रहे हैं।

एसटीएफ को देखते ही फ्लाईओवर से लगा दी छलांग, सोनीपत में टोल मैनेजर मर्डर केस में 2 आरोपी गिरफ्तार

नईदिल्ली, सोनीपत, एजेंसी। हिसार के बाडो पट्टी टोल पर मैनेजर संजय शुक्ला की हत्या के मामले में फरार चल रहे दो आरोपितों को सोनीपत एसटीएफ ने एनएच-44 स्थित भिगान फ्लाईओवर पर घेर लिया। एसटीएफ को देखते ही एक आरोपित ने बचने के लिए फ्लाईओवर से छलांग लगा दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। वहीं, उसके साथी को एसटीएफ ने मौके से गिरफ्तार कर लिया। एसटीएफ ने आरोपितों की गाड़ी को भिगान फ्लाईओवर पर घेर लिया था। पुलिस टीम को देखते ही दोनों आरोपित भागने का प्रयास करने लगे। रास्ता नहीं मिलने पर एक आरोपित ने फ्लाईओवर से नीचे छलांग लगा दी। पुल से गिरने के कारण वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल आरोपित की पहचान हिसार के बहबलपुर गांव निवासी मनोज उर्फ फिल्मी के रूप में हुई है। उसे उपचार के लिए सोनीपत नागरिक अस्पताल

में भर्ती कराया गया है। एसटीएफ ने मनोज के साथी सचिन को मौके से गिरफ्तार कर लिया। सचिन सोनीपत के कबीरपुर गांव का रहने वाला है। कार्रवाई के दौरान आरोपितों के कब्जे से एक अवैध पिस्टल और एक गाड़ी भी बरामद की गई है। प्रारंभिक जांच के अनुसार, दोनों आरोपित हिसार के बाडो पट्टी टोल पर टोल मैनेजर संजय शुक्ला की हत्या के मामले में फरार चल रहे थे। हत्या के बाद से पुलिस दोनों की तलाश कर रही थी।मनोज उर्फ फिल्मी का पहले से आपराधिक रिकार्ड बताया जा रहा है। वहीं, एसटीएफ गिरफ्तार आरोपित सचिन का आपराधिक रिकार्ड भी खंगाल रही है। एसटीएफ गिरफ्तार आरोपित से पूछताछ कर रही है। पूछताछ में हत्याकांड में दोनों की भूमिका, फरारी के दौरान उनके ठिकानों और उनके संपर्क में रहे लोगों के बारे में जानकारी जुटाई जा रही है।

जलस्तर घटा या बढ़ा प्रदूषण... मानसून में फिर जहरीली हुई यमुना, कालिंदी कुंज में दिखने लगा जानलेवा झाग

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी से मानसून की अभी वापसी नहीं हुई है, लेकिन यमुना में प्रदूषण का स्तर बढ़ने लगा है। कालिंदी कुंज पर जहरीला झाग तैर रहा है। इसका मुख्य कारण इस बार मानसून में यमुना का जलस्तर नहीं बढ़ना है। प्रत्येक वर्ष मानसून के दिनों में हथनी कुंड से यमुना में एक लाख से तीन लाख क्यूसेक तक पानी छोड़ा जाता था जिससे बाढ़ की स्थिति

उत्पन्न हो जाती थी। इस बार अगस्त में अधिकतम 63 हजार क्यूसेक पानी छोड़ा गया वह भी एक दो दिनों के लिए। साउथ एशिया नेटवर्क आन डैम्स, रिवर्स एंड पीपुल के सह संयोजक बीएस रावत का कहना है कि वर्ष 2014 के बाद इस बार मानसून में इतना कम पानी छोड़ा गया है, क्योंकि हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में भी कम वर्षा हुई है। इससे नदी में प्रदूषण बढ़ेगा। पानी का कम प्रवाह, औद्योगिक इकाइयों का अपशिष्ट और नालों का गंदा पानी नदी में गिरने से प्रदूषण का स्तर बढ़ता है। इसके चलते कालिंदी कुंज क्षेत्र में यमुना में झाग बनने की समस्या उत्पन्न होती है। जल बोर्ड के अधिकारियों का कहना है कि यमुना में गिरने वाले गंदे पानी को रोकने के लिए नए पुराने सीवेज उपचार संयंत्रों (एसटीपी) का उन्नयन करने के साथ ही नए एसटीपी और विकेंद्रीत सीवेज उपचार संयंत्र (डीएसटीपी) स्थापित करने का काम चल रही है। झाग बनने की स्थिति एक सीमित क्षेत्र तक ही रहती है। इसका मुख्य कारण ओखला बैराज की संरचना और जल प्रवाह की स्थिति है। बैराज पर ढलान होने के कारण पानी तेजी से नीचे गिरता है।

विदेशी लड़कियां, शराब और कॉन्डम का अंबार; पीजी में चल रहा था सेक्स रैकेट, 21 दबोचे

नई दिल्ली, एजेंसी। गुरुग्राम में एक पीजी की आड़ में चलाए जा रहे हाई प्रोफाइल सेक्स रैकेट का भंडाफोड़ हुआ है। गुरुग्राम पुलिस ने शनिवार रात सेक्टर-38 (गांव झाड़सा) के एक पीजी में छापा मारकर सेक्स रैकेट के सरगना और कई विदेशियों समेत 21 लोगों को गिरफ्तार किया है। इनमें 13 पुरुष और 8 महिलाएं शामिल हैं। इस दौरान पुलिस को मौके से भारी संख्या में कॉन्डम के पैकेट, शराब की बोतलें भी मिलीं हैं। यह छापेमारी गुरुग्राम पुलिस और हरियाणा राज्य महिला आयोग की संयुक्त टीम ने की। बता दें कि, 18 सितंबर को गुरुग्राम पुलिस ने सेक्टर-90 स्थित सफायर मॉल के 18 स्पा सेंटरों में छापा मारकर देह व्यापार का भंडाफोड़ किया था। इस दौरान पुलिस ने वहां से एक युवती को पकड़ा था, जिसने पुलिस के समक्ष खुलासा किया कि जब वह नाबालिग थी तब उसे जबरन सेक्टर-38 के मकान नंबर 27 में चल रहे एक पीजी में रखा गया था। वहां उसे देह व्यापार के धंधे में धकेल दिया गया।

सदर थाने में एफआईआर दर्ज-पीड़िता युवती के बयान के आधार पर पुलिस ने शनिवार रात बताए गए पीजी में छापा मारा। इस दौरान आईटीपीए के नोडल अधिकारी अतिरिक्त पुलिस आयुक्त अभिलक्ष जोशी और हरियाणा राज्य महिला आयोग की अध्यक्षा उषा प्रियदर्शिनी मौजूद थीं। पुलिस ने इस पीजी में चल रहे सेक्स रैकेट और अनैतिक कार्यों के चलते 21 लोगों को गिरफ्तार किया। इस संबंध में थाना सदर में आईटीपीए और विदेशी अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है।

सेक्स रैकेट नेटवर्क का सरगना और पत्नी गिरफ्तार-गुरुग्राम पुलिस ने इस कथित सेक्स रैकेट नेटवर्क के सरगना साहिल को गांव झाड़सा से गिरफ्तार कर लिया है। साहिल की पत्नी को भी पुलिस ने गिरफ्तार किया है। शुरुआती जांच से पता चला कि साहिल इन कथित गतिविधियों को अंजाम देने के लिए वेबसाइट चला रहा था। वॉट्सएप चैट व अन्य संचार माध्यमों का इस्तेमाल कर रहा था। यह नेटवर्क कथित तौर पर पीजी/गेस्ट हाउस, गाड़ियों और 10-12 सहयोगियों के जरिये चलाया जा रहा था। इस मामले में अभी साहिल के सहयोगियों की गिरफ्तारी होना बाकी है। पुलिस इनकी तलाश में छापेमारी कर रही है।बता दें कि, इससे पहले पुलिस ने गुरुग्राम के सफायर 90 मॉल में स्थित 18 स्पा सेंटरों पर छापेमारी कर 30 महिलाओं समेत 50 लोगों को हिरासत में लिया था। अधिकारियों ने बताया कि हरियाणा राज्य महिला आयोग और गुरुग्राम पुलिस की संयुक्त छापेमारी शुक्रवार रात 10ः00 बजे शुरू हुई और शनिवार तड़के 3ः00 बजे तक चली थी। पुलिस के मुताबिक एक साथ की गई छापेमारी के दौरान 18 स्पा में से 8 में संदिग्ध गैर-कानूनी गतिविधियों के शुरुआती साक्ष्य मिले। अधिकारियों ने बताया कि पुलिस अब जब्त किए गए इलेक्ट्रॉनिक, डिजिटल, भौतिक और दस्तावेजी साक्ष्यों का आकलन कर रही है, ताकि इस नेटवर्क और इसके मालिकों, संचालकों, प्रबंधकों और मदद करने वालों की भूमिकाओं का पता लगाया जा सके। पुलिस ने बताया कि कुछ स्पा बंद थे,।

पत्नी बेचो... लेकिन पैसे दो, फर्जी ईडी नोटिस से करोड़ों के खेल की बलि चढ़ा युवराज मनचंदा

नई दिल्ली, एजेंसी। गुरुग्राम में एडानी रियल्टी के प्रोजेक्ट मैनेजर 31 वर्षीय युवराज सिंह मनचंदा की हत्या की जांच जैसे-जैसे आगे बढ़ रही है, आरोपी अन्या वत्स और उसके साथी संयम सचदेवा के ठगी के मामलों की परतें भी खुल रही हैं।

पुलिस अब इस एंगल की भी जांच कर रही है कि कहीं युवराज को आरोपियों की ठगी के बारे में जानकारी तो नहीं हो गई थी। युवराज की छह सितंबर को हत्या की गई थी।

जांच में सामने आया है कि आरोपियों पर एक पूर्व परिचित से 1.2 करोड़ रुपये से अधिक की कथित ठगी का मामला दर्ज है। आरोप है कि फर्जी प्रवर्तन निदेशालय नोटिस और सरकारी विभागों में ऊंची पहुंच होने का दावा कर रकम वसूली गई। इस मामले में संसद मार्ग थाने में इसी साल अगस्त में केस दर्ज हुआ था।

पुलिस के अनुसार, संयम सचदेवा के एक पुराने स्कूलमेट को कथित तौर पर फर्जी ईडी नोटिस भेजा गया। इसमें उसके खिलाफ गंभीर धाराओं में मामला दर्ज होने की बात कही गई। आरोप है कि संयम और अन्या ने अपने संपर्कों का हवाला देकर मामला निपटाने का भरोसा

दिया। जांच में यह भी आरोप सामने आया है कि दोनों ने केंद्रीय गृह मंत्रालय के नाम से फर्जी नोटिस तैयार किए। इनमें धनशोधन निवारण अधिनियम और धाराओं का उल्लेख किया गया था। इसके जरिए पीड़ित पर रकम देने का दबाव बनाया गया। शिकायतकर्ता के मुताबिक, उसने अपनी बचत, कर्ज और परिवार से उधार लेकर 1.2 करोड़ रुपये से अधिक रकम दी। इनमें ज्यादातर रकम अन्या वत्स के बैंक खाते में ट्रांसफर होने की बात है। इसके बाद उससे 26 करोड़ रुपये और मांगे गए। दावा किया गया कि उसके मामले को निपटाने के लिए सरकारी एजेंसियों को 13.8 करोड़ रुपये दिए जा चुके हैं। बाद में शिकायतकर्ता को ठगी का अहसास हुआ और उसने पुलिस से संपर्क किया।

पुलिस सूत्रों के मुताबिक, संयम सचदेवा पर अपनी अलग रह रही पत्नी को भी करीब 4.5 करोड़ रुपये की संपत्ति के मामले में ठगने का आरोप है। उसकी पत्नी की शिकायत पर घरेलू हिंसा का मामला भी दर्ज होने की बात सामने आई है। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि युवराज को इन गतिविधियों के बारे में क्या जानकारी थी और क्या यही वजह हत्या के पीछे रही हो सकती है।

जांच में सामने आया है कि हत्या वाले दिन अन्या वत्स और संयम सचदेवा ने युवराज को क्लाइंट मीटिंग के बहाने बुलाया था। परिवार के एक मित्र के मुताबिक, युवराज ने अपनी मंगेतर को बताया था कि वह अन्या के साथ क्लाइंट से मिलने जा रहा है।

क्या फेल हो गई राहुल गांधी की 'छात्रों की गूंज' 11 साल बाद डुसू में एनएसयूआई का सूपड़ा साफ, चारों प्रत्याशी हारे

नई दिल्ली, एजेंसी। विपक्ष के नेता राहुल गांधी छात्रों को लुभाने देश में निकले हैं। शनिवार को भी इंदौर में छात्रों की गूंज कार्यक्रम से युवाओं को साधने की कोशिश में पहुंचे थे। पर उस कार्यक्रम के आगाज के एक घंटे पहले दिल्ली से ऐसा संदेश गया जो उनको मायूसी देने वाला था। क्योंकि, देश में छात्र सियासत के लौटे माहौल में डीयू छात्रसंघ चुनाव में 11 वर्ष बाद पहली बार पार्टी की छात्र इकाई चारों खाने चित्त थी और उसका सुपड़ा साफ था। उसके चारों प्रत्याशी ने हार दर्ज की। जिसके गहरे राजनीतिक निहितार्थ निकाले जाने लगे हैं। डीयू में बदलाव की लहर की उम्मीद धराशाही थी तो चारों ओर भगवा का परचम था। यह 2015 के बाद पहली बार था। क्योंकि विद्यार्थी परिषद ने तीन सीटें जीती तो एक अकेली चौथी सीट निर्दलीय के खाते में गई। मतलब, एक भी सीट एनएसयूआइ के खाते में नहीं गई। तो किसी और छात्र संगठन के झंडे जीत के नहीं थे। जबकि, चुनाव प्रचार में एनएसयूआइ के द्वारा दावा सभी सीटों पर जीत का था। इसके पूर्व वर्ष 2014 और 2015 में डूसू चुनाव में ऐसा परिणाम तब आया था जब केंद्र में सत्ता ने करवट ली थी और छात्रों पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का खासा प्रभाव था। पर इस बार तो छात्रों के मिजाज बदलने का दावा हो रहा था। अकेले यह दिल्ली का संदेश नहीं है, देश के कई विवि और कालेजों में एनएसयूआइ का प्रदर्शन निराशाजनक था। कई राज्यों में NSUI का हाल रहा बेहाल गुजरात विश्वविद्यालय, एमएस यूनिवर्सिटी (वडोदरा), और दक्षिण गुजरात विश्वविद्यालय से संबद्ध दर्जनों कालेजों में एनएसयूआइ की बुरी हार हुई। हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय और राज्य के 60 प्रतिशत से अधिक राजकीय महाविद्यालयों में विद्यार्थी परिषद ने जीत दर्ज कर एनएसयूआइ को बुरी तरह हराया। यह क्रम, मध्य प्रदेश व छत्तीसगढ़ तथा राजस्थान और उत्तराखंड में भी देखने को मिला। असम व अरुणाचल प्रदेश तक में एनएसयूआइ का प्रदर्शन निराशाजनक रहा है।

संक्षिप्त समाचार

डेविस कप

भारत का अंतिम-8 में जगह बनाने का टूटा सपना, कोरिया ने दर्ज की ऐतिहासिक जीत

सियोल। डेविस कप के नए फॉर्मेट में पहली बार 'अंतिम 8' में पहुंचने वाले पहले एशियाई देश बनने का भारत का सपना टूट गया। शनिवार को सियोल में खेले गए क्वालीफायर राउंड-2 मुकाबले में कोरिया ने भारत को 3-1 से हराकर जीत हासिल की। इस साल की शुरुआत में नीदरलैंड को हराने के बाद भारत के पास इतिहास रचने का मौका था, लेकिन शुरुआती दोनों सिंगल्स मैच हारने के बाद टीम मुश्किल स्थिति में आ गई। डबल्स मैच में शानदार प्रदर्शन से भारत ने कुछ देर के लिए मुकाबले में वापसी की उम्मीद जगाई, लेकिन कोरिया ने चौथे मैच में जीत के साथ मुकाबला अपने नाम कर लिया। दक्षिणेश्वर सुरेश और एन श्रीराम बालाजी की जोड़ी ने कोरियाई जोड़ी को 6-3, 3-6, 6-3 से हराकर भारत को नई उम्मीद दी। दूसरा सेट हारने के बाद भारतीय जोड़ी ने जोरदार वापसी की। उन्होंने तनावपूर्ण निर्णायक सेट में संयम बनाए रखा और महत्वपूर्ण ब्रेक हासिल किया, जिससे वे मैच के लिए सर्विस करने की स्थिति में आ गए। भारत को मुकाबला जीतने के लिए बाकी दोनों सिंगल्स मैच अपने नाम करने थे, जिससे सुमित नागल पर दबाव बढ़ गया। हालांकि, कोरिया के सूनवू क्वोन ने रिवर्स सिंगल्स के अहम मैच में शानदार खेल दिखाया और नागल को वापसी का कोई मौका नहीं दिया।

सुब्रतो कप यू-17

मिनर्वा पब्लिक स्कूल ने गुजरात को 4-0 से रौंदा

चंडीगढ़। 65वें सुब्रतो कप इंटरनेशनल फुटबॉल टूर्नामेंट (जूनियर बॉयज अंडर-17) में मिनर्वा पब्लिक स्कूल (सीआईएससीई का प्रतिनिधित्व) का विजय अभियान लगातार जारी है। नई दिल्ली के पीपीएफजी ग्राउंड पर खेले गए मैच-डे 4 के मुकाबले में मिनर्वा ने एकतरफा प्रदर्शन करते हुए गुजरात को 4-0 से करारी शिकस्त दी। इस शानदार जीत के साथ मिनर्वा ने टूर्नामेंट में लगातार चौथे मैच में क्लीन शीट हासिल करने का रिकॉर्ड बनाया। चार मैचों के बाद मिनर्वा की टीम कुल 30 गोल दाग चुकी है, जबकि उनके खिलाफ अब तक एक भी गोल नहीं हुआ है। सुबह 8:30 बजे शुरू हुए इस मुकाबले में दोनों टीमों की रणनीतियों में स्पष्ट अंतर दिखा। मिनर्वा ने अपने आक्रामक 4-3-3 फॉर्मेशन के साथ शुरुआत की, जिसमें गोलकीपर रंजन के आगे साइलेक्स, चिंगखेई, टोनी और सामटे ने रक्षापंक्ति की कमान संभाली। मिडफील्ड में मूसा, के. चेतन और चेतन ने खेल की गति तय की और अटैकिंग लाइन के महेश, योहेनबा और राज को लगातार मौके बनाए।
वहीं, गुजरात की टीम डिफेंसिव 5-4-1 लो-ब्लॉक फॉर्मेशन के साथ उतरी, जिसका उद्देश्य मिनर्वा के हमलों को रोकना था। हालांकि, मिनर्वा के आक्रामक हाई-प्रेस ने महज 6वें मिनट में ही गुजरात के डिफेंस को तोड़ दिया।

एशियन गेम्स: सेमीफाइनल में बांग्लादेश को 114 रन से हराया

फाइनल में भारत की बेटियां

निशिन। एशियन गेम्स 2026 के महिला क्रिकेट इवेंट में महिला एशिया कप 2026 की पुनरावृत्ति हो गई है। महिला एशिया कप 2026 की तरह ही एशियन गेम्स 2026 महिला क्रिकेट का फाइनल मुकाबला भारतीय टीम और श्रीलंका के बीच होगा। रविवार को खेले गए दूसरे सेमीफाइनल में भारतीय टीम ने बांग्लादेश को 114 रन से हराकर फाइनल में जगह बनाई। कोरोगी स्पोर्ट्स पार्क में खेले गए मुकाबले में भारतीय टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया था। टीम इंडिया ने सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा के विस्फोटक शतक की बदौलत 4 विकेट पर 195 रन बनाए थे। शेफाली ने मात्र 49 गेंदों पर शतक लगाया।

यह उनके अंतरराष्ट्रीय टी20 करियर का पहला शतक था। शेफाली ने 49 गेंदों पर 9 छक्कों और 3 चौकों की मदद से नाबाद 100 रन की पारी खेली। इस शतक के साथ ही शेफाली ने मंधाना के सबसे तेज टी20 शतक के भारतीय महिला क्रिकेटर के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली। मंधाना ने 2018 में न्यूजीलैंड के खिलाफ 49 गेंदों में ही शतक लगाया था। शेफाली के अलावा, स्मृति मंधाना ने 19 गेंदों पर 2 छक्कों और 5 चौकों की मदद से 37 और कप्तान हरमनप्रीत कौर ने 33 गेंदों पर 6 चौकों की मदद से 40 रन की पारी खेली। बांग्लादेश के लिए मारूफा अख्तर, संजीदा अख्तर, राबिया खान और नाहिदा अख्तर ने 1-1 विकेट लिए। 196 रन का लक्ष्य हासिल करने उतरी बांग्लादेश की पूरी टीम 15.4 ओवर में 81 रन पर सिमट गई।

सर्वाधिक 24 रन ओपनर दिलारा अख्तर ने बनाए। भारतीय टीम की तरफ से नंदिनी शर्मा और दीप्ति शर्मा ने 3-3 विकेट लिए। श्री चरणी को 2 विकेट मिला। क्रांति गौड़ और श्रेयांका पाटिल ने 1-1 विकेट लिए।

एशियन गेम्स

चमारी अथापट्टू ने खेली कप्तानी पारी

श्रीलंका ने सेमीफाइनल में पाकिस्तान को 8 विकेट से हराया

निशिन। कोरोगी स्पोर्ट्स पार्क में खेले गए एशियन गेम्स 2026 के पहले सेमीफाइनल मुकाबले में श्रीलंका महिला क्रिकेट टीम ने पाकिस्तान को 8 विकेट से हराकर फाइनल में जगह बना ली। श्रीलंकी कप्तान चमारी अथापट्टू जीत की हीरो रहीं। श्रीलंका ने टॉस जीतकर गेंदबाजी का फैसला किया था। पहले बल्लेबाजी करने उतरी पाकिस्तान ने 20 ओवर में 4 विकेट के नुकसान पर 177 रन बनाए थे। पाकिस्तान के लिए सलामी बल्लेबाज शावाल जुल्फिकार ने 50 गेंदों पर 2 छक्कों और 3 चौकों की मदद से 54 रन की पारी खेली। चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करने उतरी आयशा जफर ने तूफानी अर्धशतक लगाया। आयशा 40 गेंदों पर 2 छक्कों और 9 चौकों की मदद से 71 रन बनाकर रन आउट हुईं। आयशा के रन आउट होने से पाकिस्तान का निश्चित रूप से कुछ रन पीछे रह गया। कप्तान फातिमा सना ने 12 गेंदों पर नाबाद 20 और सायरा जबीन ने 14 गेंदों पर 17 रन बनाए थे। श्रीलंका के लिए सुगंदिका कुमारी, कप्तान अथापट्टू और काव्या काविंदी ने 1-1 विकेट लिए।

शैफाली वर्मा ने लगाया T20I करियर का पहला शतक, स्मृति मंधाना को छोड़ा पीछे; 6 बड़े रिकॉर्ड्स किए अपने नाम

शैफाली वर्मा ने बांग्लादेश के खिलाफ एशियन गेम्स 2026 के दूसरे सेमीफाइनल मुकाबले में अपने टी20आई क्रिकेट करियर का पहला शतक लगाने में सफलता हासिल की। शैफाली ने अपना पहला टी20आई शतक 118वें मैच में लगाया और नाबाद 100 रन की पारी खेली। ये शैफाली के टी20आई करियर का बेस्ट स्कोर भी रहा साथ ही अपनी इस पारी के दम पर उन्होंने कई बड़े रिकॉर्ड अपने नाम किए। यही नहीं उन्होंने टी20आई में भारत की तरफ से सबसे ज्यादा छक्के लगाने का रिकॉर्ड अपने नाम किया और स्मृति मंधाना पीछे छोड़ दिया।

- **शैफाली ने तोड़ा स्मृति का रिकॉर्ड-** शैफाली ने अपनी शतकीय पारी के दौरान 9 छक्के लगाए और वो भारतीय महिला टीम की तरफ से टी20आई में सबसे ज्यादा छक्के लगाने के मामले में स्मृति से आगे आ गईं। शैफाली ने अब तक कुल 104 छक्के लगाए हैं जबकि मंधाना ने कुल 100 छक्के लगाए हैं। हालांकि ओवर ऑल शैफाली इस मामले में चौथे नंबर पर आ गईं।

एशियन गेम्स: भारतीय महिला हॉकी टीम ने उज्बेकिस्तान को 19-0 से हराया

दीपिका ने 8 गोल किए

काकामिगाहारा। भारतीय महिला हॉकी टीम ने रविवार को गिफू प्रीफेचुरल ग्रीन स्टेडियम में अपने पूल बी के पहले मैच में उज्बेकिस्तान पर 19-0 से रौंदकर एशियन गेम्स 2026 में अपने सफर की शुरुआत धमाकेदार अंदाज में की। भारतीय टीम की जीत में सबसे बड़ी स्टार बनकर दीपिका उभरीं। दीपिका ने 8 गोल किए। इसके अलावा, इशिका ने 3, लालथंतलुआंगी और नेहा ने 2-2 गोल किए। बलजीत कौर, नवनीत कौर, लालरेमसियामी और साक्षी राणा ने 1-1 गोल किया। दीपिका की हैट्रिक की बदौलत भारतीय महिला टीम ने जोरदार प्रदर्शन किया, और हाफ-टाइम तक वे उज्बेकिस्तान के खिलाफ 8-0 से आगे थीं। ब्रेक के बाद, भारत उज्बेकिस्तान को गोल करने का कोई मौका नहीं देने के मूड में नहीं लग रहा था, और दीपिका एक बार फिर अपने सबसे अच्छे फॉर्म में थीं, उन्होंने लगातार चार गोल करके भारत की बढ़त को 13-0 कर दिया।

एशियन गेम्स: गोल्ड मेडल का बचाव करने उतरेगी भारतीय पुरुष हॉकी टीम, दमदार फॉर्म को बरकरार रखना चाहेंगी भारत की बेटियां

काकामिगाहारा। भारतीय पुरुष और महिला हॉकी टीमें रविवार से एशियन गेम्स 2026 में अपने अभियान की शुरुआत करेंगी। हाल ही में हुए वर्ल्ड कप में दोनों टीमों का प्रदर्शन अलग-अलग रहा था, लेकिन अब उनका लक्ष्य एशियन गेम्स में बेहतर खेल दिखाकर अच्छे नतीजे हासिल करना होगा। वर्ल्ड कप में आठवें स्थान पर रहने के बाद पूल ए में शामिल भारतीय पुरुष टीम काकामिगाहारा के गिफू प्रीफेक्चुरल ग्रीन स्टेडियम में इंडोनेशिया के खिलाफ अपने गोल्ड मेडल को बचाने का अभियान शुरू करेगी। वहीं, वर्ल्ड कप में शानदार प्रदर्शन के बाद महिला टीम पूल बी के अपने पहले मैच में इसी स्टेडियम में उज्बेकिस्तान का सामना करेगी। एशियन गेम्स में इस खेल के लिए एक अतिरिक्त प्रोत्साहन भी है। गोल्ड मेडल जीतने वाली टीमों को ओलंपिक 2028 का टिकट मिल जाएगा। हरमनप्रीत सिंह की कप्तानी वाली पुरुष टीम और सलीमा टेटे की कप्तानी वाली महिला टीम, दोनों के ही दिमाग में यह बात जरूर होगी। हाल ही में हुए वर्ल्ड कप में भारतीय पुरुष टीम सेमीफाइनल में नहीं पहुंच पाई थी। टीम का प्रदर्शन निराशाजनक रहा था और टीम ने आठवें स्थान पर रहते हुए टूर्नामेंट का अंत किया था। अब वे एशियन गेम्स में उस अभियान की कमियों को दूर करने की कोशिश कर रहे हैं, जिस पर कोच क्रेग फुल्टन ने भी जोर दिया है।

पहले ही दिन भारत की चांदी

महिला 10 मीटर एयर राइफल टीम ने जीता रजत; मुर्मू-शाह ने दी बधाई

नई दिल्ली। एशियन गेम्स 2026 में भारत ने अपने पदकों का खाता खोल लिया है। महिला 10 मीटर एयर राइफल टीम स्पर्धा में एलावेनिल वलारिवन, सोनम उत्तम मस्कर और विदर्सा के विनोद की तिकड़ी ने रजत पदक अपने नाम किया। टीम के इस प्रदर्शन पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने खिलाड़ियों को बधाई दी और कहा कि उनकी उपलब्धि ने खेलों में भारत का पदक खाता खोल दिया है।

भारतीय टीम ने क्वालिफिकेशन में कुल 1898.0 अंक हासिल किए और दूसरे स्थान पर रहते हुए रजत पदक जीता। चीन ने 1904.2 के कुल स्कोर के साथ स्वर्ण पदक हासिल किया, जबकि मेजबान जापान 1897.1 अंक के साथ कांस्य पदक जीतने में सफल रहा।

सोनम ने किया शानदार प्रदर्शन

भारत की ओर से सोनम उत्तम मस्कर ने क्वालिफिकेशन में सबसे बेहतर प्रदर्शन किया। उन्होंने 634.1 अंक हासिल कर तीसरा स्थान हासिल किया। एलावेनिल वलारिवन 633.5 अंक के साथ सातवें स्थान पर रहीं। वहीं विदर्सा के विनोद ने 630.4 अंक हासिल किए और व्यक्तिगत रैंकिंग में 12वें स्थान पर रहीं। तीनों के संयुक्त प्रदर्शन ने भारत को टीम स्पर्धा में रजत पदक दिलाया।

भारतीय महिला बैडमिंटन टीम ने क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई

कजाखस्तान को हराया

नागोया। भारत ने एशियन गेम्स 2026 के महिला बैडमिंटन टीम इवेंट के पहले दौर में कजाखस्तान को 3-0 से हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली। भारत ने 90 मिनट के भीतर ही मुकाबला अपने नाम कर लिया। तीनों भारतीय खिलाड़ियों ने अपने-अपने मुकाबले सीधे गेम में जीते।

भारत ने बैडमिंटन के महिला टीम स्पर्धा में कमजोर रैंकिंग वाले कजाखस्तान को 3-0 से हराकर रविवार को एशियाई खेलों के क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली। अब उसके सामने मेजबान जापान की कड़ी चुनौती होगी। इचिनोमिया सिटी म्यूनिसिपल जिम्नेजियम में भारत की स्टार खिलाड़ी पीवी सिंधू, उन्नति हुड्डा और तन्वी शर्मा ने बिना कोई गेम गंवाए मुकाबला अपने नाम किया।

भारत ने जीते शुरुआती तीन मुकाबले- विश्व रैंकिंग में 11वें स्थान पर काबिज सिंधू ने पहले मुकाबले में कमिला स्मागुलोवा को महज 24 मिनट में 21-7, 21-9 से शिकस्त दी। कजाखस्तान की कमिला की विश्व रैंकिंग 426 है। इसके बाद विश्व की 24वें नंबर की खिलाड़ी उन्नति ने अलिस्सा कुलेशोवा (विश्व रैंकिंग 866) को 22 मिनट में 21-7, 21-10 से हराया। विश्व रैंकिंग में 26वें स्थान पर मौजूद तन्वी शर्मा ने डायना नामेनोवा (विश्व रैंकिंग 1067) को 21-5, 21-10 से हराकर भारत की जीत पर मुहर लगा दी।

भारत के सामने जापान की कड़ी चुनौती

भारत को अब मेजबान जापान के खिलाफ भारत को कहीं कड़ी परीक्षा से गुजरना होगा। जापान की टीम में विश्व की शीर्ष 10 रैंकिंग वाली तीन महिला एकल खिलाड़ी हैं। इसमें अकाने यामागुची (नंबर तीन), टोमोका मियाजाकी (नंबर सात) और नोजोमी ओकुहारा (नंबर 10) शामिल है। भारत 2023 के हांगझोउ एशियाई खेलों में क्वार्टर फाइनल में थाईलैंड से हारकर खाली हाथ लौट आया था। संभावित मुकाबलों में सिंधू का सामना यामागुची से, जबकि उन्नति का मुकाबला मियाजाकी से हो सकता है। वहीं महिला युगल में भारत की ट्रीसा जॉली और गायत्री गोपीचंद की जोड़ी का सामना जापान की विश्व नंबर तीन जोड़ी युकी फुकुशिमा और मायू मात्सुमोतो से होने की संभावना है। सिंधू ने आगामी मुकाबलों में टीम टीम से अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद जताते हुए कहा, हमारी टीम अच्छी है और जापान भी मजबूत टीम है। इसलिए मुकाबला कड़ा होने वाला है। हर मैच महत्वपूर्ण है और यह एक अच्छा मुकाबला होगा। हम पूरी उम्मीद के साथ उतरेंगे और उम्मीद है कि जीत हमारी होगी।